12 नवंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

भभुअर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भार्गव ऋषि आश्रम पहुंचे पंचकोशी परिक्रमा के यात्री 3

दिल्ली बम धमाका : हमले में इस्तेमाल की गई कार के 11 घंटे का रूट पता चला

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किले में सोमवार को हुए बम धमाके की जांच में पुलिस और जांच एजेसिंया जुटी हुई है। पुलिस ने इस हमले में इस्तेमाल की गई आई-20 कार के रूट का पता लगा लिया है। दिल्ली पुलिस को हुंडई 20 कार के 11 घंटे के रास्ते का पता लगाया है। इस जानकारी से यह पता लगाने में मदद मिलेगी कार फरीदाबाद से कैसे दिल्ली तक पहुंची। सूत्रों ने बताया कि कार ने सोमवार सुबह फरीदाबाद से अपनी यात्रा शुरू की और दिल्ली के कई हिस्सों से होते हुए सोमवार शाम लगभग 6:52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास पहुंची थी। इस दौरान कार दिल्ली के कई इलाकों से होकर गुजरी। सूत्रों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और टोल प्लाजा से प्राप्त आंकड़ों ने जांचकताओं को वाहन की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी जुटाने में मदद की है। फिलहाल पुलिस अब इस बात की तहकीकात कर रही है कि इस दौरान वाहन में कौन मौजूद था। जांच में पता चला कि कार सुबह सात बजकर 30 मिनट पर फरीदाबाद के एशियन हॉस्पिटल के बाहर देखी गई। इसके बाद आठ बजकर 13 मिनट पर यह कार बदरपुर टोल प्लाजा पार कर दिल्ली में दाखिल हुई। 8 बजकर 20 मिनट पर यह कार ओखला इंडस्ट्रियल एरिया के पास एक पेट्रोल पंप के कैमरे में कैद हुई। दोपहर 3 बजकर 19 मिनट पर यह लाल किला परिसर से सटे पार्किंग में दाखिल हुई, जहां यह लगभग तीन घंटे तक खड़ी रही।

धमाके से पहले के 30 मिनट पर फोकस

शाम छह बजकर 22 मिनट पर कार पार्किंग से निकलकर लाल किले की दिशा में बढ़ी। पुलिस के अनुसार, यह 30 मिनट का समय अब जांच का सबसे अहम हिस्सा है। छह बजकर 52 मिनट पर कार में जोरदार धमाका हुआ जिसने वाहन को पूरी तरह चकनाचूर कर दिया। धमाके से आसपास की इमारतों और मेट्रो स्टेशन के शीशे टूट गए और मौके पर अफरातफरी मच गई। दिल्ली पुलिस एनसीआर के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि पता लगाया जा सके कि दिनभर इस कार के संपर्क में कौन-कौन लोग आए। एक अन्य अधिकारी के अनुसार, यह कार एक पेट्रोल पंप पर प्रदूषण प्रमाणपत्र बनवाने भी गई थी ताकि जांच के दौरान सभी कागजात मौजूद दिख सकें। पुलिस अब सभी सूत्रों को जोड़कर मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। दिल्ली पुलिस ने लाल किला ब्लास्ट में इस्तेमाल हुई हुंडई 20 कार की 11 घंटे की ट्रेल ट्रेस कर ली है। कार सोमवार सुबह फरीदाबाद से चली और शाम 6:52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट हुआ, जिसमें 12 लोगों की मौत हुई। जांच में पता चला कि कार कई घंटों तक लाल किला पार्किंग में खड़ी रही।

छत्तीसगढ : बीजापुर में सुरक्षा बलों का बड़ा एक्शन, 6 माओवादी ढेर

एजेंसी/छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार को जिले के थाना मोदकपाल क्षेत्र के अंतर्गत कंदुलनार से पश्चिम में स्थित नेशनल पार्क के जंगल क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच सुबह से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। इस ऑपरेशन में अब तक 6 माओवादी कैडरों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि 4 घायल नक्सलियों को गिरफ्तार करने में भी सफलता मिली है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सटीक जानकारी मिली थी. इसी सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा एवं एसटीएफ की संयुक्त पार्टी ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अभियान के दौरान, सुबह के समय घात लगाए बैठे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिससे नक्सली बैकफुट पर आ गए। एसपी यादव ने बताया कि सुबह से रुक-रुक कर फायरिंग जारी है. अब तक मुठभेड़ स्थल से 6 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं, जिनकी पहचान की जा रही है. साथ ही 4 घायल नक्सलियों को भी पकड़ा गया है। मौके से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा भी मिला है. इनमें ऑटोमैटिक हथियार जैसे इंसास राइफल, स्टेनगन, .303 राइफल सहित अन्य विस्फोटक सामग्री और माओवादी दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद हुई हैं।

पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटा, महिलाओं ने लिया बढ़चढ़कर हिस्सा

बिहार चुनाव : आजादी के बाद पहली बार 68.55 फीसदी हुआ मतदान

एजेंसी/पटना

बिहार के 20 जिलों के 122 विधानसभा सीटों पर बंपर वोटिंग हुई है। शाम पांच बजे तक ही मतदाताओं ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। मतदान खत्म होने के बाद 68.55 फीसदी वोटिंग हुई। आजादी के बाद पहली बार इतना मतदान हुआ है।बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में शाम छह बजे 68.55 फीसदी मतदान हुए हैं। आजादी के बाद पहली बार इतनी बंपर वोटिंग हुई है। इससे पहले सबसे ज्यादा मतदान वर्ष 2000 के विधानसभा चुनाव में हुआ था, जो 62.57 फीसदी मतदान हुआ था। 2025 के बिहार विधानसभा के दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर मतदान हुआ। इनमें सबसे अधिक वोटिंग कसबा विधानसभा में हुई। यहां का मतदान प्रतिशत 80.89 रहा। वहीं, नवादा विधानसभा में सबसे कम 54.83 फीसदी वोटिंग हुई।बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान खत्म हो चुका है। संवेदनशील घोषित किए गए बूथों पर मतदान पांच बजे ही खत्म हो चुका था। छह बजे बाकी बूथों पर मतदान खत्म हो गया। हालांकि, जिन बूथों पर मतदान देरी से शुरू हुई और छह बजे तक मतदाता कतार में खड़े थे, वहां वोटिंग हो रही है। पांच बजे के आंकड़ों के मुताबिक, दूसरे चरण के मतदान ने पहले चरण का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शाम पांच बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, 67.14 प्रतिशत वोट पड़े। सबसे अधिक वोटिंग किशनगंज में 76.26 फीसदी हुई। यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में शाम 5 बजे तक कुल 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम चंपारण में 69.02 फीसदी, पूर्वी चंपारण में 69.31 फीसदी, शिवहर में 67.31 फीसदी, सीतामढ़ी में 65.29 फीसदी, मधुबनी में 61.79 फीसदी, सुपौल में 70.69 फीसदी, अररिया में 67.79 फीसदी, किशनगंज में सर्वाधिक 76.26 फीसदी, पूर्णिया में 73.79 फीसदी, कटिहार में 75.23 फीसदी, भागलपुर में 66.03 फीसदी, बांका में 68.91 फीसदी, कैमूर (भभुआ) में 67.22 फीसदी, रोहतास में 60.69 फीसदी, अरवल में 63.06 फीसदी, जहानाबाद में 64.36 फीसदी, औरंगाबाद में 64.48 फीसदी, गया में 67.50 फीसदी, नवादा में सबसे कम 57.11 फीसदी तथा जमुई में 67.81 फीसदी मतदान हुआ।

12 मंत्रियों का भाग्य ईवीएम में हुआ कैद

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण को लेकर आज मंगलवार को मतदान संपन्न हुआ। इस चरण में 12 मंत्रियों का भाग्य इवीएम में कैद हो गया। दूसरे चरण में 68 .55 प्रतिशत वोटिंग हुई है। बेतिया से भाजपा की रेणु देवी बिहार में उप मुख्यमंत्री बनने के बाद चर्चा में आई थीं। मंत्री रेणु देवी का मुकाबला पिछली बार कांग्रेस के मदन मोहन तिवारी से हुआ था, लेकिन इस बार पार्टी ने यहां प्रत्याशी बदलते हुए वसी अहमद को उतारा है। गया जिले के छकरबंधा थाना क्षेत्र के पहाड़ी इलाकों में भी मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। एक समय यहां नक्सल दस्ते की सक्रियता इतनी थी कि वर्ष 2016 में डुमरी नाला ब्लास्ट में 10 कोबरा जवान शहीद हुए थे। लेकिन अब यह इलाका नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है। इस क्षेत्र के मतदान केन्द्रों पर उल्लेखनीय मतदान हुआ। तारचुआ (79 .34 फीसदी), पिछुलिया (71 फीसदी), बरहा (78 फीसदी), जबकि भदवर थाना क्षेत्र के नवीगढ़ बूथ पर 62 .62 फीसदी मतदान दर्ज हुआ।

पटना हाई कोर्ट ने हेडमास्टर पद विवाद में यथास्थिति बनाए रखने का दिया आदेश

एजेंसी/पटना

पटना हाई कोर्ट ने गया जिले के मनपुर प्रखंड के एक प्राथमिक विद्यालय में हेडमास्टर पद के विवाद पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। मनीता कुमारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ब्लॉक शिक्षा पदाधिकारी के आदेश को चुनौती दी, जिसमें उन्हें नए प्रधानाध्यापक को प्रभार सौंपने को कहा गया था। कोर्ट ने प्रतिवादी को नोटिस जारी किया और अगली सुनवाई 19 दिसंबर 2025 को तय की है। याचिका में उन्होंने ब्लॉक शिक्षा पदाधिकारी, मनपुर द्वारा 11 सितंबर 2025 को जारी आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें 24 घंटे के भीतर विद्यालय का प्रभार नए प्रधानाध्यापक को सौंपने का निर्देश दिया गया था।याचिकाकर्ता का कहना है कि वह 2007 से सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं और उसी वर्ष से प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में विद्यालय का संचालन कर रही हैं।उन्होंने दावा किया कि नव पदस्थापित प्रधानाध्यापक रमेश कुमार उनसे कनिष्ठ हैं, फिर भी उन्हें पद से हटाने का आदेश मनमाना और अवैधानिक है। कोर्ट ने प्रतिवादी रमेश कुमार (प्रतिवादी संख्या 8) को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। साथ ही, दोनों पक्षों को मौजूदा स्थिति बनाए रखने को कहा गया है।

पूर्वी सेक्टर में भारत-चीन सीमा पर सेना का संयुक्त अभ्यास

एजेंसी/ईटानगर

पूर्वी अरुणाचल प्रदेश के भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में तैनात भारतीय सेना की दाओ डिविजन ने अग्रिम इलाकों में एक संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास आयोजित किया। इस अभियान का उद्देश्य सैनिकों की संचालन क्षमता, समन्वय और मिशन तत्परता को और अधिक सुदृढ़ करना था। कठोर भौगोलिक परिस्थितियों और ऊंचाई वाले इलाकों में किए गए इस अभ्यास के दौरान सैनिकों ने विभिन्न परिचालन परिदृश्यों का अनुकरण किया, जिनमें टीमवर्क, सामरिक प्रतिक्रिया और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपीएस) का अभ्यास शामिल था। सेना अधिकारियों के अनुसार,

यह अभ्यास न केवल सैन्य इकाइयों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के लिए था, बल्कि लॉजिस्टिक प्रबंधन, संचार व्यवस्था और संयुक्त योजना निर्माण की प्रभावशीलता को परखने के लिए भी किया गया। इस दौरान सैनिकों ने कठिन मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया और अनुकूलन क्षमता का प्रदर्शन किया। अभ्यास का मुख्य लक्ष्य था कि सैनिक हर परिस्थिति में सटीकता और आत्मविश्वास के साथ परिचालन दायित्व निभा सकें। सेना की दाओ डिविजन द्वारा ऐसे नियमित और वास्तविक प्रशिक्षण अभियानों से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पूर्वी सेक्टर में भारत-चीन सीमा पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सेना हर समय तैयार रहे। अभियान के दौरान अधिकारियों ने कहा कि यह प्रशिक्षण भारतीय सेना की व्यावसायिकता, अनुशासन और सतत तत्परता की परंपरा को और मजबूत बनाता है, जिससे सीमाई इलाकों में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

वायु प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार ने जारी किया आदेश

दिल्ली में अब प्रदूषण फैलाने पर लगेगा भारी जुर्माना

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है, और हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि राजधानी का एयर क्वालिटी इंडेक्स अब सीवियर कैटेगरी में पहुंच गया है। इसी को देखते हुए नगर निगम दिल्ली ने प्रदूषण रोकने के उपायों को और तेज कर दिया है। अब सड़कों पर एंटी-स्मॉग गन, मैकेनिकल रोड स्वीपर, और वॉटर स्प्रिंकलर लगातार तैनात किए जा रहे हैं ताकि धूल और धुएं को नियंत्रित किया जा सके। अधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है किनियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। जुमार्ना 50,000 रुपये तक लग सकता है। दिल्ली के व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि दिल्ली का व्यापार प्रदूषण के कारण हर दिन लगभग 100 करोड़ रुपये का नुकसान झेल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 20 लाख व्यापारी सरकार के साथ खड़े हैं और प्रदूषण कम करने में पूरा सहयोग देंगे। इधर, एमसीडी की बैठक में पार्किंग शुल्क दोगुना करने का प्रस्ताव भी रखा गया है, ताकि लोग निजी वाहन का कम उपयोग करें और सड़कों पर वाहनों की संख्या घटाई जा सके। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला निगम सदन की मंजूरी के बाद होगा। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के दिशानिदेशों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति या संस्था प्रदूषण फैलाती पाई गई तो उसे 5,000 से लेकर 50,000 रुपये तक जुमार्ना देना होगा। एमसीडी की टीमें निर्माण स्थलों, औद्योगिक इलाकों और सड़कों पर कचरा जलाने जैसी गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। राजधानी में 6,130 किलोमीटर लंबी सड़कों की सफाई के लिए 57,000 कर्मचारी तैनात हैं, जबकि 3,400 किलोमीटर मुख्य सड़कों पर 52 मैकेनिकल स्वीपर काम कर रहे हैं।

जाम से कराह रहा डुमरांव, संबंधित मौन, व्यवसायी व आमलोगों में गहराया आक्रोश

लग्न का सीजन शुरू होने वाला है लेकिन जाम के दंश से डुमरांव बाजार आने से कतरा रहे है लोग

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में जाम की समस्या दशकों पुरानी है, लेकिन आज तक इसका समाधान नगर परिषद प्रशासन नहीं निकाल पाया है। आलम यह है कि शहर के मुख्य बाजार राजगोला रोड, चौक रोड, स्टेशन रोड तथा साफाखाना रोड में हर समय जाम लगा रहता है।

मंगलवार को भी बाजार में कुछ ऐसा ही नजारा दिखाई पड़ा, जब पूरे दिन गोला रोड व चौक रोड में जाम लगा रहा। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों, दुकानदारों, वाहन चालकों तथा छात्र-छात्राओं को भारी फजीहत उठानी पड़ी। लोगों का कहना है कि सोमवार को भी पूरे दिन यही हाल था।

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि अब लग्न का सीजन शुरू होने वाला है। सामान्य दिनों में

बाजार ग्राहकों से गुलजार रहता था, लेकिन जब से जाम का दंश बढ़ा है, ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले ग्राहकों का डुमरांव से मोहभंग होने लगा है। वे यहां हर दिन लगने वाले जाम को देखते हुए दूसरे बाजार की रूख कर रहे है, जिससे स्थानीय व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

राजगोला रोड के व्यवसायी अमर केशरी, संजय कुमार, गोल्डेन आदि का कहना है कि दुर्गापूजा के पहले से ही सड़क निर्माण के नाम पर टैजफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी, जिस कारण त्योहारी सीजन में दुकानदारी मारी गई थी। वहीं, अब जाम के कारण दुकानारी पर प्रभाव पड़ रहा है।

वहीं, जानकारों का कहना है कि राजगोला रोड, चौक रोड, साफाखाना रोड आदि में हर दिन लगने वाले जाम का मुख्य वजह अतिक्रमण है। अतिक्रमण के खिलाफ एक बार अभियान चलाने के बाद नगर परिषद प्रशासन चुप्पी साध लेता है। त्योहारी सीजन व लग्न के समय अतिक्रमण सबसे गंभीर हो जाता है। इस समय राजगोला रोड में फुटपाथ दिखाई भी नहीं पड़ता है, जबकि सड़क भी काफी संकरी हो जाती है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि पूरे दिन राजगोला रोड में ठेला व खोमचे वाले काबिज रहते है। वहीं इस दौरान आटो तथा ई-रिक्शा का परिचालन भी इसी रास्ते होता है। जिस कारण जाम की समस्या काफी बढ़ जाती है।

दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से जाम का दंश बढ़ गया है, जबकि सबकुछ जानते हुए भी नगर परिषद प्रशासन मौन साधे हुए है। जिससे अतिक्रमणकारियों का मनोबल बढ़ गया है।

> 14 नवंबर को काउंटिंग समाप्त होने के बाद शहर में अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। किसी को भी सड़क के अतिक्रमण की छूट नहीं दी जाएगी। स्थानीय व्यवसायियों को जल्दी ही जाम के दंश से स्थायी रूप से निजात मिलेगा।
>
> **राहुलधर दूबे, ईओ, नगर परिषद, डुमरांव**

भारी बवाल के बाद पुलिस ने शव कब्जे में ले कराया पोस्टमार्टम, कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका दिया बिंदटोली का रहने वाला था मृतक

संदेहास्पद स्थिति में युवक की मौत हत्या का आरोप लगा रहे स्वजन

केटी न्यूज/डुमरांव

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका दिया गांव निवासी एक युवक की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई है। मंगलवार की सुबह उसका शव दिया-अरक मार्ग के किनारे बिजली के पोल के पास खेत में पड़ा था। स्वजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। उसके सर पर चोट के निशान मिले है तथा एक हथेली पर जले का निशान है। आशंका जताई जा रही है कि उसकी कही अन्यत्र हत्या कर इसे दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को बिजली के पोल के पास लाकर रख दिया गया होगा। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक मजदूरी करता था तथा सोमवार की सुबह अपने घर से अरक के किसी किसान के खेत का पटवन करने गया था। देर शाम तक जब वह लौटकर नहीं आया तो उसकी पत्नी तथा विधवा मां पूरी रात उसकी खोजबीन की लेकिन कहीं भी पता नहीं चल इसी दौरान सुबह में किसी ने दिया-अरक मार्ग के किनारे शव पड़े होने की सूचना दी। सूचना पर पहुंचे स्वजन शव को देखते ही क्रंदन-चित्कार कर उठे, जाहिर है शव एक दिन पूर्व लापता हुए मजदूर का ही था। मृतक की पहचान छोटका दिया गांव निवासी स्व. बालबच्चन बिंद के 39 वर्षीय पुत्र बिरेन्द्र बिंद के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक सोमवार को सुबह करीब आठ बजे घर से अरक के किसी किसान के खेत का पटवन करने साइकिल से गया था। जब शाम तक वह नहीं लौटा तो उसकी पत्नी आशा देवी व विधवा मां लीलावती ने उक्त किसान के यहां फोन किया तो पता चला कि वह शाम छह बजे ही यहां से निकल गया है। इसके बाद दोनों का शक गहराया तथा उसे खोजते हुए अरक समेत आस पास के क्षेत्रों में तलाश की। पत्नी व मां ने रोते हुए बताई कि आधी रात तक उसका खोजबीन किया गया, इस दौरान उसका कुछ पता नहीं चला। सुबह में किसी ने उसका शव खेत में पड़ा देखा। उसके बाद ग्रामीणों से इस घटना की जानकारी मिली।

शव उठाने में पुलिस को झेलना पड़ा आक्रोश

जानकारी मिलते ही उसके परिवार के सदस्य समेत पूरा गांव घटना स्थल पर पहुंच गया। इस दौरान कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष संजीत कुमार राम भी सदल बल पहुंचे। शव की शिनाख्त के बाद पुलिस को स्वजनों व गांव की महिलाओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। इस कारण करीब तीन घंटे बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा। स्वजन इसे हत्या करार दे रहे थे तथा हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। जबकि पुलिस का कहना था कि एफआईआर के बाद ही आरोपित को गिरफ्तार किया जाएगा। बहरहाल पुलिस तथा गांव के प्रबुद्धजनों के समझाने बाद आखिरकार महिलाओं का आक्रोश कुछ कम हुआ, इसके बाद पुलिस ने शव को उठा पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में स्वजनों ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया था।

सुनियोजित हत्या से नहीं किया जा सकता है इंकार

घटना स्थल के मुआयना, स्वजनों के बयान तथा मृतक के सर पर मिले जख्म के निशान इस बात की ओर इशारा कर रहे है कि उसकी सुनियोजित तरीके से हत्या कर इसे आत्महत्या का रूख देने के लिए खेत में लाकर फेका गया है। स्वजनों की मानें तो जिस किसान के खेत का पटवन करने मृतक गया था वह बार-बार बयान बदल रहा था। पहले तो वह कह रहा था कि उसकी साइकिल पंक्चर हो गई है, जिस कारण वह पैदल ही गांव जा रहा है। हालांकि, घटना स्थल के पास ही उसकी साइकिल पड़ी थी। वहीं, मंगलवार की सुबह हत्या की जानकारी मिलने के बाद से उक्त किसान का मोबाईल नंबर स्वीच ऑफ हो गया था।

> घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया गया। प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। स्वजनों ने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं कराया है, एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी कर इस मामले का उद्भेदन कर लेगी।
>
> **संजीत कुमार राम, थानाध्यक्ष, कृष्णाब्रह्म**

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST

पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

नाली गली के विवाद में चटकी लाठियां, आधा दर्जन से अधिक जख्मी, दोनों पक्षों से सात गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव में नाली-गली के विवाद में दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गया। इस घटना में दोनों तरफ से जमकर लाठी डंडे चले, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे को नामजद करते हुए एफआईआर दर्ज कराए है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पक्ष के तीन तथा दूसरे पक्ष के चार समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि एक पक्ष के कुंजलाल राम तथा दूसरे पक्ष के नारदमुनी राम के बयान पर एफआईआर दर्ज किया गया है। मामले में एक पक्ष के नुमोद राम, सचिन कुमार राम तथा कुंजलाल राम तथा दूसरे पक्ष के जितेन्द्र राम, सुरेश राम, नारदमुनी राम व अभिषेक राम को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अन्य आरोपितों की भूमिका की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेने की छूट नहीं दी जाएगी।

ग्रामीणों की सजगता से भैंस चोरी की कोशिश नाकाम, चोर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

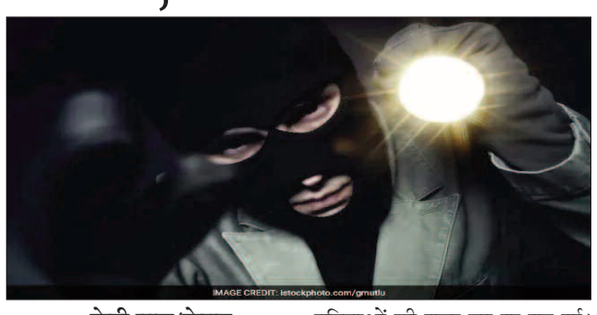

केटी न्यूज/केसठ

वासुदेवा थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर डेरा में सोमवार की शाम ग्रामीणों की सतर्कता से भैंस चोरी की कोशिश नाकाम हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव के ही समीप कुछ अज्ञात चोर एक भैंस और भैंसा को गाड़ी पर लादने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान शौच के लिए गई कुछ महिलाओं की नजर उन पर पड़ गई। महिलाओं ने टॉर्च की रोशनी डालकर शोर मचाया, जिससे आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े। स्थिति बिगड़ती देख चोर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही केसठ मुखिया अरविन्द यादव उर्फ गामा पहलवान, जितेन्द्र पहलवान, भिखारी यादव समेत कई ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इसके बाद ग्रामीणों ने वासुदेवा थाना को सूचना दी।सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की रात करीब आठ बजे भिखारी यादव की भैंस और भैंसा को चुराने की कोशिश की जा रही थी। परंतु गांव की महिलाओं की सजगता और ग्रामीणों की तत्परता से चोरी की यह कोशिश नाकाम हो गई।ग्रामीणों ने बताया कि हाल के दिनों में क्षेत्र में पशु चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे लोग अब रात के समय अधिक सतर्क रहने लगे हैं। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है और चोरों की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की जा रही है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल

विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ

अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

बंदरों के आतंक से दहशत में डुमरांववासी, हरिजी के हाता में दिन-भर चलता है वानर दरबार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर क्षेत्र का हरिजी का हाता इन दिनों मानो ह्वानर नगरीह्व में तब्दील हो गया है। सीपीएस स्कूल के आस-पास और थाना के पीछे वाली गलियों में पचास से अधिक बंदरों का झुंड रोजाना सुबह से शाम तक उत्पात मचाए रहता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इनके आतंक से परेशान हैं।

सुबह-सुबह दूध लेने वाले, टहलने वाले और स्कूल जाने वाले लोग इन बंदरों के डर से घर से निकलने से कतराते हैं। स्कूली बच्चों का हाल तो सबसे खराब है। बस स्टॉप तक पहुंचने में उन्हें पहले बंदरों की पूरी टोली के गुजरने का इंतजार करना पड़ता है। कई बार बच्चे बंदरों के पीछे दौड़ने या उनसे बचने की कोशिश में घायल भी हो चुके हैं। स्थानीय

लोगों के अनुसार, कुछ दिन पहले एक बच्ची के पैर में बंदर ने काट लिया था, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गई थी।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बंदरों का यह झुंड अब पहले से कहीं अधिक उग्र और निर्भीक हो गया है। छतों पर सूखते कपड़े, खुली खिड़कियों से रखे फल-सब्जियां, यहां तक कि लोगों के हाथों से थैले तक छीनने की घटनाएं आम हो गई हैं। स्थानीय निवासी रंजीत प्रसाद ने बताया कि बंदरों के कारण सुबह-शाम गलियों में निकलना किसी जंग से कम नहीं है। नगर परिषद पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए लोगों ने कहा कि पिछले वर्ष प्रशासन ने बंदर पकड़ने वाली एजेंसी को बुलाकर सैकड़ों बंदरों को पकड़कर सासाराम के जंगलों में छोड़ा था। उसके बाद कुछ महीनों तक शांति रही, लेकिन अब वही परेशानी फिर लौट आई है। इस बार नगर परिषद की ओर से कोई पहल नहीं की गई है।

लोगों ने बताया कि हम बच्चों को स्कूल भेजने से पहले गली में झांककर देखते हैं कि कहीं बंदर न बैठे हों। वहीं दुकानदारों का कहना है कि बंदरों के कारण ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है।

लोगों की मांग है कि नगर परिषद तत्काल इस पर ध्यान दे और पुनः बंदर पकड़ने की व्यवस्था शुरू करे, ताकि मोहल्ले के लोगों को राहत मिल सके। फिलहाल हरिजी के हाता में दिनभर ह्वानर दरबारह्व लगा रहता है और इंसान अपने ही घर में कैदी जैसा महसूस कर रहा है।

प्री-वेडिंग शूट के बहाने ठगी, असम से आए फोटोग्राफरों के सात लाख के उपकरण गायब

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा चुनावी सरगर्मी के बीच बक्सर में ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन के पास एक निजी होटल में असम से आए फोटोग्राफरों को प्री-वेडिंग शूट के नाम पर बुलाकर उनके लाखों रुपये के उपकरण गायब कर दिए गए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और होटल सहित आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, असम के डिब्रूगढ़ जिले के डोंगरीचक गांव निवासी सुशांतो गोगोई और उनके साथी रितेश पांडेय पेशे से वीडियोग्राफर हैं। उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बक्सर में शादी की शूटिंग का प्रस्ताव दिया था। 30 हजार रुपये में डील तय हुई, जिसमें आरोपी ने एडवांस के तौर पर पांच हजार रुपये गूगल पे से भेजे और गुवाहाटी से बक्सर तक की ट्रेन टिकट भी मुहैया कराई। इस भरोसे में दोनों युवक बक्सर पहुंचे, जहां वही

व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर मिला और उन्हें शहर के एक निजी होटल में कमरे नंबर 201 में ठहराया। बताया गया कि शाम करीब साढ़े छह बजे ठगों ने बातचीत और भोजन के बहाने दोनों फोटोग्राफरों को होटल से बाहर बुलाया। इसी दौरान दूसरी चाबी से कमरे में घुसकर दो कैमरे, चार लेंस, बैटरी, लाइट, मेमोरी कार्ड, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, पर्स और नगद रुपये समेत करीब साढ़े सात लाख रुपये का सामान लेकर फरार हो गए। कुछ देर बाद जब ह्यक्लाइंटह्व वापस नहीं आया, तो दोनों को शक हुआ और वे लौटे तो पूरा सामान गायब मिला। घटना की सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। सदर एसडीपीओ गौरव पांडेय ने कहा कि प्रारंभिक जांच में असम के तीन युवकों के साथ प्री-वेडिंग शूट के बहाने ठगी की पुष्टि हुई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उन्हें किसने बुलाया था और किन लोगों से उनका संपर्क हुआ था। उन्होंने कहा कि मामला गंभीर है और दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भभुअर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भार्गव ऋषि आश्रम पहुंचे पंचकोशी परिक्रमा के यात्री

- लक्ष्मण के तीर से बने सरोवर में किया पुण्य स्नान
- चूड़ा-दही प्रसाद से हुई परिक्रमा की तीसरे दिन की पूर्णाहुति, रातभर गूंजता रहा भजन-कीर्तन; प्रशासनिक लापरवाही से श्रद्धालु हुए परेशान

केटी न्यूज/बक्सर

विश्वप्रसिद्ध पंचकोशी परिक्रमा यात्रा मंगलवार को अपने तीसरे पड़ाव भभुअर स्थित भार्गव ऋषि आश्रम पहुंची, जहां श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। हजारों श्रद्धालुओं ने यहां पहुंचकर भार्गव सरोवर (लक्ष्मण सरोवर) में पुण्य स्नान किया और भार्गवेश्वर महादेव की विधिवत पूजा-अर्चना की। मान्यता है कि भगवान राम अपने गुरु विश्वामित्र और अनुज लक्ष्मण के साथ वनवास काल में इसी स्थान पर पहुंचे थे, जहां ऋषि भार्गव ने उन्हें चूड़ा-दही का प्रसाद खिलाया था। उसी परंपरा को आज भी श्रद्धालु निभा रहे हैं।

तीसरे पड़ाव की भक्ति-यात्रा, नदांव से भभुअर तक

सोमवार की रात नदांव स्थित नारद सरोवर में भजन-कीर्तन के साथ बिताने के बाद मंगलवार की सुबह श्रद्धालु अगले गंतव्य भभुअर के लिए रवाना हुए। लगभग एक कोस का सफर तय करने के बाद वे भार्गव ऋषि के पवित्र आश्रम पहुंचे। आगमन के साथ ही संत समाज के मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने सरोवर की परिक्रमा की, भगवान शिव को भाग लगाया और तत्पश्चात परंपरागत चूड़ा-दही प्रसाद ग्रहण किया।

लक्ष्मण के तीर से बना था भार्गव सरोवर

समिति के सचिव डॉ. रामनाथ ओझा ने बताया कि जब भगवान राम अपने गुरु विश्वामित्र के साथ इस स्थान पर पहुंचे थे, तब ऋषि भार्गव के आश्रम में जल की भारी कमी थी। इस पर लक्ष्मण जी ने अपने तीर से भूमि पर प्रहार कर एक विशाल सरोवर का निर्माण किया था, जो आज भार्गव सरोवर या लक्ष्मण सरोवर के नाम से विख्यात है। इस सरोवर में स्नान को अत्यंत पवित्र और फलदायक माना जाता है। मान्यता है कि यहां स्नान करने और भगवान भार्गवेश्वर महादेव की पूजा से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

भक्ति में डूबा भभुअर, रातभर गूंजे भजन-कीर्तन

रात होते ही मंदिर परिसर भक्ति गीतों से गूंज उठा। अलग-अलग गांवों और नगरों से आईं महिलाओं ने झाल, ढोल और मंजीरे की थाप पर भजन गाकर माहौल को भावविभोर कर दिया। श्रद्धालु महिलाओं ने देर रात तक ह्लहर हर महादेवह्व और ह्लजय श्रीरामह्व के जयघोष के साथ भक्ति की धारा बहाई। आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग मेले में शामिल होने पहुंचे। मंदिर प्रांगण में लगे खानपान, खिलौने और श्रृंगार की दुकानों ने वातावरण में उत्सव का रंग घोल दिया।

संतों ने बताया परिक्रमा का महत्व

बसांव पीठाधीश्वर महंत अच्युतप्रपन्नाचार्य जी महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि पंचकोशी परिक्रमा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और जीवन के संतुलन की साधना है। इससे मन में शांति, घर में सुख और समाज में समृद्धि आती है। उन्होंने बताया कि परिक्रमा का चौथा पड़ाव बुधवार को नुआंव में होगा, जहां श्रद्धालु उद्दालक ऋषि आश्रम में ह्लसत्तू-मूलीह्व का प्रसाद ग्रहण करेंगे।

गंगा पुत्र लक्ष्मीनारायण स्वामी ने की आरती

परिक्रमा के दौरान गंगा पुत्र लक्ष्मीनारायण स्वामी ने अपनी कुटिया पर आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण जी के तीर से बना यह सरोवर न केवल ऐतिहासिक महत्व रखता है, बल्कि यह श्रद्धा और विज्ञान का अद्भुत संगम है। उनके अनुसार यहां की मिट्टी, जल और वातावरण में अद्भुत ऊर्जा है। श्रद्धा से की गई पूजा व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाती है।

प्रशासनिक लापरवाही से श्रद्धालुओं को परेशानी

हालांकि, परिक्रमा की इस पवित्र यात्रा में प्रशासनिक कुव्यवस्था की झलक भी देखने को मिली। श्रद्धालुओं को भार्गव सरोवर तक पहुंचने के दौरान दुर्गम मार्गों और कीचड़ भरे रास्तों से गुजरना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरोवर के जीर्णोद्धार कार्य के चलते खुदाई के बाद मिट्टी के ढेर मार्ग में जमा हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हुई। श्रद्धालुओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रशासन को पहले से तैयारी करनी चाहिए थी, क्योंकि बक्सर की पंचकोशी परिक्रमा अंतरराष्ट्रीय पहचान रखती है।

श्रद्धा, लोक और परंपरा का संगम

तीसरे पड़ाव भभुअर में मंगलवार को आस्था, लोकसंस्कृति और भक्ति का विराट संगम देखने को मिला। सरोवर के चारों ओर की परिक्रमा, भजन-कीर्तन और चूड़ा-दही के प्रसाद ने इस यात्रा को यादगार बना दिया।

जहां एक ओर संत समाज ने आध्यात्मिक संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों ने मेले की चहल-पहल से उत्सव का आनंद लिया। पंचकोशी परिक्रमा का तीसरा दिन यह सिद्ध कर गया कि बक्सर की यह परंपरा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि जीवन के उत्सव, लोकसंस्कृति और आस्था की जड़ है, जो हर साल हजारों लोगों को एक सूत्र में बांधती है।

डुमरांव विधानसभा चुनाव बीत गई लेकिन नहीं बनी पक्की सड़क

- रामपुर गांव से कचईनिया मार्ग तक सड़क की हालत बदतर, ग्रामीणों ने उठाई पक्कीकरण की

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र के रामपुर गांव स्थित खेल मैदान के पास रजवाहा चार नहर मार्ग से होकर कचईनिया गांव व कोरान सराय मुख्य मार्ग से जुड़ने वाली सड़क की स्थिति बेहद जर्जर हो चुकी है। वर्षों पुराने इस मार्ग का अब तक पक्कीकरण नहीं होने के कारण सड़क आज भी कच्ची ही है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आवागमन करना ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गया है।स्थानीय लोगों ने बताया कि कच्ची सड़क पर ईंट भट्ठों के ट्रैक्टरों के गुजरने से गड्ढे और गहरे हो गए हैं। अस्थायी सुधार के लिए भट्ठा संचालकों ने जगह-जगह ईंट के टुकड़े डाल दिए हैं, जिससे सड़क और अधिक ऊबड़-खाबड़ हो गई है। इस पर पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। आए दिन बाइक और साइकिल सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।रामपुर गांव निवासी संजय पासवान, भिखारी कुमार, सर्वजीत पांडे और भरथ पांडे ने बताया कि ग्रामीणों को उम्मीद थी कि विधानसभा चुनाव से पहले इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू होगा, लेकिन चुनाव बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र का सुगम रास्ता है, जिससे लोग आसानी से कोरान सराय मुख्य मार्ग तक पहुंच सकते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण अब लोग वैकल्पिक रास्तों से होकर जाने को मजबूर हैं। इस सड़क की जर्जर स्थिति के कारण न केवल वाहन चालकों बल्कि पैदल यात्रियों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने कहा कि इस मार्ग के पक्कीकरण के लिए जल्द ही ग्रामीणों के साथ बैठक कर जिला के वरीय अधिकारियों से गुहार लगाई जाएगी, ताकि जल्द से जल्द सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो सके।

ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि इस मार्ग का शीघ्र पक्कीकरण कराया जाए, जिससे लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

केसठ में धान की कटाई के साथ ही आलू की बुवाई में जुटे किसान

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों खेत-खलिहान में रौनक लौट आई है। एक ओर जहां किसान धान की कटाई में पूरी तरह व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर अब खेतों में आलू की बुवाई भी शुरू हो गई है। सुबह से लेकर देर शाम तक किसान अपने खेतों में मेहनत करते नजर आ रहे हैं। खेतों में ट्रैक्टर की आवाज से गांवों में फिर से कृषि मौसम का उल्लास दिखाई दे रहा है।हाल ही में हुई बारिश के कारण धान की फसल को कुछ नुकसान जरूर पहुंचा था, लेकिन किसानों का हौसला कम नहीं हुआ। अब मौसम साफ होते ही किसानों ने

कटे हुए खेतों को झाड़कर आलू की बुवाई की तैयारी शुरू कर दी है। कई स्थानों पर किसान कटाई पूरी कर चुके हैं और अब खेतों की जुताई, सिंचाई और बीज उपचार का काम जोरों पर है।रामपुर, केसठ के किसानों ने बताया कि इस बार धान की फसल औसत रही, लेकिन उम्मीद है कि आलू की पैदावार बेहतर होगी। किसान राजकुमार यादव ने बताया, धान से थोड़ा नुकसान हुआ, पर अब हम सब आलू पर भरोसा कर रहे हैं। समय से बुवाई हो गई तो उपज भी अच्छी मिलेगी। ग्रामीणों का कहना है कि इस बार मौसम अनुकूल रहा तो खेतों में बेहतर पैदावार की उम्मीद है।

मतगणना को लेकर प्रशासन सतर्क, निवार्ची पदाधिकारियों ने की राजनीतिक दलों संग समीक्षा बैठक

- सुरक्षा, पास वितरण और पारदर्शिता पर दिया गया विशेष जोर

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी विधानसभा चुनाव की मतगणना को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को डुमरांव अनुमंडल कार्यालय में डुमरांव एवं ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्रों के निवार्ची पदाधिकारियों द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डुमरांव के निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार एवं ब्रह्मपुर के निवार्ची पदाधिकारी सह भूमि सुधार उपसमाहर्ता द्वारा संयुक्त रूप से की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य मतगणना प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करना और सभी दलों को इससे जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी देना था। इस दौरान अधिकारियों ने मतगणना केंद्रों पर की गई तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, अभिकताओं के प्रवेश पास वितरण की प्रक्रिया तथा मतगणना के दौरान पालन किए जाने वाले दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। निवार्ची पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मतगणना कार्य पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष और निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुरूप कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चरण की गणना सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगी तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों ने अभिकताओं से आग्रह किया कि वे मतगणना केंद्र पर शांति एवं अनुशासन बनाए रखें, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

बैठक में यह भी बताया गया कि मतगणना स्थल पर केवल अधिकृत अभिकर्ता एवं पासधारी व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। पास वितरण की प्रक्रिया पूरी तरह से नियमानुसार और पारदर्शी ढंग से की जाएगी। इसके साथ ही मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। निवार्ची पदाधिकारियों ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे आयोग द्वारा जारी आचार-संहिता का पूर्ण पालन करें और मतगणना के दिन सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन का उद्देश्य निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराना है, जिसमें सभी पक्षों का सहयोग अपेक्षित है।

बैठक में संबंधित पदाधिकारीगण, निर्वाचन कार्य से जुड़े कर्मी तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के अभिकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासनिक तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए मतगणना दिवस पर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

चौसा में दो पक्षों में मारपीट, चार घायल, दो गंभीर वाराणसी रेफर, 17 पर प्राथमिकी

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा नगर पंचायत के बारा मोड़ पर रविवार को किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। इसमें दोनों ओर से लाठी-डंडे और लोहे के रॉड चले, जिससे चार लोग घायल हो गए। घायलों में लक्ष्मण पांडेय उर्फ मंगरु के पुत्र ओंकारनाथ पांडेय और दूसरे पक्ष के ब्रजेश पांडेय की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल बक्सर से वाराणसी रेफर कर दिया गया। इस घटना में मंगलवार को दोनो पक्ष द्वारा 17 पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

जानकारी के अनुसार, विवाद लक्ष्मण पांडेय उर्फ मंगरु और बबन पांडेय के बीच हुआ था, जो देखते-देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट में बदल गया। इस दौरान ओंकारनाथ पांडेय, ब्रजेश पांडेय, विकास पांडेय और सुजीत पांडेय जख्मी हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। घटना के संबंध में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। लक्ष्मण पांडेय ने महिला समेत कुल 11 लोगों के खिलाफ जबकि बबन पांडेय ने महिला समेत छह लोगों पर नामजद प्राथमिकी कराई है।

एसआई चंदन कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी की अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

रोहतास जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम उदिता सिंह ने मतदान कर दिया संदेश

- **जिला के विभिन्न मतदान केंद्रों पर डीएम ने वितरण किया पौधा**

केटी न्यूज/रोहतास

जिला निर्वाचन अधिकारी सह रोहतास डीएम उदिता सिंह ने राजकीयकृत मध्य विद्यालय फजलगंज मतदान केंद्र पर मतदान करते हुए मतदाताओं से शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील किया। जिला प्रशासन द्वारा 10 हजार 500 पौधे वितरित कर 'ग्रीन इलेक्शन' का संदेश। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर आज जिला निर्वाचन अधिकारी सह जिला पदाधिकारी ने सासाराम विधानसभा

क्षेत्र के राजकीयकृत मध्य विद्यालय, फजलगंज स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के पश्चात उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने और शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की। डीएम ने कहा कि वोट है अधिकार मतदान करना नहीं भूले। प्रत्येक नागरिक का एक वोट लोकतंत्र की शक्ति को बढ़ाता है। इसलिए सभी मतदाता निडर होकर मतदान करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, प्रथम बार के मतदाताओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से आग्रह किया कि वे मतदान को एक उत्सव के रूप में मनाएं और जिले को 100 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य प्राप्त कराने में सहभागी बनें। इस अवसर पर जिला प्रशासन रोहतास की एक अनूठी पहल के तहत आज जिले में वोट है अधिकार पौधा है उपहार, अभियान चलाया गया। मतदान दिवस पर मतदाताओं को प्रेरित करने एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने हेतु कुल करीब दस हजार पांच सौ पौधों का वितरण किया गया। यह विशेष पहल चुनाव के दौरान वाहनों के उपयोग से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन की भरपाई के उद्देश्य से की गई, ताकि चुनावी प्रक्रिया के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश जन-जन तक पहुंचे। मतदान के समय पौधों का वितरण विभिन्न मतदान केंद्रों, नियंत्रण कक्षों एवं जनजागरूकता स्थलों पर किया गया। यह अभियान ग्रीन इलेक्शन स्वच्छ पर्यावरण, सशक्त लोकतंत्र की दिशा में एक प्रेरक कदम है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे मतदान के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम में भी भाग लें। डीएम ने बताया कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए सुरक्षा व्यवस्था, पीने के पानी, रैम्प, शौचालय, शेड एवं सहायता कर्मियों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है ताकि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे। उन्होंने कहा, "हर वोट लोकतंत्र को मजबूत करता है, हर पौधा पृथ्वी को जीवन देता है। आइए, वोट भी करें और पौधा भी लगाएँ।

काराकाट विधानसभा में चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि में शाम 6 बजे तक करीब 58 फीसदी मतदान

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण में मंगलवार को काराकाट और दिनारा विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व को उत्साह,जोश और जिम्मेदारी के साथ मनाया । सुबह 7 बजे से ही मतदान केंद्रों पर भीड़ उमड़ पड़ी । जगह-जगह महिलाओं की कतारें दिखीं तो युवा हाथों में वोटर स्लिप और चेहरे पर जोश लिए अपने मतदान केंद्र की ओर बढ़ते दिखे । दिनभर चली मतदान प्रक्रिया शाम 6 बजे शांतिपूर्वक संपन्न हो गई । अब दोनों विधानसभा क्षेत्रों के कुल 25 प्रत्याशियों की सियासी किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है,जो 14 नवंबर को मतगणना के दौरान खुलेगी । बिक्रमगंज एसडीएम सह काराकाट विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी प्रभात कुमार ने

बताया कि काराकाट विधानसभा में चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि में शाम 6 बजे तक करीब 58 फीसदी मतदान दर्ज किया गया । प्रशासन ने हर स्तर पर निगरानी रखी और हर बूथ को सुरक्षित बनाया गया । किसी भी मतदान केंद्र से किसी तरह की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली । सभी ईवीएम सुरक्षित रूप से स्ट्रांग रूम में जमा कर दी गई हैं । उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि पूरा मतदान क्षेत्र शांति और सौहार्द के माहौल में रहा । मतदाताओं ने पूरी सजगता के साथ अपने अधिकार का प्रयोग किया । वहीं बिक्रमगंज एलआरडीसी सह दिनारा विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि दिनारा विधानसभा में करीब 60.52 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया । मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे । ग्रामीण इलाकों में भी महिलाओं व युवाओं की भागीदारी उत्साहजनक रही । मतदान प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुई । दोनों अधिकारियों ने संयुक्त रूप से बताया कि 14 नवंबर को जिला मुख्यालय सासाराम के बाजार समिति परिसर में मतगणना संपन्न की जाएगी । इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं । मतगणना स्थल को तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा जाएगा । प्रवेश के लिए केवल अधिकृत इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधिगण, प्रत्याशी,एजेंट और कर्मियों को ही अनुमति मिलेगी । मतगणना के दिन बाजार समिति परिसर में पुलिस बल, दंडाधिकारी और केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान तैनात रहेंगे । स्ट्रांग रूम के ताले प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में खोले जाएंगे । मतदान खत्म होते ही काराकाट और दिनारा दोनों विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक तापमान फिर से चढ़ गया है । समर्थकों के बीच जीत-हार के समीकरणों पर चर्चा तेज हो गई है । कोई लहर की बात कर रहा है तो कोई बदलाव की । चाय की दुकानों, चौपालों और बाजारों में सबसे बड़ा सवाल यही गूंज रहा है कि किसके पक्ष में पड़े हैं जनता के वोट ?राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि इस बार मतदाता खामोश जरूर रहे,लेकिन उनकी चुप्पी बहुत कुछ कह गई । अब हर प्रत्याशी और समर्थक की निगाहें 14 नवंबर की सुबह स्ट्रांग रूम पर टिक गई हैं,जब खुलेंगे मतों के बक्से और सामने आएगा जनता का असली फैसला । खबर लिखे जाने तक दोनों विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार काराकाट विधानसभा में करीब 58 फीसदी तो वहीं दिनारा विधानसभा में करीब 60.52 फीसदी मतदान दर्ज किया गया । दोनों अधिकारियों ने कहा कि कुछ डेटा का रिपोर्ट अभी आने बाकी है । पूर्ण डेटा का फाइनल रिपोर्ट आ जाने के बाद जानकारी दे दी जायेगी ।

एक नजर

दिनारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों के बूथ केंद्रों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

दावथ । दूसरे चरण के अंतिम दिन मतदान में दिनारा विधानसभा 2025 के चुनाव मंगलवार को दावथ प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी विकास कुमार की देखरेख में शांतिपूर्ण मतदान हुआ संपन्न। प्रखंड में विधानसभा चुनाव मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया।मतदान के निर्धारित समय सुबह सात बजे के पहले ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गयी थी। प्रखंड में कुल 87913 मतदाता थे।जिसमें पुरुष मतदाता 45758 व महिला मतदाता 41433 तथा 2 थर्ड जेंडर थे। वही सेक्टर मजिस्ट्रेट ने बूथों पर जा जाकर निरीक्षण करते नजर आये।सभी बूथों पर पर्याप्त संख्या में अर्धसैनिक बल तैनात किये गये थे। जिसके कारण प्रखंड के सभी बूथों पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान का कार्य संपन्न हुआ। मतदान में पहली बार शामिल हुए युवाओं में काफी उत्साह देखा गया। वही मतदान केंद्र संख्या 231 कन्या मध्य विद्यालय पर मतदाता खुशी कुमारी ने कहा कि पहली बार मतदान करना एक सुखद अनुभूति है। हालांकि इस बार महिला मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी के लिए सरकार के द्वारा उठाए गए कदमों का प्रभाव दिखाई दी और महिलाएं सुबह से ही कतार बद्ध होकर मतदान करने के लिए बूथ केंद्रों पर पहुंची। जबकि दूसरी तरफ मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिस बल के जवानों भी मानवता का मिसाल पेश करते हुए असहाय दिव्यागों को भी व्हील चेयर की मदद से बूथ केंद्रों तक पहुंचा उनको मतदान करने में अपना अहम योगदान देते नजर आएं। जिस पुलिस जवान के सराहनीय कार्य को मतदाताओं ने काफी सराहा।

चुनाव सामान्य प्रेक्षक ने दिनारा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

दावथ। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के तहत मंगलवार को दावथ प्रखंड में चुनाव सामान्य प्रेक्षक दिनारा विधानसभा 210 चक्रवर्ती सिंह राठौर ने कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मतदान शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो रहा था। प्रेक्षक ने मतदाताओं से बातचीत कर मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मतदाताओं ने बताया कि केंद्रों पर पेयजल,छाया,रैंप सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं और मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। इस दौरान बुजुर्ग महिला मतदाता मतदान कर बाहर निकलती दिखीं। जब सामान्य प्रेक्षक ने उनसे मतदान का अनुभव पूछा, तो उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मतदान करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार और कर्तव्य है,जिसे निभाकर उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है।

दूसरे चरण के अंतिम दिन मतदान केंद्रों पर सेल्फी पॉइंट को वोटरों ने बनाया यादगार

बिक्रमगंज। काराकाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालय बिक्रमगंज मतदान केंद्र पर इस बार लोकतंत्र का उत्सव कुछ अलग ही रंग में नजर आया । मतदाताओं में मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला,वहीं सेल्फी पॉइंट मतदाताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। वोट डालने के बाद युवा, महिलाएं और बुजुर्ग मतदाता अपने- अपने केंद्रों पर बनाए गए आकर्षक सेल्फी जोन पर पहुंचकर गर्व से तस्वीर खिंचवाते नजर आए। लोकतंत्र के इस महापर्व में "मैंने वोट दियाह्व का संदेश लिए मुस्कुराते चेहरे उत्साह और जागरूकता की नई तस्वीर पेश कर रहे थे । मतदान करने वाले युवती प्रिया कुमारी व मुस्कान कुमारी ने बताया कि उन्हें वोट डालने के बाद सेल्फी लेना बेहद खास अनुभव लगा । यह पल हमेशा याद रहेगा,क्योंकि इससे जुड़ा गर्व शब्दों में नहीं बताया जा सकता । मतदान केंद्रों पर फूलों,गुब्बारों और रंगीन सजावट के बीच सेल्फी पॉइंट ने लोकतंत्र को जश्न का रूप दे दिया । हर ओर उत्साह,गर्व और जिम्मेदारी का संदेश देता नजारा पूरे दिन चर्चा का विषय बना रहा ।

मचा कोहराम : भोजपुर में नतीनी का शादी के दिन रख वापस आ रहे अधेड़ को बाइक ने मारी टक्कर मौत

- **प्रशासन ने जारी किया शिकायत निवारण के लिए कन्ट्रोल रूम का टोल फ्री नम्बरे**

केटी न्यूज/ भोजपुर

शादी का दिन रखने गये अधेड़ की सड़क दुघर्टना में दर्दनाक मौत हो गयी। दुघर्टना में मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जा रही थी। उसी दौरान उन्हें रास्ते में ही दम तोड़ दिया। दुघर्टना सोमवार की देर शाम भोजपुर जिले के बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के मोपती मेल मोड़ के समीप हुई। जहां बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। इस हादसे में उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान सहार थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी स्व.सिंहासन सिंह के

49 वर्षीय पुत्र हृदयानंद सिंह है। पेशे से वह किसान है। मृतक का बड़ा बेटा संतोष ने बताया कि रविवार को अपने फुफा के साथ उनकी की नतिनी की शादी का दिन रखने शिवपुर हॉल्ट गए हुए थे। सोमवार की देर शाम वह मोपती मेला मोड़ के समीप ऑटो से उतरकर सड़क पार कर रहे थे। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए पीरो पीएससी से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी आशा देवी व तीन पुत्र संतोष,मंतोष, कारण एवं एक पुत्री दुर्गावती देवी है। घटना मृतका के घर मे कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी दुर्गावती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाजार से दवा लेकर देवर के साथ लौट रही महिला को मारी गोली, 6 नवम्बर को वोगस वोट के लिए हुआ था बवाल

केटी न्यूज/आरा

मंगलवार को बाजार से देवर के साथ दवा लेकर लौट रही महिला को गोली मारकर हत्या कर दी गई। देवर-भाभी दोनों पर दौरान ने दोनों पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से महिला की मौके पर मौत हो गई। जबकि देवर ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना चौरी थाना क्षेत्र के दुल्लमचक गांव में हुई। मृतका की पहचान दुल्लमचक गांव निवासी रोहित राय की पत्नी मिक्की देवी(22) के रूप में हुई है। मिक्की की मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों शव को बीच सड़क पर रख कर विरोध प्रदर्शन किया। इससे आरा-सहार मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई। प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग है कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। परिजनों का कहना है कि पहले फेज की वोटिंग (6 नवंबर) के दौरान वोगस वोट को लेकर गांव में विवाद हुआ था। इसी विवाद में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। मृतका के देवर

रितेश कुमार ने बताया, श्भाभी के साथ मंगलवार की सुबह खैरा बाजार सामान और दवा लाने के लिए गए थे। ऑटो से गांव वापस लौटने के हथियार लिए चार बदमाशों ने हम दोनों को घेर लिया। इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पिस्टल सटाकर करीब से भाभी को गोली मारी गई। मुझ पर भी फायरिंग की गई, लेकिन किसी तरह से जान बचाकर मौके से भाग निकला। इसके बाद रोहित भैया को फोन पर घटना की जानकारी दी। वारदात के बाद एएसपी सह पीरो एसडीपीओ के.के. सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। चरपोखरी थाना क्षेत्र के नगरांव गांव की रहने वाली मिक्की की शादी फरवरी 2023 में हुई थी। छह माह का बेटा नैतिक है। पति रोहित आरा में रहकर मार्केटिंग का काम करते हैं।

सीनियर सेकेंडरी विद्यालय पर बना आदर्श मतदान बूथ केंद्र बिक्रमगंज में रहा आकर्षण का केंद्र

केटी न्यूज/ रोहतास

काराकाट विधानसभा क्षेत्र के नगर परिषद बिक्रमगंज का सीनियर सेकेंडरी हाई स्कूल इस बार आदर्श मतदान केंद्र के रूप में चर्चा का विषय बना हुआ है। मंगलवार की सुबह दूसरे चरण के अंतिम मतदान में बूथ केंद्रों का भी दृश्य किसी मनोरम उत्सव से कम नहीं दिखा। जिस अवसर पर आदर्श बूथ केंद्र सीनियर सेकेंडरी हाई स्कूल का पूरा परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों और सजावटी बैनरों से इस तरह सजाया गया था कि हर आने वाला मतदाता गर्व और उल्लास से भर उठा । केंद्र पर साफ-सफाई,शुद्ध पेयजल, छायादार पंडाल, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैंप एवं व्हीलचेयर की विशेष व्यवस्था की गई थी। महिलाओं के लिए अलग कतार और विश्राम स्थल भी बनाए गए

थे,जिससे मतदान प्रक्रिया पूरी तरह सहज और सुव्यवस्थित रही। वही लोकतंत्र के महापर्व में वोट देने पहुंचे सेवानिवृत्त अनेकों शिक्षक सहित पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने आदर्श बूथ केंद्र का भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए विद्यालय प्राचार्या सीमा कुमारी को भी सराहनीय कार्य के लिए बधाई दिया। उन्होंने बूथ का मनोरम दृश्य को देखते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे हम सभी मतदाता किसी महापर्व के त्योहार में शामिल हैं। जो पहले कभी इतनी अच्छी व्यवस्था इस बूथ केंद्र पर नहीं देखने को मिली थी। प्रशासन ने वाकई मतदान को सम्मान का पर्व बना दिया है। दूसरी तरफ बिक्रमगंज एसडीएम सह काराकाट विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि आदर्श मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा और प्रेरणा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारा उद्देश्य मतदान को सहज,निष्पक्ष और उत्सवमय माहौल में संपन्न कराना है। चुनाव उत्सव पर बूथ केंद्र को रंगीन सजावट,मुस्कुराते चेहरे और उत्साहित मतदाताओं के बीच बिक्रमगंज नगर का यह मतदान केंद्र लोकतंत्र की सच्ची भावना का प्रतीक बन गया। जहां हर मतदाता गर्व से कह रहा था,कि लोकतंत्र की शान है,मतदान हमारी पहचान है। एसडीएम ने आदर्श बूथ केंद्र को बनाने में सराहनीय योगदान देने के लिए स्कूल प्राचार्या सीमा कुमारी को बधाई दिया।

दूसरे चरण के अंतिम दिन एनडीए कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ किया मतदान

- **जदयू नेत्री अरुणा ने कहा..बिहार में मतदाताओं ने पुनः विकास के नाम पर दिया वोट**

केटी न्यूज/ रोहतास

दूसरे चरण के अंतिम दिन मंगलवार को रोहतास जिला के बिक्रमगंज, सासाराम सहित डेहरी अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न बूथ केंद्रों पर बिहार विधानसभा के लिए अंतिम चरण का मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें एनडीए कार्यकताओं ने उत्साह के साथ पुनः एक बार एनडीए के जीत के लिए बूथ केंद्रों पर जमकर मतदान किया। जिसमें मतदान करते हुए काराकाट विधानसभा क्षेत्र की जदयू नेत्री सह जदयू राज्य परिषद सदस्य और बिहार चुनाव अभियान समिति सदस्य अरुणा देवी ने अपने बिक्रमगंज के धावा गांव स्थित बूथ केंद्र पर एनडीए को मतदान करते हुए पुनः एक बाद बिहार में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री का दावा का दिया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता विकास पुरुष मुख्यमत्री नीतीश कुमार एक पसंद करते हुए एनडीए के पक्ष में वोट देने का मंशा बना नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री सरताज पहनाने जा रही है। इस चुनाव में बिहार के मतदाताओं ने अभूतपूर्व उत्साह का परिचय दिया है। इसका प्रमाण ऐतिहासिक रूप से रिकॉर्ड मतदान है। यह बिहार वासियों की लोकतांत्रिक चेतना के प्रति अटूट विश्वास का भी प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूरे एनडीए ने एकजुटता के साथ इस चुनाव को लड़ा है। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के नेता जीतन राम मांझी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा एवं बिहार भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने एनडीए के संकल्प को जन-जन तक ले जाने का काम किया है। दूसरी तरफ काराकाट भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन लोकतंत्र के महापर्व पर वोट करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक चुनाव के लिए बिहार के महान मतदाताओं का हृदय से आभार, शांतिपूर्ण चुनाव कराने हेतु चुनाव कार्य में जुटे मतदान कर्मियों का अभिनंदन एवं एनडीए के सभी कार्यकताओं का भी हृदय से आभार।

बिहार के सरकारी स्कूलों में छात्रों के मोबाइल पर लगा बैन, शिक्षा विभाग ने जारी किया सख्त निर्देश

एजेंसी/पटना

पटना जिले के सभी सरकारी स्कूलों में अब बच्चों के मोबाइल लाने पर सख्त प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। जिला शिक्षा कार्यालय (ऊएड) की ओर से जारी ताजा निर्देश में कहा गया है कि किसी भी छात्र को मोबाइल फोन लेकर स्कूल आने की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई बच्चा मोबाइल लेकर आता है, तो स्कूल प्रशासन तुरंत उसे जब्त करेगा और इस संबंध में जानकारी उसके अभिभावकों को दी जाएगी। दरअसल, जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्देश में कहा है कि स्कूलों में मोबाइल फोन के दुरुपयोग से

बच्चों की पढ़ाई पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। कई छात्र सोशल मीडिया और गेम्स में उलझकर पढ़ाई से ध्यान हटा रहे हैं। ऐसे में अब शिक्षकों को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे बच्चों को मोबाइल के नुकसान के बारे में जागरूक करें और उन्हें समझाएं कि मोबाइल का इस्तेमाल केवल जरूरी स्थितियों में ही किया जाना चाहिए। वहीं, अभिभावकों को भी इस पहल में भागीदार बनाने की योजना है। स्कूलों में आयोजित होने वाली अभिभावक-शिक्षक बैठक (ढळट) के दौरान यह समझाया जाएगा कि बच्चे घर पर भी मोबाइल से दूरी बनाएं रखें। शिक्षा विभाग का मानना है कि बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर उनकी पढ़ाई की आदत और एकाग्रता को बेहतर किया जा सकता है। यह कदम खास तौर पर फरवरी 2026 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है। जिला शिक्षा कार्यालय का कहना है कि परीक्षा से पहले विद्यार्थियों को मोबाइल से मुक्त वातावरण में अध्ययन करना चाहिए ताकि वे किताबों से पढ़ाई करने की आदत विकसित कर सकें। शिक्षकों को इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं कि वे छात्रों को मोबाइल के फायदे और नुकसान के वास्तविक उदाहरणों के साथ समझाएं। छात्रों को यह बताया जाएगा कि सफलता के लिए मोबाइल से अधिक जरूरी किताबों से सीधा अध्ययन और नियमित अभ्यास है। इस निर्देश के तहत सभी स्कूलों में दीवारों पर मोबाइल फोन प्रतिबंध से संबंधित संदेश अंकित करने के भी आदेश दिए गए हैं। इससे अभिभावकों और छात्रों को स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी कि स्कूल परिसर में मोबाइल लाना या उसका उपयोग करना पूरी तरह से वर्जित है। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि मोबाइल प्रतिबंध का असर तभी प्रभावी होगा जब अभिभावक भी घर पर बच्चों पर नजर रखें। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे अध्ययन के दौरान केवल शैक्षणिक किताबों का प्रयोग करें और मोबाइल का उपयोग केवल आवश्यकता पड़ने पर ही करें।माना जा रहा है कि यह कदम बिहार के शिक्षा तंत्र में एक सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश है।

मतदान खत्म होते ही पूर्व केंद्रीय मंत्री शकील अहमद ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा, खड़गे को भेजी चिट्ठी

एजेंसी/पटना

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, Akbar Road, New Delhi - 110011

DR. SHAKEEL AHMAD
डा. शकील अहमद
ڈاکٹر شکیل احمد

MEMBER AICC
Former Minister of State For Home, Communications & IT, Govt. of India
Former G.S. & Spokesperson AICC

दिनांक 10.11.2025

माननीय अध्यक्ष महोदय,

कृपया आपके नाम लिखे मेरे 16 अप्रैल, 2023 के पत्र का स्मरण करें, जिसके द्वारा मैंने पार्टी को सूचित किया था कि मैं अब भविष्य में कभी चुनाव नहीं लड़ूंगा। अभी हाल ही में मैंने यह घोषणा भी कर दिया था कि मेरे तीनों पुत्र कनाडा में रहते हैं और उनमें से किसी की भी राजनीति में शामिल होने में कोई रुचि नहीं है, इसलिए वह भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। लेकिन मैं फिर भी जीवन भर कांग्रेस में बना रहूंगा।

परन्तु अध्यक्ष महोदय यह अब संभव नहीं लगता है।

बहुत ही दुखी मन से मैंने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला लिया है।

पार्टी की सदस्यता से अलग होने का यह मतलब नहीं है कि मैं किसी दूसरी पार्टी या दल में शामिल हो रहा हूँ। मेरा किसी दूसरी पार्टी में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। अपने पूर्वजों की तरह मुझे भी कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों में अटूट विश्वास है और मैं जीवन भर कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों का शुभचिंतक और समर्थक बना रहूंगा तथा मेरे जीवन का अंतिम वोट भी कांग्रेस के पक्ष में ही गिरेगा।

आपकी जानकारी के लिए बता दूँ कि मेरे दादा स्व0 अहमद गफूर 1937 में कांग्रेस के विधायक चुने गये थे। 1948 में उनकी मृत्यु के बाद मेरे पिता शकूर अहमद 1952 से 1977 के बीच पाँच बार कांग्रेस पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गये और अलग–अलग

..........2/–

बिहार में मतदान के समापन होते ही पूर्व केंद्रीय मंत्री शकील अहमद ने बड़ा फैसला लेते हुए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। शकील अहमद ने कहा कि मतदान समाप्त होने के बाद इस्तीफा दे रहा हूं, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि मतदान से पहले कोई गलत संदेश जाये और मेरी वजह से पार्टी को पाँच वोट का भी नुकसान हो।पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. शकील अहमद ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे की कॉपी शकील अहमद ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा है। शकील अहमद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजे गए इस्तीफे में कहा है कि आपके नाम लिखे मेरे 16 अप्रैल 2023 के पत्र का स्मरण करें। जिसके द्वारा मैंने पार्टी को सूचित किया था कि मैं अब भविष्य में कभी चुनाव नहीं लड़ूंगा। उन्होंने आगे कहा कि अभी हाल ही में मैंने यह घोषणा भी कर दिया था कि मेरे तीनों पुत्र कनाडा में रहते हैं और उनमें से किसी की भी राजनीति में शामिल होने में कोई रुचि नहीं है, इसलिए वह भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। लेकिन मैं फिर भी जीवन भर कांग्रेस में बना रहूंगा। परन्तु अध्यक्ष महोदय यह अब संभव नहीं लगता है। बहुत ही दुखी मन से मैंने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला लिया है। पार्टी की सदस्यता से अलग होने का यह मतलब नहीं है कि मैं किसी दूसरी पार्टी या दल में शामिल हो रहा हूँ। मेरा किसी दूसरी पार्टी में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। अपने पूर्वजों की तरह मुझे भी कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों में अटूट विश्वास है और मैं जीवन भर कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों का शुभचिंतक और समर्थक बना रहूंगा तथा मेरे जीवन का अंतिम वोट भी कांग्रेस के पक्ष में ही गिरेगा। शकील अहमद ने आगे कहा कि मेरे दादा स्व० अहमद गफूर 1937 में कांग्रेस के विधायक चुने गये थे। 1948 में उनकी मृत्यु के बाद मेरे पिता शकूर अहमद 1952 से 1977 के बीच 5 बार कांग्रेस पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गये और अलग-अलग पदों पर रहे। 1981 में मेरे पिता के स्वर्गवास होने के बाद 1985 के बाद स्वयं मैं भी 5 बार कांग्रेस का विधायक और सांसद चुना जा चुका हूँ। पार्टी की सदस्यता त्यागने का फैसला तो मैंने पहले ही कर लिया था, परन्तु इसकी घोषणा आज मतदान समाप्त होने के बाद कर रहा हूँ, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि मतदान से पहले कोई गलत संदेश जाये और मेरी वजह से पार्टी को पाँच वोट का भी नुकसान हो। अस्वस्थ रहने के कारण मैं प्रचार तो नहीं कर सका मगर उम्मीद है कि इस बार कांग्रेस की सीटें भी बढ़ेंगी और हमारे गठबंधन की एक मजबूत सरकार बनेगी।

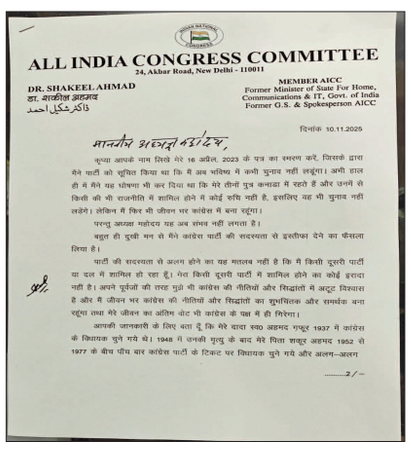

बेटों की राजनीति में रूचि नहीं

इस्तीफे के समय को लेकर भी डॉ. शकील अहमद ने स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी की सदस्यता त्यागने का फैसला मतदान से पहले ही कर लिया था, लेकिन इसकी घोषणा मतदान समाप्त होने के बाद कर रहे हैं। उनके अनुसार, वह नहीं चाहते थे कि मतदान से पहले कोई गलत संदेश जाए और उनकी वजह से पार्टी को वोट का नुकसान हो। यह कदम उस समय आया है जब हाल ही में उन्होंने घोषणा की थी कि वह भविष्य में कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे, क्योंकि उनके तीनों पुत्र कनाडा में रहते हैं और उनमें से किसी की भी राजनीति में शामिल होने में कोई रुचि नहीं है।

चुनाव प्रचार भी नहीं किया

इस्तीफे के कारणों को विस्तार से बताते हुए डॉ. शकील अहमद ने अप्रत्यक्ष रूप से पार्टी के भीतर की स्थिति पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने पत्र में लिखा है कि उन्हें ₹पार्टी की सत्ता में बैठे कुछ व्यक्तियों₹ से शिकायत हो सकती है, मगर पार्टी की ₹नीतियों और सिद्धांतों पर मुझे अटूट विश्वास है।₹ उन्होंने यह भी कहा कि वह अस्वस्थ रहने के कारण प्रचार नहीं कर सके, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि इस बार कांग्रेस की सीटें बढ़ेंगी और गठबंधन एक मजबूत सरकार बनाएगा। इस कथन से स्पष्ट होता है कि व्यक्तिगत मतभेद उनके इस्तीफे का मुख्य कारण प्रतीत होता है।

एक नजर

दिल्ली ब्लास्ट के बाद पटना में हाई अलर्ट, एयरपोर्ट जंक्शन पर सघन जांच, एटीएस और बम स्क्वॉड तैनात

पटना। सोमवार 10 नवंबर की शाम दिल्ली के लाल किले के पास कार ब्लास्ट में 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। वही दो दर्जन लोग घायल हो गये। इस घटना के बाद दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, बिहार सहित कई राज्यों में भी अलर्ट जारी कर दी गयी है। बिहार की राजधानी पटना में चौकसी बढ़ा दी गयी है। इसी क्रम में पटना पुलिस और एटीएस (एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड) की टीम लगातार भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सघन जांच-पड़ताल कर रही हैं। खास तौर पर पटना एयरपोर्ट, पटना जंक्शन, महावीर मंदिर, बस स्टैंड एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हर आने-जाने वाले व्यक्ति और वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही है। सबसे ज्यादा सुरक्षा व्यवस्था जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (पटना एयरपोर्ट) पर देखी जा रही है। एयरपोर्ट परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल और सीआईएसएफ के जवान तैनात कर दिए गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए एयरपोर्ट के सभी प्रवेश द्वारों पर सघन जांच अभियान चलायी जा रही है। बैगेज स्कैनिंग से लेकर पार्किंग एरिया तक की निगरानी ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी की मदद से जांच की जा रही है। पटना के कई इलाकों में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर पटना पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रही है। जगह जगह तलाशी ली जा रही है। वही पटना जंक्शन पर भी ऋढ्ढ और फ्ढऋ संयुक्त रुप से सर्च ऑपरेशन चला रही है। बम स्क्वॉड की टीम भी मौजूद है। अळर की टीम पटना एयरपोर्ट और पटना जंक्शन पर पूरी तरह से तैनात है। प्लेटफॉर्म परिसर में गाड़ियों की जांच पड़ताल की जा रही है तो वही एयरपोर्ट पर भी आने वाली वाहनों की जांच की जा रही है। लोगों के लगैज और बैगों की जांच की जा रही है। दिल्ली धमाके के बाद पटना पुलिस अलर्ट मोड में हैं।

भीषण सड़क हादसे में बिहार पुलिस के जवान की मौत, फरार चालक की तलाश जारी

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र के नरसंडा एनएच-28 ओवरब्रिज के पास देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ है। यहां बाइक सवार बिहार पुलिस के जवान को तेज रफ्तार कंटेनर ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे जवान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के झखरा गांव निवासी राणा प्रताप सिंह, पिता शिवपूजन सिंह के रूप में हुई है। वे बिहार पुलिस में जवान के पद पर तैनात थे। राणा प्रताप सिंह मुजफ्फरपुर की ओर आ रहे थे। तभी ओवरब्रिज के पास अचानक कंटेनर ने उन्हें टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और राणा दूर जा गिरे। स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। सूचना मिलते ही कांटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। भीड़ को नियंत्रित कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए रङटउऌ भेज दिया। परिजनों को फोन पर इस हादसे की जानकारी दे दी गई है। गांव में मातम पसरा है। राणा की पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। पुलिस ने कंटेनर चालक के खिलाफ ऋकफ दर्ज कर ली है। चालक मौके से फरार हो गया। कंटेनर जब्त कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है और फरार चालक की तलाश जारी है।

समस्तीपुर के पंकज कुमार की दर्दनाक मौत, रिश्तेदार को स्टेशन छोड़ने गए थे तभी हुआ विस्फोट

एजेंसी/समस्तीपुर

राजधानी दिल्ली में सोमवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए भीषण कार ब्लास्ट ने पूरे देश को दहला दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 12 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों में बिहार के समस्तीपुर जिले के 22 वर्षीय पंकज सहनी भी शामिल हैं।जानकारी के अनुसार, पंकज समस्तीपुर के खानपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर फतेहपुर वार्ड संख्या-7 के रहने वाले थे। उनके पिता रामबालक सहनी ने बताया कि पंकज दिल्ली में एक कैब सर्विस में ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। सोमवार को वह अपने एक रिश्तेदार को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहे थे, तभी लालकिला के पास कार ब्लास्ट की चपेट में आ गए। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि पंकज की मौके पर ही मौत हो गई।परिवार के अनुसार, पंकज ने अपने दादा निकेश से शाम करीब 4:30 बजे आखिरी बार बात की थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि कपड़े नहीं धोए हैं। इसके कुछ देर बाद जब दादा ने फिर फोन किया तो मोबाइल बंद मिला। रात में ब्लास्ट की खबर मिलते ही परिजन पूरी रात उन्हें ढूंढते रहे, लेकिन कोई पता नहीं चला। मीडिया में जब कार ब्लास्ट की तस्वीरें सामने आईं, तो परिवार को यह भयावह सच्चाई पता चली कि पंकज की मौत हो चुकी है। इस खबर से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। घर में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पंकज के परिजन दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं ताकि उनके शव को लाया जा सके। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, ह्लकल दिल्ली में हुई दुखद घटना में मारे गए सभी लोगों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि शोक संतप्त परिवारों को शक्ति और धैर्य मिले। देश की अग्रणी जांच एजेंसियां इस घटना की त्वरित और गहन जांच कर रही हैं, और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।ह्व सरकार ने जांच एजेंसियों को निर्देश दिया है कि विस्फोट के हर पहलू की गहराई से जांच की जाए और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपी जाए।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद थावे दुर्गा मंदिर की बढ़ाई गई सुरक्षा, रखी जा रही सख्त निगरानी

एजेंसी/पटना

दिल्ली में 10 नवंबर को हुए बम ब्लास्ट के बाद उत्तर प्रदेश से सटे बिहार के गोपालगंज जिले में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर थावे दुर्गा मंदिर और थावे जंक्शन की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बम डिस्पोजल स्क्वाड और मेटल डिटेक्टर से लैस पुलिस टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच की और पर्यटकों के बैग व अन्य सामानों की गहन जांच की। इसके साथ ही, जिलेभर के होटल, गेस्ट हाउस, रेस्तरां और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस पूरी कार्रवाई की मॉनिटरिंग एसपी अवधेश दीक्षित स्वयं कर रहे हैं। गृह मंत्रालय द्वारा जारी हाई अलर्ट के बाद बिहार के डीजीपी ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पर्यटक स्थलों और प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर चौकसी बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसके बाद गोपालगंज पुलिस ने जिले के सभी संवेदनशील स्थलों पर निगरानी कड़ी कर दी है। सूत्रों के अनुसार, गोपालगंज जिले का नाम पहले भी लश्कर-ए-तैयबा के संदिग्ध आतंकियों से जुड़ा रहा है। यहां शेख अब्दुल नईम समेत कई संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी एनआईए द्वारा की जा चुकी है। ऐसे में दिल्ली धमाके के बाद जिले को लेकर सुरक्षा एजेंसियां दोबारा सतर्क हो गई हैं। इसी बीच, रेलवे पुलिस फोर्स, रेलवे प्रोटेक्शन स्पेशल फोर्स और गवर्नमेंट रेलवे पुलिस ने सीवान जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सोमवार रात संयुक्त जांच अभियान चलाया। इस दौरान स्टेशन परिसर और आसपास के सभी महत्वपूर्ण इलाकों की गहन तलाशी ली गई।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद सघन जांच तेज, मुजफ्फरपुर में लंबी दूरी की ट्रेनों और बॉर्डर पर पैनी नजर

एजेंसी/समस्तीपुर

दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार को हुए कार ब्लास्ट में समस्तीपुर जिले के खानपुर निवासी पंकज कुमार की मौत हो गई। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। दिल्ली में ब्लास्ट की घटना के बाद रेल पुलिस अलर्ट पर है। रेल पुलिस की दोनों इकाइयां आरपीएफ और जीआरपी के अलावा बीएसएपी की टीम भी सघन जांच अभियान चला रही है। रेल पुलिस द्वारा सभी महत्वपूर्ण स्टेशन और जंक्शन पर जांच की जा रही है। रेल एसपी बीना कुमारी इस जांच को लेकर खुद निगरानी कर रही हैं। इसके अलावा रेल क्षेत्र मुजफ्फरपुर के साथ-साथ आसपास के सभी स्टेशनों पर सघन जांच अभियान तेज कर दिया गया है। रेल पुलिस डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीम एक साथ लंबी दूरी की ट्रेनों और नेपाल बॉर्डर से आने वाली ट्रेनों पर नजर रख रही है। रेल पुलिस द्वारा यात्रियों और उनके सामानों की सघन जांच की जा रही है। इस दौरान स्टेशन परिसर, सकुर्लेटिंग एरिया और आने वाली ट्रेनों पर जांच चलाई जा रही है।

दिल्ली ब्लास्ट की घटना और बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहीं रेल पुलिस द्वारा मुजफ्फरपुर रेल क्षेत्र के अंतर्गत सभी स्टेशनों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रेल एसपी बीना कुमारी ने कहा कि हमने चुनाव और रेल सुरक्षा को लेकर विशेष जांच अभियान शुरू किया है। हमारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम है। रेल पुलिस के आरपीएफ, जीआरपी और इरअढ जवानों की संयुक्त टीम बनाई गई है। सभी आने-जाने वाले यात्रियों की जांच की जा रही है और हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। हमारा सुरक्षा तंत्र पूरी तरह अलर्ट मोड में है। हजारों की संख्या में रेल पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है और सभी स्टेशनों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस के ब्रेक वाइंडिंग की खामी से उठा धुआं, 25 मिनट रुकी रही ट्रेन

एजेंसी/पटना

मंगलवार को समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड पर यात्रियों से भरी 12553 अप वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में उस समय हड़कंप मच गया जब ट्रेन के एक कोच से अचानक धुआं उठने लगा। यह घटना ढोली रेलवे होम सिग्नल के पास हुई, जहां तकनीकी खराबी के कारण ट्रेन को करीब 25 मिनट तक रोकना पड़ा। ट्रेन में अचानक फैले धुएं से यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई और कई लोग घबराकर बोगियों से नीचे उतर गए। हालांकि, रेलवे कर्मियों और ट्रेन स्टाफ की तत्परता से स्थिति पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया और किसी तरह की बड़ी दुर्घटना टल गई। घटना की शुरूआत

दोपहर के समय हुई जब ट्रेन समस्तीपुर से मुजफ्फरपुर की ओर जा रही थी। जैसे ही ट्रेन ढोली स्टेशन के नजदीक पहुंची, अचानक एक कोच के पहिए से धुआं उठने लगा। यात्रियों ने जब यह देखा तो ट्रेन में हड़कंप मच गया। कई लोग चिल्लाने लगे, जबकि कुछ भयभीत यात्री ट्रेन से नीचे उतर आए। स्थिति को देखते हुए ड्राइवर ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेन को तुरंत रोका और रेलकर्मियों को सूचना दी। कुछ ही देर में पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह समस्या ब्रेक वाइंडिंग (इ१ं ी इल्लम्ल्लिॅ) की वजह से हुई थी। यह तकनीकी खामी तब होती है जब ब्रेक पूरी तरह से खुल नहीं पाते और लगातार घर्षण के कारण पहिए गर्म हो जाते हैं, जिससे धुआं उठने लगता है। इस खामी के चलते ट्रेन को तत्काल रोकना जरूरी हो गया ताकि किसी भी संभावित हादसे से बचा जा सके। सूचना मिलते ही रेलवे के संबंधित अधिकारी और तकनीकी दल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और ब्रेक वाइंडिंग सिस्टम की जांच शुरू की। तकनीकी टीम ने तुरंत सुधार कार्य आरंभ किया। करीब आधे घंटे की मेहनत के बाद खामी को दूर कर लिया गया। इसके बाद सुरक्षा जांच पूरी होने पर ट्रेन को आगे की यात्रा के लिए हरी झंडी दी गई। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि घटना के दौरान किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ है और सभी यात्री सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने यात्रियों को शांत कराया और समझाया कि यह केवल एक तकनीकी समस्या थी, जिसे समय रहते ठीक कर लिया गया। ट्रेन स्टाफ और कुछ समझदार यात्रियों ने भी सहयोग करते हुए माहौल को सामान्य करने में मदद की। इस घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ट्रेन की सभी सुरक्षा मानकों की जांच की गई है और आगे की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित है। साथ ही, तकनीकी विभाग को निर्देश दिया गया है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए नियमित मेंटेनेंस और निरीक्षण की प्रक्रिया को और मजबूत किया जाए। स्थानीय रेलवे अधिकारियों ने बताया कि समय रहते समस्या का पता चलने और ट्रेन स्टाफ की तत्परता से कोई बड़ा हादसा टल गया। अगर ट्रेन को समय पर नहीं रोका जाता, तो गर्मी और घर्षण की वजह से आग लगने जैसी गंभीर स्थिति भी उत्पन्न हो सकती थी। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या लंबी दूरी की ट्रेनों का तकनीकी रखरखाव और निरीक्षण पर्याप्त रूप से नियमित हो रहा है। यात्रियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से यात्रा के दौरान डर का माहौल बनता है, इसलिए रेलवे को ऐसी समस्याओं पर और सख्ती से निगरानी रखनी चाहिए।

शिवहर में बोगस वोट डालने की कोशिश चार गिरफ्तार, डीएम ने की पुष्टि

एजेंसी/शिवहर

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान शिवहर जिले में बोगस वोट डालने की कोशिश करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बूथ नंबर 110 पर मतदान के दौरान कुछ लोग फर्जी वोट डालने की कोशिश कर रहे थे। उसी दौरान मौके पर तैनात सीआरपीएफ के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए चारों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। शिवहर के जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ ने समय रहते कार्रवाई की, जिससे मतदान प्रक्रिया प्रभावित

नहीं हुई। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। 22-शिवहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पिपराही प्रखण्ड के मतदान के क्रम में उफ्ढऋ द्वारा बूथ संख्या 111 (मदरसा मदनी, बसईया शेख) में पोलिंग के दौरान 02 लोगों को फर्जी वोटिंग करने के प्रयास करते हुए पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

सुभाषितम्

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।

- कहावत

बिहार चुनाव और दिल्ली ब्लास्ट: संयोग?

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होना था, और ठीक उसके एक दिन पहले यानी 10 नवंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के सामने हुए भयानक विस्फोट ने पूरे देश को दहला दिया। इस धमाके में 13 लोगों की मौत और दो दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। विस्फोट इतना तीव्र था कि मृतकों के शरीर के अंग कई मीटर दूर जाकर गिरे और पूरा इलाका धुएं से भर गया। इस हृदयविदारक घटना के तुरंत बाद जिस तरह से इसे बिहार विधानसभा चुनाव और संभावित धार्मिक ध्रुवीकरण से जोड़ा जाने लगा, उसने एक गंभीर राजनीतिक और सामाजिक बहस को जन्म दे दिया है। पिछले कुछ वर्षों में यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति बन गई है, कि जब भी देश में कोई बड़ा चुनाव आता है, उसके आसपास किसी न किसी आतंकी हमले या विस्फोट की खबर सामने आती है। पुलवामा, पहलगाम, उरी या दिल्ली धमाका हर घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और ध्रुवीकरण का सिलसिला तेज हो जाता है। सवाल यह उठता है कि क्या ये घटनाएं महज संयोग हैं या फिर किसी सुनियोजित राजनीतिक और वैचारिक रणनीति का हिस्सा हैं? बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में जिन इलाकों में मतदान हुआ, वे सीमावर्ती क्षेत्र हैं और वहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अधिक है। कुछ राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि इस तरह की घटनाओं का उद्देश्य भय और अविश्वास का माहौल बनाकर मतदाताओं को प्रभावित करना हो सकता है। पहले चरण में भारी मतदान ने यह संकेत दिया था, कि जनता सरकार के खिलाफ नाराजगी जता रही है। ऐसे में दूसरे चरण की वोटिंग के ठीक एक दिन पहले दिल्ली में हुआ धमाका कई सवाल खड़े करता है। क्या यह मतदाताओं के रुझान को मोड़ने की कोशिश है? केंद्र सरकार के प्रति जनता का अविश्वास भी इन घटनाओं के बाद बढ़ा है। पिछले एक दशक में जितने भी बड़े आतंकी हमले हुए फिर चाहे वह पुलवामा से लेकर पहलगाम आतंकी हमला हो क्यों न हो, उनमें से किसी में भी सरकार जिम्मेदारी तय करने या दोषियों को सामने लाने में सफल नहीं रही। सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों से जवाबी कार्रवाई का दावा तो किया, लेकिन आज तक जनता को यह नहीं बताया गया कि इन हमलों के पीछे कौन थे और क्या कोई स्थायी परिणाम निकला। यही कारण है कि अब लोग इन घटनाओं को राजनीतिक दृष्टि से देखने लगे हैं। दिल्ली ब्लास्ट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अगले ही दिन भूटान रवाना होना भी सवालों के घेरे में है। विपक्ष इसे संवेदनहीनता करार दे रहा है। वहीं मीडिया का एक वर्ग घटना को आतंकी हमला घोषित कर भय का वातावरण बनाने में लगा रहा, जबकि सुरक्षा एजेंसियां अब तक चुप हैं। इससे न केवल सरकार की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लग रहा है बल्कि संवैधानिक संस्थाओं पर भी अविश्वास बढ़ा है। देश में आज स्थिति यह है कि जनता अब संवैधानिक संस्थाओं, जैसे- चुनाव आयोग, सीबीआई, ईडी, यहां तक कि न्यायपालिका पर भी प्रश्न उठा रही है। विपक्ष यह आरोप लगा रहा है कि ये संस्थान सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। लोकतंत्र में ऐसी स्थिति अत्यंत खतरनाक होती है, क्योंकि जब जनता को अपनी ही संस्थाओं पर भरोसा न रहे, तो सामाजिक संतुलन बिगड़ना तय है। दिल्ली जैसे हाई सिक्योरिटी जोन में हुआ यह धमाका निश्चित रूप से सुरक्षा तंत्र की विफलता का प्रतीक है। यह सवाल उठता है कि जब राजधानी में इतने कड़े इंतजामों के बावजूद ऐसी वारदात हो सकती है, तो देश के अन्य हिस्से कितने सुरक्षित हैं? बिहार चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले हालांकि इसका कोई तात्कालिक असर दिखाई नहीं दिया, लेकिन लोगों के बीच केंद्र सरकार के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के बीच अब भय और अविश्वास की राजनीति जनता को और अधिक विचलित कर रही है। केंद्र सरकार को चाहिए कि वह इस विस्फोट की निष्पक्ष जांच कराए और दोषियों को बेनकाब करे। साथ ही, यह सुनिश्चित करे कि सुरक्षा एजेंसियां किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित में काम करें।

अलीगढ़ में रोहिंग्या घुसपैठियों के आधार कार्ड घोटाले से बढ़ा खतरा

- कांतिलाल मांडोत

अलीगढ़ जैसे संवेदनशील और शिक्षा के केंद्र माने जाने वाले शहर में हाल ही में जो खुलासा हुआ है कि रोहिंग्या घुसपैठियों ने जाली दस्तावेजों के जरिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, और यहां तक कि भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल कर लिए है।वह केवल एक स्थानीय घटना नहीं है। यह पूरे देश की आंतरिक सुरक्षा, जनसंख्या संतुलन, और सामाजिक ताने-बाने के लिए गंभीर चेतावनी है। यह मामला यह दिखाता है कि प्रशासनिक तंत्र, स्थानीय एजेंसियां और आधार सत्यापन व्यवस्था में कितनी बड़ी चूक हुई है। इस घुसपैठ ने केवल पहचान के स्तर पर नहीं, बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय दृष्टि से भी देश की सुरक्षा को प्रभावित किया है। सवाल यह है कि जब भारत के नागरिकों को कभी-कभी छोटे-से दस्तावेज के लिए महीनों चक्कर काटने पड़ते हैं, तो एक विदेशी, अवैध रूप से देश में घुसा व्यक्ति कैसे इतनी आसानी से वैध पहचान का पात्र बन जाता है?हमारी जांच एजेंसियां सतर्क है इसके बाद रोजाना 50 आधार कार्ड बनाने का टारगेट कही न कही जनसंख्यिकी बढ़ाने का घिनौना कृत्य उजागर हुआ है।यह बहुत बडी कामयाबी है। अलीगढ़ के मामले में प्रशासनिक लापरवाही का एक उदाहरण है।

अलीगढ़ में हाल में कई रोहिंग्या नागरिकों के पास से भारतीय आधार कार्ड, राशन कार्ड, मोबाइल सिम और बैंक खाते मिलने की खबर ने सभी को चौंका दिया। जांच में पाया गया कि ये दस्तावेज स्थानीय एजेंटों और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से बने थे। इन विदेशी नागरिकों ने म्यांमार या बांग्लादेश से घुसपैठ कर पहले दिल्ली और फिर उत्तर प्रदेश के शहरों में डेरा डाल लिया। धीरे-धीरे उन्होंने स्थानीय मुस्लिम बस्तियों में घुलमिलकर जाली दस्तावेज बनवाए, ताकि वे भारत के स्थायी नागरिक के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर सकें।यह न केवल प्रशासन की नाकामी है बल्कि आधार प्रणाली की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाता है। आधार का उद्देश्य था हर नागरिक को डिजिटल पहचान, लेकिन जब यह पहचान घुसपैठियों के हाथों में हथियार बन जाए, तब यह व्यवस्था स्वयं खतरे में पड़ जाती है।राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर रोहिंग्या शरणार्थी केवल शरणार्थी नहीं है उनमें से कई के भारत में आतंकी संगठनों और कट्टरपंथी नेटवर्क से जुड़ाव की सूचनाएं पहले से कई राज्यों की खुफिया रिपोर्टों में आ चुकी हैं। ऐसे में यदि इन लोगों के पास वैध भारतीय पहचानपत्र हैं, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विस्फोटक स्थिति है। आतंकवादी संगठन अवैध फंडिंग और हवाला नेटवर्क को मजबूती दे सकते हैं।नकली मतदाता बनाकर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित किया जा सकता है।घुसपैठ कर रहे अन्य तत्वों को सुरक्षित आवास और पहचान मिल सकती है। अलीगढ़ का यह मामला सीमांचल क्षेत्र कटिहार, किशनगंज, अररिया, पूर्णिया) से भी जुड़ता है, जहाँ पहले से ही रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा बन चुकी है।मोदी ने एक सभा मे कहा था कि घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा।घुसपैठ एक राष्ट्रीय समस्या है और भारतीय नागरिकों का हक मारने का काम करते है।जो राज्य और केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में सेंध मारी जा रही है।आधार के लिए पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को जवाबदेही सौंपी गई है।उससे किसी प्रकार की धोखाधड़ी नही हो सके।लेकिन अलीगढ़ की घटना घृणित है।बिहार का सीमांचल क्षेत्र भारत-बांग्लादेश सीमा के समीप है और घुसपैठ का सबसे आसान रास्ता माना जाता है। इस इलाके में किशनगंज, अररिया, कटिहार, पूर्णिया जैसे जिले पहले से ही अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के बसेरों के रूप में पहचाने जाते हैं।पिछले कुछ वर्षों में यहाँ की जनसंख्या वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक रही है, और इसका कारण केवल प्राकृतिक वृद्धि नहीं, बल्कि घुसपैठ और स्थायी बसावट की प्रवृत्ति है। स्थानीय राजनीति में संरक्षण मिलता है।राशन और पहचान पत्र आसानी से जारी हो जाते हैं, और धीरे-धीरे ये स्थानीय नागरिकों की नौकरियां, जमीनें और संसाधन हड़पने लगते हैं। यदि इस प्रक्रिया को रोका न गया, तो आने वाले दशक में यह जनसांख्यिकीय परिवर्तन भारत की सीमाओं और आंतरिक नीति दोनों को अस्थिर कर सकता है। जनसंख्या असंतुलन सीमावर्ती और कुछ शहरी क्षेत्रों में घुसपैठियों की संख्या बढ़ने से स्थानीय जातीय और धार्मिक संतुलन बिगड़ रहा है। इससे सामाजिक तनाव और वोट बैंक की राजनीति को बल मिलता है। राष्ट्रीय संसाधनों पर बोझ है। ये अवैध नागरिक सरकारी राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार योजनाओं का लाभ उठाते हैं, जिससे असली नागरिकों का हिस्सा कम होता है। आर्थिक अपराधों में वृद्धि हो रही है।जाली आधार और बैंक खातों के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला और आतंक फंडिंग जैसे अपराध पनप रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में ये अवैध वोटर बन चुके हैं, जिससे लोकतांत्रिक ढांचा विकृत हो रहा है। स्थानीय लोगों में असंतोष, सांप्रदायिक तनाव और अपराध दर में वृद्धि जैसी स्थितियाँ देखी जा रही हैं। राष्ट्रीय स्तर पर ठोस नीति जरूरी है। डिजिटल सत्यापन को मजबूत करना होगा।आधार बनवाने के लिए केवल दस्तावेज नहीं, बल्कि बायोमेट्रिक और नागरिकता सत्यापन को दोहरी प्रक्रिया से जोड़ा जाए। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को केवल असम तक सीमित न रखकर संवेदनशील राज्यों और सीमांचल क्षेत्र तक लागू किया जाए। सीमा सुरक्षा को तकनीकी रूप से मजबूत बनाया जाए। बांग्लादेश सीमा पर ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और स्मार्ट फेंसिंग सिस्टम लगाया जाए। अवैध नागरिकों की पहचान व निष्कासन की आवश्यकता है। जो लोग आधार या अन्य दस्तावेजों के जरिए अवैध रूप से नागरिक बन गए हैं, उनका डेटा-आधारित पता लगाकर निर्वासन किया जाए। स्थानीय अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और गलती करने पर सजा का प्रावधान होना चाहिए।अलीगढ़ जैसे मामलों में संबंधित अधिकारियों और एजेंटों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। नागरिक जागरूकता अभियान चलाया जाना जरूरी है।जनता को यह समझाना जरूरी है कि किसी विदेशी को किराए पर घर देना या उसके दस्तावेज बनवाना देशद्रोह जैसा अपराध है।आधार प्रणाली में राष्ट्रीय टैगिंग की सुविधा जरूरी। यूडीआई आधार कार्ड पर नागरिकता की स्थिति दर्शाने का विकल्प देना चाहिए। सीमांचल में जांच और निगरानी के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।सीमांचल नागरिक सत्यापन मिशन शुरू किया जाए, जिसमें हर जिले में मतदाता सूची राशन कार्ड, स्कूल प्रवेश रिकॉर्ड, और आधार डेटा का मिलान कराया जाए। जिला स्तर पर संयुक्त टास्क फोर्स बनाई जाए, जो हर संदेहास्पद परिवार की जांच करे। यदि किसी इलाके में असामान्य रूप से अधिक आधार या मोबाइल सिम सक्रिय हुए हैं, तो स्वचालित अलर्ट सिस्टम लगे। एनजीओ धार्मिक संस्थाओं की फंडिंग पर नजर जरूरी है। विदेशी फंडिंग के जरिये घुसपैठियों के हौसले बुलंद है।

निमोनिया को उसके रास्ते पर रोकें

- दिलीप कुमार पाठक

निमोनिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 12 नवंबर को विश्व निमोनिया दिवस मनाया जाता है। निमोनिया स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। यह दुनिया भर में बच्चों और वृद्धों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। बहुत से लोग अभी भी पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि यह कितना खतरनाक हो सकता है या इससे कैसे बचा जा सकता है। निमोनिया दिवस हमें लक्षणों के प्रति अधिक जागरूक होने, शीघ्र निदान को प्रोत्साहित करने, टीका लगवाने और अच्छी स्वच्छता बनाए रखने की याद दिलाता है। यह समय पर चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालता है क्योंकि अगर निमोनिया का इलाज न किया जाए तो यह जल्दी बिगड़ सकता है। निमोनिया अक्सर हल्का होता है पर बिगड़ने पर जानलेवा हो सकता है ' who वर्ल्ड हेल्थ ऑगनाइजेशन अनुसार दुनिया भर में हर साल लगभग 127,000 लोग निमोनिया से मरते हैं। दुनिया भर में निमोनिया के कुल मामलों में भारत का योगदान 23% है। विश्व निमोनिया दिवस 2025 एक स्वस्थ, निमोनिया मुक्त विश्व के लिए परिवारों, समुदायों, स्वास्थ्य कार्यकताओं, संगठनों और सरकारों को एक साथ लाने के लिए मनाया जाता है। निमोनिया एक संक्रमण है जो फेफड़ों को प्रभावित करता है। यह वायुकोशों में द्रव या मवाद भर देता है, जिससे फेफड़ों का सामान्य रूप से काम करना मुश्किल हो जाता है। इससे आपके शरीर में प्रवेश करने वाली ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। वायरस, बैक्टीरिया और कवक संक्रमण का कारण बन सकते हैं या पर्यावरणीय कणों के रूप में साँस के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इसके सामान्य कारणों में न्यूमोकोकस बैक्टीरिया शामिल हैं। इन्फ्लूएंजा वायरस, और अन्य श्वसन वायरस। निमोनिया हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकता है, जो आपकी उम्र, रोग प्रतिरोधक क्षमता और समग्र स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। हालाँकि कई स्वस्थ वयस्क इलाज से ठीक हो जाते हैं, निमोनिया छोटे बच्चों, वृद्धों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में यह बहुत गंभीर हो सकता है। यह निमोनिया दिवस क्यों महत्वपूर्ण है? क्योंकि निमोनिया अभी भी दुनिया भर में बड़ी संख्या में रोकी जा सकने वाली मौतों का कारण बनता है। विश्व निमोनिया दिवस हमें हमेशा याद दिलाता है कि किसी भी व्यक्ति को ऐसी बीमारी से अपनी जान नहीं गँवानी चाहिए जिससे बचाव संभव हो। यह दिवस रोकथाम में मौजूद कमियों, को उजागर करता है ' यह समाज और नेताओं को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, जनता को इस बारे में शिक्षित करना कि निमोनिया कितना गंभीर हो सकता है, जटिलताओं को रोकने के लिए शीघ्र चिकित्सा देखभाल को प्रोत्साहित करना ' जिससे कई मामलों को रोका जा सकता है ' अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और बेहतर उपचार का समर्थन करना ' लोगों को हाथ धोने और धूम्रपान से बचने जैसे सरल कार्यों के बारे में याद दिलाने से जोखिम कम हो सकता है ' यह दिन गलतफहमियों को दूर करने में भी मदद करता है। बहुत से लोग निमोनिया को सिर्फ एक बीमारी या ठंड समझते हैं लेकिन वास्तविक जोखिम को समझने से लोगों को लक्षणों को गंभीरता से लेने और समय पर देखभाल लेने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। विश्व निमोनिया दिवस 2025 की आधिकारिक थीम अभी तक घोषित नहीं की गई है। इस वर्ष के अंत में इसकी घोषणा होने की संभावना है। विश्व निमोनिया दिवस की थीम इस पर केंद्रित है: शीघ्र उपचार के माध्यम से जीवन बचाना ' हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत करना ' विश्व निमोनिया दिवस की स्थापना पहली बार 2009 में ग्लोबल कोलिशन अगेंस्ट निमोनिया द्वारा की गई थी। बाल निमोनिया हर साल निमोनिया से होने वाली लाखों रोकी जा सकने वाली मौतों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए। यह विश्व का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करने के लिए बनाया गया था कि निमोनिया पाँच साल से कम उम्र के बच्चों में, खासकर विकासशील देशों में, मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। समय के साथ, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व भर की स्वास्थ्य सेवा प्रणालियाँ सहित कई संगठन इस आंदोलन में शामिल हो गए। निमोनिया के प्रमुख बचाव जैसे सामान्य बैक्टीरिया न्यूमोकोकस, हिब और इन्फ्लूएंजा से सुरक्षा प्रदान करते हैं, जो निमोनिया का कारण बन सकते हैं। स्तनपान और अच्छा पोषण शिशुओं के प्रतिरक्षा को मजबूत करता है। घर के अंदर के धुएं को कम करें और भारी बाहरी प्रदूषण के संपर्क में आने को सीमित करें। धूम्रपान से बचें, क्योंकि यह फेफड़ों की सुरक्षा को कमजोर करता है। साधारण हाथ धोने और बीमार होने पर घर पर रहने से इस बीमारी का प्रसार कम हो सकता है। अस्थमा और मधुमेह जैसी दीर्घकालिक बीमारियों का अच्छी तरह से प्रबंधन करें ' यदि आवश्यक हो तो प्रदूषित या भीड़भाड़ वाले वातावरण में मास्क पहनें। छोटी-छोटी दैनिक आदतें फेफड़ों को स्वस्थ रखने में बड़ा अंतर ला सकती हैं।

दिल्ली में फिर बम विस्फोट सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल?

- दिलीप कुमार पाठक

दिल्ली देश की जान है, दिल्ली की हलचल पूरे देश को सुनाई देती है, यही कारण है कि पूरे देश में अलर्ट जारी कर दिया गया। दिल्ली की शाम खामोश नहीं थी, हवा में सिक्योरिटी सायरनों की आवाज गूंज रही थी, और लोगों की आँखों में दहशत साफ झलक रही थी। सोमवार को ठीक 6 बजकर 52 मिनट पर, लाल कि ला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के बाहर खड़ी आई-20 कार में ऐसा जोरदार धमाका हुआ कि पूरा इलाका काँप उठा। तेज धमाके से हवा में धुआँ उठता दिखा, लोग चीखते हुए भागे, और देखते-देखते सड़क खून और अफरातफरी के मंजर में बदल गई। इस दर्दनाक वारदात में 2 महिलाओं सहित 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई लोग इतनी बुरी तरह झुलस गए कि पहचान मुश्किल हो गई। किसी का शरीर दूर फेंक गया, तो किसी के अंग सड़क पर बिखरे पड़े थे। मरने वालों की उम्र 21 से 58 साल के बीच बताई जा रही है। जांच में सामने आया कि विस्फोट कार के रियर हिस्से में हुआ। धमाका इतना भयानक था कि आवाज एक किलोमीटर तक सुनाई दी। आसपास खड़ी 6 कारें, 2 ई-रिक्शा, और 1 ऑटो आग की लपटों में जलकर राख हो गए। चांदनी चौक से लेकर लाल कि ले तक दुकानदार दहशत में दुकानें बंद कर भागते नजर आए। पुलिस के अनुसार जिस कार में धमाका हुआ, वो गुरुग्राम के सलमान के नाम पर रजिस्टर्ड है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। सलमान का कहना है कि उसने कार पुलवामा के तारिक को बेची थी। अब तारिक फरार है, और पुलिस अभी जांच में जुटी हुई है। धमाके को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियाँ आत्मघाती हमले के एंगल से भी जांच कर रही हैं, परंतु मौके पर आरडीएक्स के निशान नहीं मिले। फिर भी देशभर के बड़े शहरों दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, जयपुर को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया है। धमाके के कुछ ही मिनटों बाद घायलों और शवों को एलएनजेपी अस्पताल लाया गया। अस्पताल घटना स्थल से सिर्फ ढाई किलोमीटर दूर था, इसलिए सबसे पहले वहीं मरीज पहुंचे। अस्पताल की इमरजेंसी में अचानक लाशों और घायलों की बाढ़ आ गई। कई शव क्षत-विक्षत अवस्था में थे। अस्पताल प्रशासन ने तत्काल मास कैजुअल्टी घोषित कर डॉक्टरों, नर्सों और बर्न स्पेशलिस्ट को ड्यूटी पर बुलाया। एक डॉक्टर ने बताया कि कई मरीजों की हालत बेहद नाजुक है। एक का पैर कट चुका है, किसी की आंख और दिमाग पर गंभीर चोट है, कई पूरी तरह झुलस गए।यहाँ तक कि धमाके की आवाज से ही एक व्यक्ति को हार्ट अटैक हो गया। अस्पताल के बाहर परिजनों की चीखें और बेबसी का दर्द दिल दहला रहा था। दमकल विभाग ने लगभग 37 मिनट तक आग से लड़ाई लड़ी। आखिर 7:29 बजे तक आग बुझा दी गई, पर तब तक कई गाड़ियाँ खाक हो चुकी थीं। मौके पर बची रह गई सिर्फ जलती रबर की बदबू, धुआँ, और टूटे शीशों की आवाज। रात करीब साढ़े नौ बजे गृहमंत्री अमित शाह खुद एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे, घायलों से मिले, डॉक्टरों से बात की। इसके बाद वे घटनास्थल पर गए और जाँच एजेंसियों को हर एंगल से जांच का आदेश दिया। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पूरी घटना पर लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। दिल्ली धमाके के तुरंत बाद राजस्थान बॉर्डर पर पाकिस्तान ने एयरफोर्स की पेट्रोलिंग तेज कर दी। पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी इमरजेंसी मीटिंग में जुटे, और रातभर पीएम शहबाज शरीफ, एनएसए व डीजी आईएसआई मीटिंग करते रहे, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चिंतन-मनन

मनोबल कम न हो

जीवन की जितनी अनिवार्य आवश्यकताएं हैं, वे वास्तविक समस्याएं हैं। कुछ समस्याएं हमारी काल्पनिक भी हैं। काल्पनिक समस्याएं भी कम भयंकर नहीं होती। वास्तविक समस्याएं बहुत थोड़ी हैं, गिनी-चुनी। किन्तु काल्पनिक समस्याओं का कहीं अंत नहीं है। इतनी जटिल समस्याएं जो प्रतिदिन हमारे सामने उभरती हैं। किस प्रकार काल्पनिक समस्याएं मनुष्य को सताती हैं, इसका एक उदाहरण है- दो यात्री आमने-सामने ट्रेन में बैठे थे। ट्रेन में लड़ाई हो गई। लड़ाई का कारण, एक समस्या। समस्या काल्पनिक, केवल काल्पनिक। एक कहता है मुझे ठंड लग रही है और दूसरा कहता है मुझे गर्मी लग रही है। एक उठता है, खिड़की को बंद कर देता है। दूसरा उठता है खिड़की को खोल देता है। टी.टी. आया, यह अभिनय देखा और बोला, क्या तमाशा हो रहा है रेल में! चलती गाड़ी में क्या खेल खेला जा रहा है! एक ने कहा, हवा बहुत तेज चल रही है, मुझे ठंड लग रही है। दूसरा कहता है, खिड़की बन्द हो जाती है, मुझे बहुत गर्मी लग रही है, परेशान हो रहा हूं। टी.टी. गया खिड़की के पास और जाकर देखा तो खिड़की का प्रेम तो है, लेकिन शीशा है ही नहीं। अब कैसे हवा लग रही है और कैसे गर्मी लग रही है? मात्र काल्पनिक समस्या। हमारी दोनों प्रकार की समस्याएं हैं-काल्पनिक समस्याएं और यथार्थ समस्याएं। ये हमारे मनोबल को कमजोर करती हैं। जिस व्यक्ति का मनोबल कम होता है, वह व्यक्ति इस दुनिया में अपराधी का जीवन जीता है। दुर्बलता खुद एक अपराध है।

आज का राशिफल

मेष आपका दिन परोपकार में बीतेगा। कार्यक्षेत्र में आज आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं।

तुला दिन करियर के लिहाज से अत्यंत शुभ रहने वाला है। विद्यार्थियों को विशेष सफलता प्राप्त होगी।

वृषभ अत्यंत सुखद रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

वृश्चिक दृष्टि से लाभदायक रहने वाला है। इस दौरान धन, यश और सम्मान में वृद्धि होगी।

मिथुन बेहद शुभ साबित होने वाला है। आज पिता का आशीर्वाद और वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु आज का दिन खर्चों को बढ़ाने वाला रहेगा। घर की सुख-सुविधा के साधनों पर धन खर्च होगा।

कर्क मां लक्ष्मी की कृपा बरसती हुई नजर आ रही है। वित्तीय दृष्टि से आपके लिए दिन लाभदायक रहेगा।

मकर आज का दिन व्यावसायिक रूप से शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में मनचाहा लाभ मिलेगा।

सिंह लाभ मिलेगा। आज आपको संतान के प्रति दायित्वों को पूरा करने का समय मिलेगा।

कुंभ राशि स्वामी शनि की स्थिति के कारण जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

कन्या राशि स्वामी बुध के द्वादश भाव में संचार के कारण आज धर्म-कर्म में धन खर्च हो सकता है।

मीन आज का दिन सुखद अनुभव देने वाला रहेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

विशेष

आरएसएस का गठन अंग्रेजों के समय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है। संघ को पंजीयन की जरूरत नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में हुई थी। तब अंग्रेजों का शासन था।इसलिए हम पंजीकृत नहीं हुए। अब अंग्रेज नहीं रहे, अंग्रेजों के जमाने में संस्था बन गई थी। स्वतंत्र भारत में पंजीयन करने की जरूरत भी नहीं है। सरकार ने तीन बार प्रतिबंध लगाया। इसका मतलब है, सरकार ने संघ को स्वीकार कर लिया है। आयकर से संघ को जो छूट मिलती है। वह आयकर कानून के अनुसार मिलती है। उस कानून में संस्था का पंजीकृत होना जरूरी नहीं है। संघ के अलावा ऐसी अन्य कोई संस्था भारत में हो, इसका दूसरा उदाहरण नहीं मिलता है। अब संघ प्रमुख ने कह दिया है,उन्हें पंजीयन की जरूरत नहीं है। ऐसी स्थिति में अब संघ के पंजीयन को लेकर कोई विवाद नहीं किया जाना चाहिए। यही समय की बलिहारी है।

दुष्कर्मी विधायक ऑस्ट्रेलिया भागा

पंजाब के पटियाला जिले के आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा विदेश भाग गए हैं। उनके ऊपर दुष्कर्म का आरोप लगा था। पंजाब पुलिस उनको खोजती रह गई,और वह आस्ट्रेलिया पहुंच गए हैं। भगवंत मान के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्हीं की पार्टी का विधायक विदेश भाग गया। अब इस भगोड़े के कारण भगवत सिंह मान को जवाब देते नहीं बन रहा है। सैयां भये कोतवाल,तो फिर डर काहे का। आम आदमी पार्टी का पंजाब में मुख्यमंत्री है। ऐसे में विधायक के ऊपर कार्रवाई होगी,यह वर्तमान राजनीतिक माहौल में सपने में भी नहीं सोचना चाहिए।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1781: अंग्रेजों ने नागपट्टणम पर कब्जा कर लिया। 1927: लियोन ट्रास्की रूसी कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित किए गए। 1930: प्रथम गोलमेज सम्मेलन लंदन में हुआ। 1933: जर्मनी के चुनावों में नाजियों को भारी सफलता मिली। 1937: जापानी सैनिकों ने शंघाई चीन पर अधिकार कर लिया। 1941 :द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत फौजों ने जर्मन फौजों को मास्को के बाहर रोक दिया। 1946: पंडित मदन मोहन मालवीय का निधन। 1948: जापान के पूर्व प्रधानमंत्री हिदेकी तोजो और अन्य नेताओं को मौत की सजा दी गयी। 1956: जानोस काडार ने हंगरी में राष्ट्र संघ शांति सेना को प्रवेश की अनुमति नहीं दी। 1965: सुरक्षा परिषद ने सभी देशों से रोडेशिया सरकार को मान्यता नहीं देने की अपील की। 1988: श्रीलंका में जातीय हिंसा में 13 व्यक्ति मारे गए। 1990: जापान में अकीहितो गद्दी पर बैठे।

दैनिक पंचांग

12 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.35 ब.से
चंद्र	कर्क में	धनु	08.51 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.56 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.43 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.16 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.46 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.26 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.24 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.38 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.54 बजे से
12.00 से 1.30		कन्या	02.06 बजे से
बजे तक		तुला	04.17 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 316 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 22.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 18.36 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 08.03 बजे को समाप्त। **करण** बालव 10.58 बजे तदनन्तर कौलव 22.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 42'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872526
जूलियन दिन 2460991.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 20
विशेष कालभैरव जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

जमशेदपुर में कपड़ा गोदाम में भीषण आगजनी, 25 लाख का नुकसान, 5 संदिग्ध युवकों पर आग लगाने का शक

जमशेदपुर, एजेंसी। गोलमुरी थाना क्षेत्र स्थित हिन्दू बस्ती में सोमवार की मध्यरात्रि भारत रेडीमेड के कपड़ों के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरे गोदाम में रखे लाखों रुपये के रेडीमेड कपड़े जलकर राख हो गए। अनुमानित रूप से करीब 25 लाख रुपये के कपड़ों का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही गोलमुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य शुरू किया गया। अग्निशमन विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया। दुकान मालिक रेहान खान ने बताया कि रात में उन्हें गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। जब वे मौके पर पहुंचे, तब तक गोदाम पूरी तरह आग की चपेट में आ चुका था। रेहान ने पुलिस को बताया कि आग लगने के समय चार-पांच युवक गोदाम के सामने खड़े देखे गए थे। आशंका जताई जा रही है कि इन्हीं युवकों ने जानबूझकर आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाल के दिनों में गोलमुरी क्षेत्र में असामाजिक तत्वों और नशेड़ियों की गतिविधियां बढ़ी हैं। कभी वाहनों में तोड़फोड़ की जा रही है, तो कहीं जानबूझकर आग लगाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। शहर में हाल के दिनों में आगजनी की घटनाओं में लगातार इजाफा हुआ है। सोमवार को ही जुगसलाई स्थित वीर कुंवर सिंह चौक के रेलवे अंडरब्रिज के पास खड़ी एक कार में आग लगा दी गई थी। इससे पहले सिदगोड़ा और सोनारी में भी कारों को आग के हवाले किया गया था। वहीं, शनिवार रात बागबेड़ा के लाल बिल्डिंग निवासी नितेश की कार में भी आगजनी की घटना हुई थी।

आदिवासी युवाओं को मिलेगा एआइ का प्रशिक्षण, केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय ला रहा नई योजनाएं

रांची, एजेंसी। राज्य के आदिवासी युवाओं को केंद्र सरकार तकनीकी प्रशिक्षण देकर कौशल विकास करने के लिए नई योजनाएं लेकर आ रही है। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर झारखंड के आदिवासी युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मल्टीमीडिया और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में ट्रेनिंग देने की योजना का शुभारंभ होना है। केंद्र सरकार के जनजातीय विकास मंत्रालय की तरफ से पहले बैच में राज्य के 250 युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई है। कुल दस हजार युवाओं को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले बैच को ट्रेनिंग के लिए गुजरात और तमिलनाडु के शिक्षण संस्थान से समझौता किया गया है। बायोकेमिकल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षु शोधार्थी सूरज लोहरा ने इस प्रशिक्षण को आजीविका के लिए महत्वपूर्ण बताया है। आदिवासी कल्याण मंत्रालय के सहयोग से यह योजना राज्य में चलाई जाएगी। डिजिटल ट्रेनिंग लेने वाले इन प्रशिक्षु के लिए राज्य में रोजगार के अवसर बनाए जाएंगे। बैंकिंग, एजुकेशन, ट्रांसपोर्टिंग सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती मांग को देखते हुए इसमें रोजगार की बड़ी संभावना है। मोबाइल फोन, गैजेट्स बनाने वाली कंपनियों में इन युवाओं के प्लेसमेंट के लिए भी केंद्र सरकार ने योजना बनाई है। इसके साथ ट्रेनिंग लेकर आए राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंक से सहायता भी दिलाई जाएगी।

जंगल से भटके गजराज ने बोकारो में मचाई तबाही, दो की जान गई

ललपनिया(बोकारो), एजेंसी। झारखंड में मानव-हाथी संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड के जागेश्वर विहार थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलैया गांव का है, जहां सोमवार की रात हाथियों के झुंड ने हमला कर दो युवकों की जान ले ली। जानकारी के अनुसार, रात करीब आठ बजे गांव के दुकान के पास कुछ लोग बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान चार-पांच जंगली हाथी अचानक गांव में आ धमके, जिससे अफरातफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस बीच हाथी ने भागते हुए चरकु महतो (40) और प्रकाश महतो (38) को सूंड़ से पकड़कर पटक दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए ढोल-नगाड़ों और आग की रोशनी के सहारे हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ दिया। सूचना पाकर वन विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्थिति का जायजा लिया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया ।बताया गया कि मृतकों के परिवार में एक-एक पुत्र और पुत्री हैं। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से मृतकों के परिजनों को शीघ्र मुआवजा देने और गांव में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

आंकड़ों की बिसात पर पिता की विरासत सोमेश सोरेन के सामने बड़ी चुनौती

जमशेदपुर, एजेंसी। समय का पहिया घूम चुका है और घाटशिला विधानसभा का सियासी अखाड़ा एक बार फिर सज गया है।

नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव में जो दो चेहरे आमने-सामने थे, उनमें से एक अब यादों में है। तब झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कद्दावर नेता रामदास सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बाबूलाल सोरेन को एक बड़ी शिकस्त दी थी।

आज, रामदास सोरेन के निधन के कारण हो रहे उपचुनाव में भाजपा के बाबूलाल सोरेन के सामने उनके बेटे सोमेश सोरेन हैं, जो अपने पिता की राजनीतिक विरासत को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के आंकड़े इस उपचुनाव की पटकथा लिख रहे हैं। नवंबर 2024 में हुए चुनाव में झामुमो के रामदास सोरेन ने 98,356 वोट हासिल कर शानदार जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा के बाबूलाल सोरेन को 75,910 वोटों से संतोष करना पड़ा था। जीत का यह 22,446 वोटों का बड़ा अंतर इस बार झामुमो के लिए आत्मविश्वास का कारण है, तो वहीं भाजपा

के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, जिसे पाटने के लिए उसे प्रखंड-वार समीकरणों को साधना होगा। हालांकि, चुनाव आयोग प्रखंड-वार आधिकारिक मत प्रतिशत जारी नहीं करता, लेकिन मतदान केंद्र-वार आंकड़ों का विश्लेषण पिछले चुनाव की तस्वीर बिल्कुल साफ कर देता है। झामुमो की जीत का आधार मुसाबनी और घाटशिला के शहरी व अर्ध-शहरी इलाके बने थे। विश्लेषण के अनुसार, इन दोनों प्रखंडों में झामुमो को अनुमानतः 55 से 60 प्रतिशत वोट मिले थे। यहां मिली भारी बढ़त ने ही जीत का बड़ा अंतर पैदा किया था।

दूसरी ओर, डुमरिया और गुड़ाबांदा जैसे विशुद्ध ग्रामीण प्रखंडों में भाजपा का दबदबा रहा। इन क्षेत्रों में भाजपा ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अनुमानतः 55 प्रतिशत के करीब वोट हासिल किए थे। लेकिन यहां कुल मतदाताओं की संख्या शहरी क्षेत्रों की तुलना में कम होने के कारण यह बढ़त झामुमो की बड़ी लीड को काटने में नाकाम रही।

इस उपचुनाव में दोनों दलों के सामने पुरानी चुनौतियां नए रूप में खड़ी हैं। झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने पिता की तरह ही शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 55% से अधिक के वोट शेयर को बनाए रखने की है। उन्हें सहानुभूति की लहर का फायदा तो है, लेकिन पिता की राजनीतिक विरासत का भारी बोझ भी उनके कंधों पर है। झामुमो को यह सुनिश्चित करना होगा कि मुसाबनी और घाटशिला में उनकी बढ़त कायम रहे और डुमरिया-गुड़ाबांदा जैसे ग्रामीण इलाकों में भाजपा के प्रभाव को कम किया जा सके।

वहीं, भाजपा के बाबूलाल सोरेन के लिए यह चुनाव करो या मरो जैसा है। उन्हें पिछली हार के अंतर को पाटने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अपने वोट प्रतिशत को और बढ़ाना होगा, साथ ही शहरी वोट बैंक में भी बड़ी सेंध लगानी होगी। भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती झामुमो के पारंपरिक आदिवासी वोट बैंक में अपनी पैठ बनाना है, जो पिछले कई चुनावों से निर्णायक साबित होता आया है। इस चुनावी रण में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के रामदास मुर्मू की भूमिका भी अहम होगी, जो दोनों दलों के समीकरण बिगाड़ने का माद्दा रखते हैं।

अजगर निगल गया हिरण को! पलामू के उंटारी रोड की घटना, पानी की तलाश में गांव की तरफ आते हैं हिरण

पलामू, एजेंसी। जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के मुरमा कला के इलाके में एक विशाल अजगर ने एक हिरण को निगल लिया। घटना सोमवार की है।

दरअसल उंटारी रोड थाना क्षेत्र में सोमवार को कुछ चरवाहे अपने मवेशियों को लेकर मुरमा कला के पहाड़ी इलाके में गए हुए थे। इसी दौरान सभी ने देखा कि एक विशाल अजगर हिरण को निगल रहा है। चरवाहों ने अजगर को देखकर शोर मचाना शुरू किया था, शोर सुनने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अजगर को हिरण को निगलते हुए देखा। हिरण को निगलने में अगजर को आधा घंटा का वक्त लगा। घटना को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मियों से भी संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया था। दरअसल जिस इलाके में यह घटना हुई है वह इलाका जंगल एवं पहाड़ों से घिरा हुआ है। अक्सर हिरण इलाके में देखे जाते हैं। पानी की तलाश में कई बार हिरण भटककर ग्रामीण इलाकों में दाखिल भी हुए हैं।मुरमा कला के इलाके में कई बार हिरण का शिकार भी हुआ है, जबकि कई बार कुत्तों ने भी हिरण का शिकार किया है। उंटारी रोड की प्रखंड प्रमुख अलका कुमारी ने बताया सोमवार को एक विशाल अजगर ने हिरण को निगल लिया। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कई मौकों पर देखा गया है कि हिरण पानी की तलाश में जंगल से भटक कर बाहर निकलते हैं और कुत्ता उनका शिकार कर लेते हैं।

बालू माफियाओं ने बीडीओ को रौंदने का किया प्रयास, झोपड़ी में घुसा ट्रैक्टर, आरोपियों की हुई तलाश शुरू

पलामू, एजेंसी। बालू माफियाओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को रौंदने का प्रयास किया। इस घटना में प्रखंड विकास पदाधिकारी और उनकी टीम बाल-बाल बच गई है। जबकि ट्रैक्टर एक झोपड़ी में घुस गया। इस घटना में झोपड़ी के अंदर मौजूद मवेशी जख्मी हो गए हैं। घटना सोमवार की देर रात पलामू के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के सीढा गांव में घटी।

घटना के बाद पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए छापेमारी की जा रही है। मंगलवार की सुबह एक बार फिर से उंटारी रोड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस घटनास्थल पर गई और पूरे हालात का जायजा लिया।

ट्रैक्टर एक झोपड़ी में घुस गया जिसके कारण मवेशी घायल हो गए : उंटारी रोड के प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण भगत सोमवार की देर रात अवैध बालू उठाव के खिलाफ कार्रवाई के लिए इलाके में गए हुए थे। इस दौरान उन्होंने ट्रैक्टर को रोक कर पूछताछ करना चाहा, लेकिन ट्रैक्टर ने उन्हें रौंदने का प्रयास किया। भागने के क्रम में ट्रैक्टर एक झोपड़ी में घुस गया जहां मवेशी बंधे हुए थे।

आरोपियों की तलाश जारी : बाद में प्रखंड विकास पदाधिकारी हालात को देखते हुए वहां से निकल गए थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण भगत ने बताया कि बिना नंबर के ट्रैक्टर से बालू का उठाव हो रहा था, कार्रवाई के दौरान उन्हें रौंदने की कोशिश की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि पूरे मामले में कार्रवाई की जा रही है एवं आरोपियों के खिलाफ एफआईआर की जा रही है।

रांची के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल

रांची, एजेंसी। सरकार और स्वास्थ्य विभाग के मंत्री अक्सर यह कहते नहीं थकते कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हो रही हैं। लेकिन ईटीवी भारत की टीम जब रांची जिले के ही ग्रामीण इलाकों में खोले गए आयुष्मान आरोग्य मंदिर (पूर्व में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) का जायजा लेने गई तो नजारा दूसरा ही था।

प्रसव के लिए कोई डॉक्टर या नर्स भी नहीं : ओरमांझी प्रखंड के सदमा और पास के कुल्ही गांव में ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण इलाज और सुरक्षित प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए खोले गए आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंद मिले। यहां न सीएचओ मिले और न ही नर्सें या अन्य कोई स्टाफ। मिले तो दीवारों पर आकर्षक प्रचार सरीखा लिखे ये शब्द कि यहां 24ङ्क7 प्रसव सेवा उपलब्ध है। सवाल यह है कि बिना डॉक्टर, बिना सीएचओ और बिना नर्स के जरूरत के समय यहां प्रसव कौन कराएगा?

उद्घाटन के बाद से यहां इलाज नहीं हुआ है : सदमा गांव के बंद पड़े आयुष्मान आरोग्य मंदिर के बाहर हमें सकलदीप मुंडा नाम के ग्रामीण मिल गए। उन्होंने जो बताया वह हैरान करने वाला है। उन्होंने बताया कि सप्ताह में एकाध दिन लोग आते हैं और कागजी खानापूर्ति कर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि जबसे इसका उद्घाटन हुआ है

उसके बाद से यहां इलाज नहीं हुआ है।

कुल्ही गांव के आयुष्मान आरोग्य सेंटर पहुंचीं तो वह भी बंद मिला। यहां भी पास के एक युवक ने बताया कि कभी-कभी यह सेंटर खुलता है लेकिन प्रसव कभी नहीं हुआ है। जब हमारी टीम रिपोर्टिंग के लिए पहुंची उस समय दो सहिया भी आरोग्य मंदिर पहुंची थीं पर उन्होंने चुप रहना ही अच्छा समझा।

पूरे मामले को लेकर ईटीवी भारत की टीम ने जब रांची के सिविल सर्जन डॉक्टर प्रभात कुमार से बात की तो उन्होंने बताया कि रांची में 350 आयुष्मान आरोग्य मंदिर चल रहे हैं। ऐसे में जिला स्तर से सभी की मॉनिटरिंग करना मुश्किल नहीं है। उन्होंने बताया कि जल्द ही सभी सीएचसी के चिकित्सा प्रभारी को यह जिम्मा दिया जाएगा कि वह अपने-अपने क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर के काम और उनकी गतिविधियों का जायजा लें और रिपोर्ट तैयार करें।

कार्रवाई की दी चेतावनी: सिविल सर्जन : उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि किसी भी स्थिति में आयुष्मान आरोग्य मंदिर को हर दिन खुलना चाहिए अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो यह गलत है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

निलंबित आईएएस विनय चौबे की बढ़ी मुश्किलें, वन भूमि घोटाले में भी बनाए गए आरोपी

रांची, एजेंसी। हजारीबाग में खासमहाल की 2.75 एकड़ जमीन के घोटाले में जेल में बंद तत्कालीन डीसी विनय कुमार चौबे को एसीबी ने हजारीबाग के अपने दूसरे केस वन भूमि के घोटाले में भी आरोपित बनाया है।

वन भूमि घोटाला मामले में एसीबी हजारीबाग में कांड संख्या 11/2025 दर्ज है। अब इस मामले में भी एसीबी उन्हें गिरफ्तार दिखाते हुए रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

इस केस में विनय चौबे के करीबी ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय कुमार सिंह, उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह, हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, तत्कालीन सीओ शैलेश कुमार सहित 73 नामजद आरोपी है।

इस केस में आरोपी बनाए जाने के साथ ही निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे एसीबी के कुल तीन मामलों में आरोपित बनाए गए हैं।

इससे पहले निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे झारखंड में हुए शराब घोटाला और हजारीबाग में हुए खासमहाल जमीन घोटाला मामले में पहले से आरोपित हैं।

ईडी कोर्ट ने आईएएस छवि रंजन को

अपने बेटे का मुंडन संस्कार कराने के लिए तिरुपति मंदिर जाने की अनुमति प्रदान कर दी है। अदालत ने उन्हें 17 नवंबर से 21 नवंबर तक के लिए यात्रा करने की सशर्त अनुमति दी है।

छवि रंजन ने ईडी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में आवेदन दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान कहा गया कि कि वह अपने परिवार के साथ तिरुपति जाकर धार्मिक अनुष्ठान करना चाहते हैं।

इसपर अदालत ने यह कहते हुए अनुमति दी कि वे यात्रा पूरी होने के बाद निर्धारित समय पर लौटकर जांच एजेंसी (ईडी) को इसकी सूचना देंगे। बता दें कि छवि रंजन जमीन घोटाला मामले में आरोपित हैं।

ईडी ने उन्हें जमीन घोटाले से संबंधित अनियमितताओं के आरोप में गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह जमानत पर बाहर हैं और न्यायिक प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं। अदालत की ओर से दी गई अनुमति केवल धार्मिक अनुष्ठान के लिए ही सीमित है।

माशूका को खुश करने के लिए प्रेमी बना चोर, लाखों के गहने किए चोरी

रांची, एजेंसी। सदर थाना की पुलिस ने चोरी करने और जेवरात खरीद-विक्री के आरोप में राज वर्मा, लक्ष्मी कुमारी और अनीस सोनी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि प्रेमिका लक्ष्मी ने जेवर पहनने की जिद की जिसे पूरी करने के लिए प्रेमी राज वर्मा ने एक घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के गहने उड़ा लिए।

सुंदर बिहार, तिरिल कोकर निवासी पवन कुमार शाह ने 8 नवंबर को अपने घर में चोरी की लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि चोर बालकनी से घर के अंदर आया था और अलमारी में रखे जेवरात चोरी कर भाग गया था।

पुलिस ने जांच शुरू की तो आरोपित राज वर्मा के बारे में जानकारी मिली। पुलिस ने चटकपुर निवासी राज वर्मा को पकड़ा। उससे मिले सुराग पर लक्ष्मी कुमारी और अनीस सोनी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया

कि लक्ष्मी अपने प्रेमी राज पर लगातार महंगे जेवर पहनाने का दबाव बना रही थी। इसी बात से परेशान राज ने चोरी की योजना बनाई। उसने सुंदर बिहार में पवन कुमार साह के घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए।

चोरी के बाद वह सीधे अपनी प्रेमिका के पास गया और कहा कि उसके लिए एक सरप्राइज गिफ्ट लाया है। उसने प्रेमिका की आंखें बंद कराईं और उसके हाथ पर सारे गहने रख दिए।

पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि चोरी के बाद लक्ष्मी कुमारी उन गहनों को खुद पहनती थी और बाद में उन्हें बेचने के लिए अनीस सोनी के ज्वेलर्स की दुकान पर जाती थी।

वह कभी-कभी गहने पहनकर ही दुकान में पहुंचती थी ताकि शक न हो। अनीस सोनी ने पुलिस को बताया कि उसे यह जानकारी नहीं थी कि गहने चोरी के हैं, लेकिन पुलिस ने जब उसके पास से चोरी के जेवर बरामद किए तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने आरोपितों के पास से जो जेवर बरामद किए हैं, उनमें सोने की चेन, कान का टाप, बाली, जीउतिया, चांदी की पायल और बिछिया शामिल हैं।

सीपीआई ने दुमका में काटी न्याय की फसल, देखता रह गया प्रशासन

मसलिया (दुमका), एजेंसी। झारखंड के दुमका जिले के मसलिया प्रखंड स्थित शिकारपुर गांव में रैयत धोधो राय और रधिया घटवाल के वंशजों के बीच वर्षों से चल रहे जमीन विवाद ने सोमवार को नया मोड़ ले लिया। विवादित जमीन पर भाकपा (माले) के नेतृत्व में धोधो राय के वंशजों के हिस्से की जमीन पर बोए गए धान की कटनी की गई।

जानकारी के अनुसार, रधिया घटवालीन के वंशज निमाय राय, भीम राय, नकुल राय, गोकुल राय आदि पिछले 10 से 15 वर्षों से संख्या बल के जोर पर धोधो राय के वंशजों को जमीन पर खेती करने नहीं दे रहे थे। कई बार पंचायत स्तर पर ग्रामीणों और ग्राम प्रधानों की मध्यस्थता में बैठकें हुईं, लेकिन दबंग पक्ष ने फैसले को मानने से इंकार कर दिया। धोधो राय के वंशजों ने प्रशासन से कई बार लिखित शिकायत की, मगर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस पर माले ने धोधो राय परिवार को न्याय दिलाने के उद्देश्य से विवादित खेत में पार्टी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में धान की कटनी कराई। धन कटनी के दौरान पुलिस-प्रशासन चुप रहा। रधिया घटवाल के वंशजों ने धन कटनी रोकने के लिए पुलिस से गुहार लगाई। लेकिन रोकने के लिए पुलिस सामने नहीं आई। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी नेता और समर्थक उपस्थित थे, जिनमें जामताड़ा से सुनील राणा, आशा मिर्धा, सुशील मोहली, ममता राणा, सोमलाल मिर्धा, सर्वेसर टुडू, पतन हांसदा, दुमका से बाबूलाल राय, रामेश्वर टुडू, प्रकाश हेंब्रम, देवघर से रघुपति पंडित, जयदेव सिंह, राम सिंह, विरजू रजवार, राजीव सोरेन सहित अन्य शामिल थे। माले नेताओं ने कहा कि जब तक पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिलता, आंदोलन जारी रहेगा।

हजारीबाग पुलिस ने पकड़े 6 आरोपी, चोरी के 80 लाख रुपए के गहने बरामद

हजारीबाग, एजेंसी। पुलिस ने घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। हजारीबाग पुलिस ने 28 अक्टूबर और 11 नवंबर को हुई दो चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 6 चोरों को गिरफ्तार किया है।

दोनों घटना में चोरी के आभूषणों को पुलिस ने बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी अजूबा के ऊपर 12, निक्की शर्मा के ऊपर 20, विकास कुमार सोनी के ऊपर 12 और विशु कुमार के ऊपर 3 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी क्रम में पुरुषोत्तम कुमार के ऊपर पांच और नीरज कुमार सोनी उर्फ पप्पू के ऊपर एक मामला थाने में दर्ज है। आरोपियों ने पहली घटना लोसिंघना जबकि दूसरी घटना बड़ा बाजार ओपी थाना क्षेत्र में अंजाम दी थी।

पुलिस के मुताबिक, दोनों घटना की

बात की जाए तो लगभग 80 लाख रुपए की ज्लेवरी की अपराधियों ने चोरी की थी। इन घटनाओं के बाद हजारीबाग एसपी ने दो अलग-अलग एसआईटी टीम का गठन किया था।

घटना के बाद एसआईटी का हुआ था गठन

पुलिस ने बताया कि 28 अक्टूबर को लोसिंघना थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा अखाड़ा यादव बाबू चौक के पास किरण बाला के घर में अज्ञात आरोपियों ने चोरी कर 40 लाख रुपए के आभूषणों की चोरी की थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया। इसी क्रम में हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि महात्मा गांधी स्मारक के पास कुछ संदिग्ध इकट्ठे खड़े हैं, जो चोरी की घटना को अंजाम देने की नियम से जुटे हैं।

जिसके बाद सूचना पर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें मोहम्मद अजूबा, निक्की शर्मा और बिशु कुमार सोनी शामिल है। तीनों से जब पूछताछ की गई तो उन लोगों ने बड़ा अखाड़ा जादो बाबू चौक के पास चोरी की घटना में संलिप्तता को स्वीकार किया। इधर, मोहम्मद अजूबा की निशानदेही पर एक अन्य आरोपी विकास कुमार सोनी को गिरफ्तार किया गया है।

बरामद किए चोरी के आभूषण

सीसीआर डीएसपी मनोज कुमार ने बताया आरोपियों के पास से चोरी के आभूषण बरामद हुए हैं। जिसमें 120 ग्राम सोने के आभूषण और 500 ग्राम चांदी और एक मोबाइल है। सीसीआर डीएसपी ने बताया कि 5 नवंबर को गवाटोली चौक के निकट सरदार रणवीर सिंह के घर दिनदहाड़े अज्ञात आरोपियों द्वारा 40 लाख रुपए के जेवर की चोरी हुई थी। इस मामले में भी हजारीबाग पुलिस ने पुरुषोत्तम कुमार यादव और नीरज कुमार सोनी उर्फ पप्पू को गिरफ्तार किया है। उनके पास से लगभग 268 ग्राम का सोना, 39 हजार रुपया नकद और एक मोबाइल बरामद किया गया है।

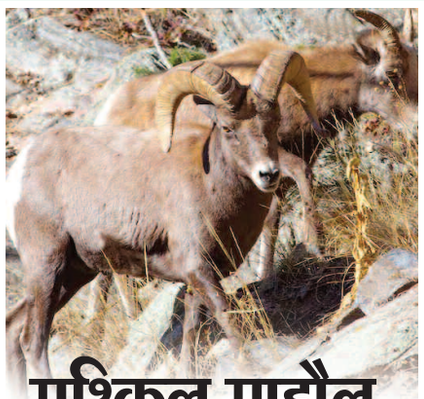

मुश्किल माहौल में रहना पसंद करती है बिगहॉर्न भेड़

भेड़ों के बारे में सुनने पर आपको किस बात का ख्याल आता है? धीरे धीरे समूह में चलने वाला ऊन वाला वह जानवर जिनमें नर एक दूसरे से सींग से लड़ने के लिए जाने जाते हैं. लेकिन इनमें से एक तरह का भेड़ कुछ हट कर दिखाई देता है. बकरी से मिलती जुलती ये भेड़ असल में बकरी के काफी करीब भी है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका बड़ा सींग होता है. बिगहॉर्न भेड़ के सींग बड़े तो होते हैं, पर वे अक्सर मुड़े होने की वजह से इतने बड़े लगते नहीं हैं. लेकिन इनका भार 14 किलो तक पहुंच जाता है जो कि भेड़ों में काफी असामान्य बात है. ये सींग इनकी उम्र को दर्शाते हैं, इनके लिए प्रतिष्ठा का सवाल होते हैं और ये इन्हें हथियार के तौर पर इस्तेमाल भी करते हैं. दुनिया में यही ऐसे भेड़ हैं जो कूद सकती हैं. नहीं तो आमतौर पर भेड़ चाह कर भी कूद नहीं सकती हैं. वे केवल दौड़ सकती हैं, पर उछल नहीं लग सकती हैं. उनके पतले पैरों को देख कर लगता नहीं है कि वे दूर तक छलांग लगा पाती होंगीं. उत्तरी अमेरिका के पथरीले इलाकों में भी वे आसानी से घूमती दिखाई देती हैं.

बिगहॉर्न भेड़ कठोर वातावरण और ऊंचे इलाकों में पनपती हैं. वे उत्तरी अमेरिका के बहुत ही कठिन इलाकों में पाई जाती हैं. वे केवल ठंड के मौसम में ही निचलने इलाकों में आती हैं जब लोगबाग इन्हें देख पाते हैं. पथरीले कठिन इलाकों में रहने में इनके पतले पैर इनकी खासी मदद करते हैं, जिससे वे अपना संतुलन बना पाती हैं जो बाकी जानवरों के लिए बहुत कठिन होता है. बिगहॉर्न नर, जिन्हें रैम कहते हैं और मादाएं जिन्हें ईवीज कहते हैं, आमतौर पर अलग-अलग ही रहते हैं, लेकिन फिर भी ये समूह में ही रहना पसंद करते हैं. रैम छोटे समूह में रहते हैं, जबकि मादाएं बड़े समूह में रहती हैं जिनमें बच्चे भी शामिल होते हैं. बिगहॉर्न भेड़ों की खास और अजीब बात ये है कि उनमें बीमारियां बहुत ही जल्दी और तेजी से फैलती हैं. इनमें निमोनिया का रोग बार बार फैलता देखा गया है. यही वजह है कि कई बार इनकी जनसंख्या बहुत कम हो जाती है और इनमें अक्सर एक ही झटके में एक पीढ़ी तक साफ हो जाती है. इन भेड़ों को ना केवल बीमारियों के फैलने से, बल्कि शिकारी जानवरों के अलावा इंसानों के शिकार करने से भी बहुत बड़ा खतरा है. इंसान भी इनका मांस खाने के लिए शिकार करते रहते हैं. लेकिन ये शाकाहारी जानवर आमतौर पर आक्रामक नहीं बल्कि रक्षात्मक होते हैं. किसी दूसरे जानवर का हमला करने पर ये रक्षा के लिए अपनी सींग का इस्तेमाल करते हैं.

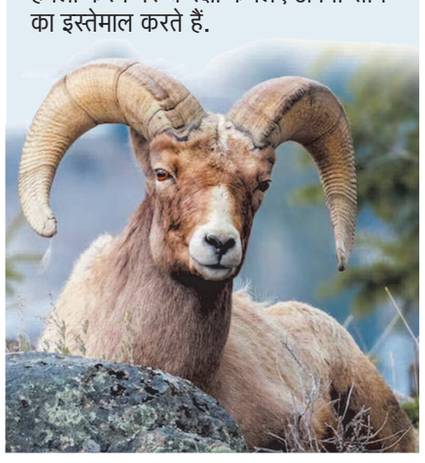

क्या पृथ्वी के पास से गुजरने वाला ये एस्टेरॉयड एलियन जहाज था?

अंतरिक्ष में साल 2017 में एक अजीबोगरीब आकृति देख कर वैज्ञानिक हैरान हो गए। यह एक अंतरिक्ष चट्टान थी, जो देखने में एक सिगार की तरह लग रही थी। इस चट्टान को ओमुआमुआ नाम दिया गया था। यह धरती के करीब तेजी से गुजरा था जिसके कारण वैज्ञानिकों के पास इसकी स्टडी का समय ही नहीं था।

साल 2017 में अंतरिक्ष में धरती के बेहद करीब से एक रहस्यम चट्टान गुजरी थी। इसे ओमुआमुआ नाम दिया गया था। इस चट्टान के अजीबोगरीब आकार के कारण इसके एलियन अंतरिक्ष यान होने की अटकलें लगती रही हैं। अब इस अंतरिक्ष चट्टान के बारे में बेहद खास जानकारी मिली है। यह सौर मंडल के बाहर से आया था। ओमुआमुआ की अजीबोगरी हरकतों के कारण अब वैज्ञानिक मान रहे हैं कि इसका संबंध एलियंस से नहीं है। यह चट्टान हमारे सौरमंडल के बाहर से आया था। वैज्ञानिकों को पता चला है कि इस चट्टान से हाइड्रोजन गैस निकल रही थी, जो उसकी स्पीड बढ़ा रही थी। वैज्ञानिकों को इस चट्टान को लेकर तब हैरानी हुई जब उन्होंने इसे सूर्य से दूर जाते देखा। यह धूमकेतु तो नहीं था लेकिन उसी तरह व्यवहार कर रहा था। अब जर्नल नेचर में बुधवार को इससे जुड़ा एक नया शोध प्रकाशित हुआ है। इसमें कहा गया है कि ओमुआमुआ के सतह की बर्फ के भीतर हाइड्रोजन के अणु फंसे हुए थे। सूर्य की गर्मी के कारण यह यह बर्फ पिघली होगी और यह हाइड्रोजन मुक्त हुए। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के एक रसायन शास्त्री और शोध के प्रमुख लेखक जेनिफर बर्गनर ने कहा कि ओमुआमुआ को जब देखा गया था तब वैज्ञानिक हाइड्रोजन अणुओं का पता नहीं लगा सके थे।

2017 में पहली बार दिखी चट्टान

ओमुआमुआ को पहली बार अक्टूबर 2017 में देखा गया था। नजरों से गायब होने से पहले यह चार महीने तक टेलीस्कोप से दिखाई देता रहा। इस दौरान ओमुआमुआ ने अपने विचित्र गुणों से सभी को हैरान कर दिया। नासा के मुताबिक यह अंतरिक्ष चट्टान सिगार के आकार की थी। यह लगभग 400 मीटर लंबी और उससे 10 गुना पतली थी। इसकी स्पीड 87.3 किमी प्रति सेकंड थी। शोधकर्ताओं को सबसे पहले लगा था कि यह एक धूमकेतु है, लेकिन इसके पास धूल और गैस से बनी पूछ नहीं थी, इसलिए उनका यह अनुमान सही साबित नहीं हुआ।

वैज्ञानिकों ने स्पीड में देखा बदला

वैज्ञानिकों के पास इसके अवलोकन का काफी कम समय था। उन्होंने इसकी स्पीड में बदलाव को भी देखा। बर्गनर ने कहा कि इस अंतरिक्ष चट्टान की स्पीड में बदलाव को लेकर कई अध्ययन हुए हैं। हालांकि कुछ संकेत थे कि हाइड्रोजन जैसा एक हल्का अणु ओमुआमुआ जैसी वस्तु की ट्रैजेक्टरी को चलाने में सक्षम हो सकता है। शोध में कहा गया कि अंतरिक्ष की ठंड में यह हाइड्रोजन अणु बर्फ में फंसे थे। लेकिन जैसे ही यह सूर्य के करीब आए तो यह गर्म होकर तेजी से बाहर निकलने लगे, जिसके कारण इसकी स्पीड बदल गई और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण से निकल गया।

प्लूटो की तरह से नाइट्रोजन बर्फ से हुआ निर्माण!

चूंकि ओमुआमुआ चट्टान के निर्माण का पता नहीं है, इसलिए वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला है कि यह स्पेस ऑब्जेक्ट संभवत- नाइट्रोजन आइस से बनी होगी। यह कुछ उसी तरह से होगा जैसे प्लूटो या नेप्यूटन के ग्रह ट्राइटोन की सतह का निर्माण नाइट्रोजन आइस से हुआ है। जब यह चट्टान हमारे सोलर सिस्टम के पास आने लगी तब सूरज की किरणों ने इसकी जमी हुई नाइट्रोजन की लेयर को पिघलाना शुरू कर दिया होगा। यह स्पेस ऑब्जेक्ट वर्ष 1995 में पहली बार हमारे सोलर सिस्टम में घुसी थी। उस समय इसका किसी को पता नहीं था और परिणाम यह हुआ कि यह करीब 95 फीसदी पिघल गई है और अब यह चांदी में बदल गई है। वर्ष 2017 में जब खगोलविदों को इसके बारे में पता चला तब तक देर हो चुकी थी। यह करीब एक लाख 96 हजार प्रतिघंटे की रफ्तार से धरती से दूर रहा था। ऐसे में उनके पास ओमुआमुआ के अध्ययन के लिए कुछ ही सप्ताह थे। कई टेलिस्कोप की मदद से उसकी जांच की गई लेकिन बहुत ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई। अब यह रहस्यमय ऐस्टरॉइड धरती से बहुत दूर चला गया है और वर्तमान तकनीक से उसकी जांच संभव नहीं है।

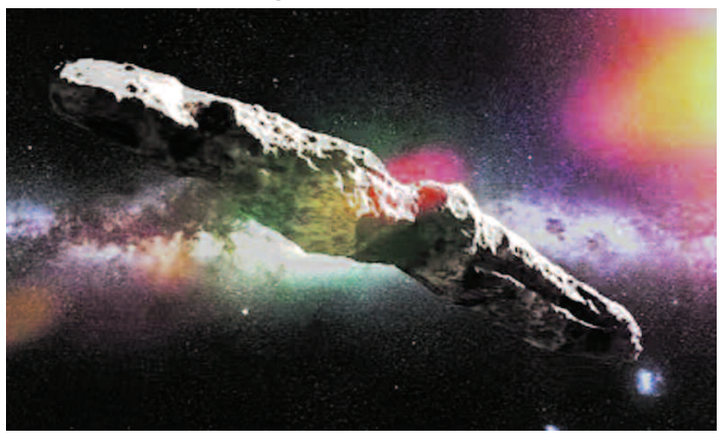

ये है इसके पीछे का रहस्य

दो संभावनाएं हो सकती हैं या तो हम इस ब्रह्मांड में अकेले हैं या फिर हम नहीं ये दोनों ही काफी भयानक हैं। मशहूर साइंस फिक्शन राइटर सर ऑर्थर सी क्लार्क द्वारा कही गई ये बात एलियन लाइफ को लेकर जेहन में कई सवाल पैदा करती हैं। परग्रही जीवन को लेकर पिछले लंबे समय से खोजबीन जारी है। इस बीच कई लोगों ने अज्ञात उड़न तश्तरियों और एलियंस से जुड़ी गतिविधियों को देखने का दावा किया। हालांकि उनके इस दावे में कितनी हकीकत है और कितना फसाना ये कोई नहीं जानता, लेकिन हाल ही में एक अज्ञात एस्टेरॉयड ओमुआमुआ ने वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। एलियन शिप कहा जाने वाला ये एस्टेरॉयड अक्टूबर 2017 में पृथ्वी के बेहद ही करीब से गुजरा। उस वक्त इस रहस्यमय ऑब्जेक्ट को देखने के बाद वैज्ञानिक इस बात पर एकमत नहीं थे कि ये क्या चीज है? हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ऐवी लोएब का कहना है कि ओउमुआमुआ एस्टेरॉयड नहीं बल्कि एक एलियन शिप था। वैज्ञानिकों ने इस रहस्यमय ऑब्जेक्ट का अध्ययन करने के बाद ये बताया कि यह ऑब्जेक्ट किसी दूसरे सोलर सिस्टम से आया था। अमूमन ये देखने को मिलता है कि एस्टेरॉयड जब पृथ्वी के पास से गुजरते हैं तो सूर्य की गर्मी से उनकी बर्फ पिघलने लगती है। ऐसे में उनकी एक लंबी पूंछ बनती है। वहीं ओउमुआमुआ एस्टेरोइड के पीछे ऐसी कोई पूंछ नहीं थी। इस वजह से कई रिसर्चर्स का ये मानना है कि ओउमुआमुआ एक एलियन टेक्नोलॉजी हो सकती है। नासा ने खुद अपनी ऑफिसियल वेबसाइट पर इस एस्टेरॉयड की कई विचित्र बातों के बारे में बताया है। उनके मुताबिक अमूमन स्पेस में कोई भी वस्तु एक निर्धारित गति पर चलती है। वहीं ओउमुआमुआ की गति में वैज्ञानिकों को अचानक तेजी देखने को मिली। हमारे सोलर सिस्टम में कोई भी एस्टेरॉयड ज्यादा से ज्यादा 19 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से सफर करता है। ओउमुआमुआ के कई पहलू इस बात की ओर इशारा करते हैं कि ये एक एलियन जहाज था। हालांकि अब तक इसके रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। वहीं कई लोगों का कहना है कि ओउमुआमुआ एक एलियन शिप था, जो पृथ्वी को ऑब्जर्व करने के लिए उसके पास से गुजरा।

क्या वाकई में उड़ती है फ्लाइंग फिश

क्या आपने उड़ने वाली मछली देखी है. जी हां हम फ्लाइंग फिश की ही बात कर रहे हैं. इस मछली के कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए जा चुके हैं. देखने में पंछी से लगने वाली यह मछली अचानक ही पानी से निकलती है और लंबी छलांग मारती है जिससे लगता है कि यह उड़ रही है. लेकिन इसके बारे में अधिकांश लोग ज्यादा नहीं जानते हैं. इसके कुछ फैक्ट्स तो कन्फ्यूज भी करते हैं. ये हवा में उड़ती नहीं हैं, बल्कि वह पानी से निकल कर हवा में कूदकर लंबा गोता लगाती हैं. ये अपने लंबे और मजबूत पंखों का उपयोग करके पानी की सतह से छलांग लगाती है और हवा में ग्लाइड करती है. फ्लाइंग फिश की यह छलांग इसके आकार के लिहाज से काफी लंबी होती है. यह आमतौर पर 17 से 30 सेमी लंबी होती है, लेकिन यह 46 सेमी तक लंबी भी हो सकती हैं. यह 4-6 सेकंड तक हवा में रह सकती है और 200 मीटर तक की दूरी तय कर सकती है. लेकिन अपनी पूंछ का इस्तेमाल कर ये लंबे समय तक ग्लाइड कर सकती है. फ्लाइंग फिश देख कर उड़ने वाली इसलिए लगती है क्योंकि ये उड़ते समय इसके फैले हुए पंख दिखते हैं. लेकिन असल में ये मीनपंख होते हैं और कुछ फ्लाइंग फिश के ये दो होते हैं तो कुछ के ये दूर से देखने में चार लगते हैं, पर असल में ये दो ही बोते हैं. फ्लाइंग फिश में उड़ने की क्षमता वाकई हैरान करती है, पर असल में वे इस काबिलियत का इस्तेमाल शिकार होने से बचने के लिए करती हैं. और तेजी से तैरते तैरते बीच समुद्र में से कुछ देर के लिए बाहर निकल आती हैं जिससे शिकार जीवों के लिए उनको पकड़ने बहुत मुश्किल हो जाता है. रोचक बात ये है कि इस हुनर का इस्तेमाल करवे शिकारी पंछियों से नहीं बच पाती हैं.

फ्लाइंग फिश बहुत ही तेजी से तैरती हैं. इनके तैरने की रफ्तार 53 किलमीटर प्रति घंटा तक होती है. इसी अपनी इसी रफ्तार के साथ ये पहले ये समुद्र केपानी से बार निकलते है जो उनकी लंबी हवाई छलांग का आधार होती है. इसके बाद जैसे ही ये हवा में आते हैं ये अपने मीनपंख हवा में फैला देते हैं. इस तरह से वे 50 से 200 मीटर की छलांग लगा लेते हैं. ऐसा लगता है कि कोई पंछी उड़ रहा है.

इनका चांदी और हलका नीला रंग भी इन्हें छिपने में मददगार होता है, ये समुद्री जानवरों से तो शिकार होने से बच जाती हैं. लेकिन शिकारी पक्षियों से बचना इनका मुश्किल होता है. रही सही कसर इंसान इन्हें खाने के लिए पकड़ कर पूरी कर देते हैं. ये दुनिया की सबसे स्वदिष्ट मछलियों में से एक मानी जाती हैं.

मगरमच्छ जैसे दिखते हैं एलीगैटर स्नैपिंग टर्टल

एलीगैटर स्नैपिंग टर्टल ऐसे पानी में रहने वाले कछुए हैं जो दुनिया में साफ पानी में रहने वाले सबसे भारी कछुए माने जाते हैं. इनकी खाल मगरमच्छ जैसी दिखती है, जबकि इनका जबड़ा बहुत ही ज्यादा मजबूत होता है, जिसके लिए ये खास तौर से जाने जाते हैं.

एलीगैटर स्नैपिंग टर्टल ऐसे पानी में रहने वाले कछुए हैं जो अमेरिका में पाए जाते हैं. ये ना केवल दुनिया के सबसे भारी साफ पानी वाले कछुए हैं बल्कि अमेरिका के ही सबसे बड़े साफ पानी के जीव के तौर पर भी जाने जाते हैं.. इसके ताकतवर जबड़े इनकी सबसे बड़ी खासियत हैं, जबकि इनकी चमड़ी किसी घड़ियाल की तरह लगती है. इनके अंडे देने के खास तरीके से उनके बच्चों का लिंग तय होता है अमेरिकी महाद्वीप, खास तौर से मैक्सिको की खाड़ी में पाए जाने वाले साफ पानी के कछुए हैं. ये पानी में रहना पसंद करते हैं. इनकी पीठ पर दिखने वाले कांटे कभी कभी इन्हें पुरातन डायानासोर जैसा भी अहसास देते हैं. लेकिन आमतौर पर ये इनकी पीठ किसी एलीगेटर प्रजाति के मगरजैसी लगती है. इनका बड़ा मुंह और ताकतवर जबड़े अलग से नजर आते हैं. 70 से 90 किलो के ये जानवर 81 सेमी लंबे होते हैं जिनमे नर मादा से बड़े दिखते हैं. अपने खतरनाक जबड़े से ये मछलियां, उभयचर, सांप, कीड़ी घोंघे, पानी के पंछी और छोटे कुतरने वाले जानवर तक का शिकार कर खाते हैं. 04 लाखों सालों से जिंदा रहने के बाद कछुए ये कैसे कर पाए और खत्म क्यों नहीं हुए यह बहुत रोचक सवाल है. इनके इतने लंबे समय तक बचे रहने का राज कुछ खास बातों में छिपा है, जिनमें सबसे अहम अंडों का तापमान से बच्चों के लिंग का निर्धारण है. जब अंडे का तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस रहा हो तो बच्चा मादा निकलता है और अगर तापमान 25 से 27 डिग्री के बीच रहा रहो तो बच्चा नर निकलता है. इन तापमानों के बीच पैदा होने वाला कछुआ नर और मादा का मिश्रण होता है. देखा गया है कि विपरीत हालात होने पर मादा बच्चे अधिक निकलते हैं. एलीगैटर स्नैपिंग टर्टल शिकार के लिए जीभ का इस्तेमाल करने के लिए जाने जाते हैं. ये बहुत धीमे होते है और नहीं के बराबर हिलते हैं. शिकार इनकी गुलाबी जीभ की आकर्षित होता है और जैसे ही इनके बड़े मुंह के पास आता है.उसका इनके जबड़ों से बचना असंभव हो जाता है. एलीगैटर स्नैपिंग टर्टल की गर्दन मे खास अंग होता है जिसका इस्तेमाल वे शिकार सूंघने के लिए करते हैं. वे आसपास के पानी से सूंघ कर शिकार की स्थिति जानते हैं और फिर शिकार करने पर काम करते हैं. दलदल में उनकी काम शिकार खोजने में काम नहीं आती, ऐसे में गले से सूंघने से उन्हें काफी मदद मिलती है. वैसे तो एलीगैटर स्नैपिंग टर्टल पानी में रहना ज्यादा पसंद करते है और मादाएं ही जमीन पर अंडे देने के लिए आती हैं. लेकिन इनकी एक खास बात ये है कि पानी पसंद होने के बावजूद इन्हें सांस लेने के लिए हर 40-25 मिनट में पानी से बाहर आना पड़ता है. गर्म पानी में उन्हें ऐसा करने की ज्यादा जरूरत होती है. पानी के सही तापमान में ही ये थोड़े से फुर्तीले हो पाते हैं.

7 साल बाद बोनस शेयर दे रही कंपनी, मिलेंगे 1 पर 5 शेयर फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते एक साल में निवेशकों को 1000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने वाली कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। कंपनी की तरफ से 8 साल के बाद एक बार फिर से निवशकों को बोनस शेयर दिया जाएगा। इस बार कंपनी ने 1 शेयर पर योग्य निवेशकों को 5 शेयर बोनस देने का फैसला किया है। 10 नंवबंर को कंपनी की बोर्ड मीटिंग में फैसला हुआ कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 5 शेयर बोनस दिया जाएगा। इससे पहले कंपनी ने 2017 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी की तरफ से हर एक शेयर पर योग्य निवेशकों को एक पर एक शेयर बोनस बांटा गया था। ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि बोर्ड की मीटिंग में 18 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय हुआ है। यानी जिन निवेशकों के पास 18 नवंबर को कंपनी के शेयर रहेंगे उन्हें बोनस शेयर का फायदा मिलेगा। इस कंपनी की शेयर बाजार में धूम मची हुई है। कंपनी के शेयरों में महज 3 महीने के अंदर ही 337 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने में 1326 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। 1 साल में कंपनी के पोजीशनल निवेशकों को 3393 प्रतिशत का फायदा हुआ है। सोमवार को बाजार के बंद होने के समय पर यह स्टॉक 1.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4989.35 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 5087.60 रुपये और 52 वीक लो लेवल 149.90 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 289 करोड़ रुपये का है। ऑटोराइडर्स इंटरनेशन लिमिटेड के शेयर इसी सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया था।

घाटे से मुनाफे में आई स्मॉलकैप कंपनी, रेखा झुनझुनवाला का कंपनी पर बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला के दांव वाली स्मॉलकैप कंपनी बाजार स्टाइल रिटेल घाटे से मुनाफे में आ गई है। बाजार स्टाइल रिटेल को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 51 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 9 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। सालाना आधार पर बाजार स्टाइल रिटेल का रेवेन्यू 71 पर्सेंट बढ़ा है। सितंबर 2025 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 532 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 311 करोड़ रुपये था। तिमाही आधार पर 2405 प्रतिशत बढ़ा है कंपनी का मुनाफा तिमाही आधार पर टैक्स भुगतान के बाद बाजार स्टाइल रिटेल का मुनाफा 2405 पर्सेंट बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की

पहली तिमाही में बाजार स्टाइल रिटेल को 2 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। बाजार स्टाइल रिटेल का रेवेन्यू तिमाही आधार पर 41 पर्सेंट बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 378 करोड़ रुपये था। जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही में कंपनी के एक्सपेंसेज 522 करोड़ रुपये रहे, जो कि पहली तिमाही में 377 करोड़ रुपये थे। वहीं, एक साल पहले की समान अवधि में एक्सपेंसेज 325 करोड़ रुपये थे। बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर सोमवार को 328.60 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 6 महीने में बाजार स्टाइल रिटेल के शेयरों में करीब 7 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला का बाजार स्टाइल रिटेल पर बड़ा दांव है। रेखा झुनझुनवाला के पास बाजार स्टाइल रिटेल के 25,32,500 शेयर हैं। कंपनी में रेखा झुनझुनवाला की हिस्सेदारी 3.39 पर्सेंट है।

2 लाख से सीधे 40 लाख की छलांग, 10 गुना से ज़्यादा बढ़ाकर 40 लाख तक पहुंचा दी है

बीएससी-बीएड की डिग्री से नहीं, इस काम से मिला दाम...?

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीकानेर के छोटे से गांव फुलडेसर के मुकेश गर्वा ने आधुनिक खेती की ताकत से अपनी किस्मत बदल दी है। क्क्रस्. और क्कश्वस्त्र. कर चुके मुकेश ने दो हेक्टेयर की पुश्तैनी जमीन पर होने वाली 2-3 लाख रुपये की पारंपरिक मूंगफली-सरसों की खेती को छोड़ दिया। उन्होंने कृषि विभाग के प्रशिक्षण शिविरों से प्रेरित होकर पॉलीहाउस तकनीक अपनाई। तीन पॉलीहाउस में खीरे और बेमौसमी सब्जियों की खेती और ड्रिप सिंचाई जैसी वैज्ञानिक विधियों का इस्?तेमाल करके मुकेश ने अपनी सालाना इनकम 10 गुना से ज्?यादा बढ़ाकर 40 लाख रुपये तक पहुंचा दी है। आज वह अपने गांव के युवाओं के लिए न केवल एक सफल किसान बल्कि रोजगार और नवाचार का प्रतीक बन चुके हैं। आइए, यहां मुकेश गर्वा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कुछ नया करने का किया फैसला

बीकानेर की लूणकरणसर तहसील के फूलदेसर गांव के मुकेश गर्वा की कहानी निराशा को आशा में बदलने की है। एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे मुकेश ने बीएससी और बीएड की डिग्री ली। लेकिन, उनके पास आजीविका का साधन केवल दो हेक्टेयर पुश्तैनी जमीन थी। इस जमीन पर पारंपरिक रूप से मूंगफली और सरसों की खेती होती थी। इसकी सालाना आय सिर्फ 2 लाख से 3 लाख रुपये थी। यह इनकम परिवार के भरण-पोषण के लिए भी नाकाफी थी। मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, उत्पादन की ऊंची लागत और लगातार बारिश या सूखे का डर मुकेश को पारंपरिक खेती से दूर ले गया। उन्होंने महसूस किया कि केवल शिक्षा का इस्?तेमाल करके ही इस आर्थिक कमजोरी को दूर किया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने खेती में कुछ नया करने का फैसला किया।

मिल गया इनकम बढ़ाने का फंडा

अपने शैक्षणिक ज्ञान का लाभ उठाते हुए मुकेश ने कृषि विभाग की ओर से आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेना शुरू किया। यहीं से उन्हें प्रोटेक्टेड फार्मिंग यानी संरक्षित खेती की नई दिशा मिली। कृषि विभाग की मदद से उन्होंने 4,000 वर्ग मीटर के तीन पॉलीहाउस स्थापित किए और उसमें खीरे की खेती शुरू की। पॉलीहाउस का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह किसान को मौसम पर नियंत्रण देता है। इससे मुकेश बेमौसमी खीरा और अन्य सब्जियां (जैसे टिंडा और तोरई) उगा सके। बेमौसमी फसलों की बाजार में ऊंची मांग होती है। साबित कर दिया है कि आधुनिक कृषि और नवाचार ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि और रोजगार का सशक्त जरिया बन सकता है।

कमाई को लगे चार चांद

राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्र में खेती की सफलता के लिए जल प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती है। मुकेश ने इसका समाधान ड्रिप सिंचाई प्रणाली अपनाकर किया। इससे पानी की बर्बादी शून्य हो गई। इसके अलावा, उन्होंने 118×118 फीट का गहरा गड्ढा खोदकर रेनवाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) की व्यवस्था की। वह पॉलीहाउस की छत से बारिश का पानी जमा करते हैं और सिंचाई में इस्?तेमाल करते हैं। इससे पानी की कमी दूर हो गई और उत्पादन लागत कम हुई। इन आधुनिक तकनीकों के बल पर मुकेश के तीन पॉलीहाउस से सालाना 2,400 क?वि?टल खीरे का उत्पादन होने लगा। 2,500 रुपये प्रति क?वि?टल के औसत बाजार मूल्य पर उनकी कुल आय लगभग 60 लाख रुपये पहुंची। इसमें से उत्पादन लागत (18 लाख रुपये) घटाने के बाद शुद्ध वार्षिक आय 42 लाख रुपये दर्ज की गई।

गांव के युवाओं के लिए बने आदर्श

मुकेश गर्वा की कड़ी मेहनत और तकनीकी समझ ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति बदली है, बल्कि पूरे गांव की सोच को भी बदल दिया है। जब उन्होंने पारंपरिक खेती छोड़ पॉलीहाउस अपनाया था तो गांव वालों ने इसे एक जोखिम भरा कदम माना था। लेकिन, आज बंपर इनकम के साथ वह गांव के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुके हैं। उन्होंने अब कई स्थानीय मजदूरों को भी रोजगार दिया है। इसमें पॉलीहाउस प्रबंधन, सिंचाई, पैकेजिंग और मार्केटिंग जैसे काम शामिल हैं।

निवेश और वैश्विक भागीदारी से बढ़ेगी विकास की रफ्तार

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की अर्थव्यवस्था में अब सुधार के संकेत दिखने लगे हैं। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू विकास चक्र अपने निचले स्तर से ऊपर उठने की ओर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम ब्याज दरें, पर्याप्त तरलता, कच्चे तेल की गिरती कीमतें और सामान्य मानसून जैसे कारक आने वाले महीनों में विकास को रफ्तार दे सकते हैं।

आने वाले वर्षों में भारत का निवेश चक्र मजबूत रहने की संभावना

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही वैश्विक व्यापार अनिश्चितता फिलहाल निजी निवेश (कैपेक्स) के लिए चुनौती बनी हुई हैं, लेकिन मध्यम अवधि में भारत का निवेश चक्र मजबूत बना रहने की संभावना है। इसमें बतया गया है कि सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ता निवेश, निजी क्षेत्र की निवेश गतिविधियों में तेजी और रियल एस्टेट सेक्टर में सुधार इस रुझान को आगे बढ़ाएंगे।

इन कारकों से विकास को मिलेगी गति

एचएसबीसी को उम्मीद है कि नवीकरणीय ऊर्जा और इससे संबंधित सप्लाई चेन में अधिक निजी निवेश, उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी घटकों के स्थानीय उत्पादन व वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती भूमिका, इस विकास को गति देगी। रिपोर्ट के अनुसार निफ्टी का मूल्यांकन अपने 10-वर्षीय औसत से थोड़ा ऊपर हैं। आने वाले वर्षों में यह भारतीय इक्विटी के लिए सकारात्मक बना हुआ है।

रिपोर्ट में चुनौतियों का जिक्र

कारकों का भी जिक्र है, जो विकास की गति पर असर डाल सकती है। कमजोर वैश्विक विकास दर से भविष्य में मांग पर दबाव बने रहने की संभावना है। इसके अलावा, वैश्विक नीतिगत अनिश्चितता, जिसमें टैरिफ का जोखिम, कुछ देशों की व्यापार नीतियां और चल रहे भू-राजनीतिक संघर्ष शामिल हैं।

डिफेंस कंपनी का 60 प्रतिशत हिस्सा खरीदने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयरों में आज मंगलवार को 6 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस उछाल के पीछे की वजह कंपनी से जुड़ी दो बड़ी खबर है। बता दें, कंपनी के नेट प्रॉफिट में सितंबर तिमाही के दौरान 77 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने डिफेंस और टेक्नोलॉजी कंपनी में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है।बीएसई में सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर आज बीएसई में बढ़त के साथ 825.80 रुपये के लेवल पर खुला। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत की तेजी के बाद 856 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। आज कंपनी के शेयर 52 वीक हाई 873.80 रुपये के लेवल के करीब पहुंच गए हैं। बता दें, इस कंपनी का 52 वीक लो लेवल 355.05 रुपये है। सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 64 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 36.20 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के प्रॉफिट में 77 प्रतिशत की तेजी की आई है। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 37.60 प्रतिशत के इजाफे के बाद 1145.80 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 832.70 करोड़ रुपये रहा था।

मैं अब शांत रहूंगा', वॉरेन बफेट का आखिरी पत्र

● सीईओ पद छोड़ते हुए शेयरधारकों को विदाई संदेश ● ग्रेग एबेल होंगे नए सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी।
दुनिया के सबसे प्रसिद्ध निवेशकों में से एक वॉरेन बफेट ने सोमवार को अपने अंतिम सीईओ पत्र में कहा कि वे अब शांत रहेंगे। करीब 60 साल तक बर्कशायर हैथवे के नेतृत्व के बाद 94 वर्षीय बफेट इस साल के अंत में पद छोड़ देंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे हर साल अपने बच्चों और शेयरधारकों को थैंक्सगिविंग संदेश भेजना जारी रखेंगे। अपने आखिरी शब्दों में बफेट ने किसी शोर-शराबे या बड़े एलान से नहीं, बल्कि सादगी और विनम्रता से विदाई ली। उन्होंने लिखा मेरी सबसे बड़ी विरासत धन नहीं, बल्कि साझा की गई बुद्धिमत्ता और विश्वास है।

बफेट के उत्तराधिकारी के रूप में ग्रेग एबेल कंपनी की कमान संभालेंगे। एबेल

2000 से कंपनी से जुड़े हैं, जब बर्कशायर ने उनका ऊर्जा कारोबार अधिग्रहित किया था। बफेट ने कहा वह हमारी कंपनियों और कर्मचारियों को मुझसे कहीं बेहतर समझते हैं। वह एक बेहतरीन प्रबंधक, मेहनती और ईमानदार संचारक हैं। उन्होंने जोड़ा मैं चाहता हूं कि उनकी सेहत अच्छी रहे और वे लंबे समय तक बर्कशायर का नेतृत्व करें।

फिलैंथ्रॉपी की रफ्तार बढ़ाने का फैसला

बफेट ने कहा कि वे अपने ट्रस्टों के कामकाज को तेज करना चाहते हैं ताकि उनकी पूरी संपत्ति सही समय पर दान में दी जा सके। उन्होंने लिखा ÷मैं चाहता हूं कि मेरे फाउंडेशन मेरे जीवित रहते ही अधिकांश संपत्ति वितरित कर दें।

बर्कशायर में भरोसा बरकरार

भले ही वे सीईओ पद छोड़ रहे हैं, बफेट ने कहा कि उनका भरोसा बर्कशायर हैथवे के भविष्य पर कायम है। वे तब तक अपनी कुछ क्लास ए शेयरों को बनाए रखेंगे जब तक निवेशकों को नई लीडरशिप पर पूरा भरोसा नहीं हो जाता। उन्होंने लिखा यह विश्वास ज्यादा समय नहीं लेगा। क्लास बी शेयरों में बदलकर अपने चार पारिवारिक ट्रस्टों को दान किया है।

60 साल की परंपरा का अंत

1965 से हर साल बफेट द्वारा लिखा गया वार्षिक पत्र निवेशकों के लिए 'बाइबल' माना जाता था। इन पत्रों में न केवल वित्तीय रिपोर्ट होती थी, बल्कि जीवन दर्शन, निवेश के गुर और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता भी झलकती थी। अब यह परंपरा एबेल आगे बढ़ाएंगे। अपने अंतिम पत्र में बफेट ने दान, उम्र और जीवन की सीखों पर भावनात्मक अंदाज में लिखा। उन्होंने घोषणा की कि वे अपने पास बचे 149 अरब डॉलर मूल्य के शेयर दान करेंगे। उन्होंने कहा फ्रमुझे अब भी अच्छा महसूस होता है। मैं धीरे चलता हूं और पढ़ने में थोड़ा समय लेता हूं, लेकिन मैं हफ्ते में पांच दिन दफ्तर जाता हूं और शानदार लोगों के साथ काम करता हूं।फ्र उन्होंने बताया कि उन्होंने हाल ही में 1,800 क्लास ए शेयर, जिनकी कीमत लगभग 1.35 अरब डॉलर है।

ऑनलाइन शॉपिंग में अब नहीं होगी दिक्कत

ई-कॉमर्स कंपनियों को बताना होगा कंट्री ऑफ ओरिजिन

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स के लिए कंट्री ऑफ ओरिजिन (यानी सामान किस देश में बना है) का फिल्टर देना अनिवार्य हो जाएगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इसे लेकर एक नया प्रस्ताव रखा है। इस कदम का मकसद ऑनलाइन बाजार में और ज्यादा पारदर्शिता लाना है। यह बदलाव इसलिए किया जा रहा है ताकि ग्राहक ऑनलाइन शॉपिंग करते समय आसानी से जान सके कि कोई प्रोडक्ट किस देश का है और सोच-समझकर खरीदारी का फैसला ले सके।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नए नियमों के ड्राफ्ट के मुताबिक, विदेश से मंगाकर सामान बेचने वाली हर ई-कॉमर्स कंपनी को अपने प्रोडक्ट्स के साथ कंट्री ऑफ ओरिजिन का एक ऐसा फिल्टर देना होगा, जिससे ग्राहक आसानी से प्रोडक्ट्स को खोज कर सके और इसे छांट सकें। इस फीचर से ग्राहकों का ढेर सारे प्रोडक्ट्स के बीच ऐसी जानकारी ढूंढने में लगने वाला समय बचेगा।

वोकल फॉर लोकल

इन नियमों के ड्राफ्ट को विभाग की वेबसाइट पर डाल दिया गया है और सभी संबंधित पक्षों से 22 नवंबर तक अपनी राय और सुझाव मांगे गए हैं। यह बदलाव सरकार के आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल अभियानों को भी सीधे तौर पर बढ़ावा

से खोजे जा सकेंगे। उम्मीद है कि इससे भारतीय निर्माताओं को बराबरी का मौका मिलेगा। देसी प्रोडक्ट्स को भी विदेशी सामानों के बराबर विजिबिलिटी मिलेगी और ग्राहक देश में बने सामान को खरीदने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

मंत्रालय के मुताबिक, कंट्री ऑफ ओरिजिन फिल्टर से अधिकारियों को भी यह निगरानी करने में मदद मिलेगी कि नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। वे हर लिस्टिंग को मैनुअली चेक किए बिना प्रोडक्ट की जानकारी को वेरिफाई कर पाएंगे और नियमों के उल्लंघन को आसानी से पकड़ सकेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव ग्राहक-हितैषी और प्रतिस्पर्धी ई-कॉमर्स माहौल बनाने की दिशा में एक

सोने का दाम 1.25 लाख के पार, चांदी की कीमतों में भी उछाल, और बढ़ेगा भाव !

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोने की कीमतों में फिर से आज तेजी देखने को मिली है। एमसीएक्स गोल्ड का भाव करीब 1 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इस उछाल के बाद 10 ग्राम गोल्ड का रेट 1,25,007 रुपये हो गया है। एमसीएक्स गोल्ड दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट्स का भाव 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 125,137 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ट्रेड कर रहा थ। बता दें, सिर्फ सोने की कीमतों में ही नहीं चांदी का रेट भी आज बढ़ गया है। सिल्वर का रेट 1.12 प्रतिशत की उछाल के बाद 155407 रुपये प्रति किलोग्राम हो चुका है। इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमतो में तेजी के पीछे की वजह फेड रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में कटौती की संभावना को माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर के महीने में अमेरिकी सेंट्रल बैंक की तरफ से ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। इसके अलावा डॉलर का स्थिर रहना और यूएस बॉन्ड यील्ड ने भी गोल्ड की कीमतों को सपोर्ट किया है। भारत में शादियों का

सीजन शुरू हो गया है। जिसकी वजह से अब एक बार से बाजार में गोल्ड ज्वेलरी की डिमांड बढ़ जाएगी। शादियों के इस लम्बे सीजन की वजह से भी गोल्ड की कीमतों में तेजी की संभावना है। बता दें, दशहरा और धनतेरस के बाद बाजार में गोल्ड खरीदारों की संख्या में गिरावट आई थी। गोल्ड की कीमतों में इस साल आई तेजी के पीछे की बड़ी वजहों में ब्याज दरों की गई कटौती एक है। अमेरिका से आए कुछ नए डाटा बताते हैं कि जॉब मार्केट की स्थिति अच्छी नबीं है। वहीं, कंज्यूमर सेंटीमेंट भी कमजोर है।

टाटा ग्रुप की एक और कंपनी की शेयर बाजार में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड की लिस्टिंग के बाद अब कॉमर्शियल यूनिट की भी लिस्टिंग की तारीख सामने आ गई है। कंपनी ने कल सोमवार को दी जानकारी में बताया कि कॉमर्शियल यूनिट (टाटा मोटर्स लिमिटेड इसका नाम है) की लिस्टिंग 12 नवंबर को होगी। बता दें, टाटा मोटर्स ने बीते महीने अपनी कॉमर्शियल यूनिट और पैंसेजर यूनिट को अलग-अलग कर दिया था। पैसेंजर यूनिट की लिस्टिंग 14 अक्टूबर को हो गई थी। लेकिन कॉमर्शियल यूनिट की लिस्टिंग अभी तक नहीं हुई है। टाटा ने कॉमर्शियल यूनिट का नाम टाटा मोटर्स रखा है। रिकॉर्ड डेट पर जिन निवेशकों के पास टाटा मोटर्स के एक शेयर रहे होंगे उन्हें कंपनी एक शेयर कॉमर्शियल यूनिट और एक शेयर पैसेंजर यूनिट का देने का फैसला किया था। टाटा मोटर्स लिमिटेड का डिमर्जर से पहले के शेयरों का भाव 660.75 रुपये था। पैसेंजर यूनिट 400 रुपये प्रति शेयर पर लिस्ट हुई थी। बता दें, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड की तरफ शेयर 14 नवंबर को तिमाही नतीजों का ऐलान किया जाएगा। सोमवार को टाटा मोटर्स पैसेंजर लिमिटेड लिमिटेड के शेयर 1.2 प्रतिशत की तेजी के बाद 410.70 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। टाटा मोटर्स का कहना था कि दो अलग-अलग कंपनियां होने के बाद दोनों यूनिट के बिजनेस पर ज्यादा फोकस किया जा सकेगा। जिससे अधिक ग्रोथ रेट हासिल करने में मदद मिलेगी।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम स्पोर्ट्स सिटी बनेगी

खेल जगत में बड़े बदलाव के संकेत

● सरकार ने शुरू की तैयारियां

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के तहत मौजूदा स्टेडियम को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि यहां सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं और खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आवासीय परिसर तैयार किए जा सकें।

देश की राजधानी स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (जेएलएन स्टेडियम) को अब एक स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के तहत मौजूदा स्टेडियम को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि यहां सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं और खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आवासीय परिसर तैयार किए जा सकें।

बड़े बदलाव की तैयारी में खेल मंत्रालय

मंत्रालय के सूत्र के अनुसार, यह योजना फिलहाल प्रस्ताव स्तर पर है, इसलिए अभी इसकी लागत और समयसीमा तय नहीं की गई है। सूत्र ने बताया, स्टेडियम को तोड़ा जाएगा। इसके अंदर मौजूद सभी दफ्तर जैसे नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा), नेशनल डोप टेस्टिंग लेबोरेटरी (एनडीटीएल) और आयकर विभाग को परियोजना शुरू होने पर अन्य जगह स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्टेडियम की 102 एकड़ जमीन का उपयोग उसकी पूरी क्षमता के अनुसार नहीं हो रहा है। नया स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट सुनिश्चित करेगा कि यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की सुविधाएं, एथलीट्स के रहने की व्यवस्था और यहां तक कि मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित हो सकें। वर्तमान में स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का मुख्यालय और सरकार की खेलो इंडिया परियोजना का दफ्तर भी स्थित है। सूत्रों के मुताबिक, यह परियोजना कई मंत्रालयों, विशेषकर शहरी विकास मंत्रालय के सहयोग से पूरी होगी। इसलिए इसके तुरंत शुरू होने की संभावना कम है। अधिकारी ने कहा, यह फिलहाल एक विचार है।

नेशनल कार्टिंग में रच दिया 9 साल की अर्शी ने इतिहास

खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। बित्ते भर की लड़की और कारनामे बड़े-बड़े, ये कहावत फरीदाबाद की 9 साल की अर्शी गुप्ता पर पूरी तरह फिट बैठती है, जिन्होंने इस छोटी सी उम्र में रिकॉर्डतोड़ कारनामा कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी गुप्ता महज 9 साल की उम्र में नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला रेसर बन गई हैं। फरीदाबाद निवासी अर्शी ने यह कारनामा महज लड़कियों के खिलाफ नहीं किया बल्कि उन्होंने लड़के-लड़कियों, दोनों की मौजूदगी वाली माइक्रो मैक्स क्लास कैटगरी में खिताब जीतने का इतिहास रचा है।

● कार्टिंग करते हुए महज दूसरा साल

फरीदाबाद में 18 अक्तूबर, 2016 को जन्मी अर्शी दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी को कार्टिंग के कॉम्पिटेटिव सर्किट में रेस करते हुए यह महज दूसरा साल हुआ है।

उन्होंने साल 2024 में कार्टिंग की शुरुआत की थी। वे लीपफ्रॉग रेसिंग के तहत रेस करती हैं।

उन्होंने अगस्त, 2025 में भी उस समय सभी को चौंका दिया था, जब मद्रास इंटरनेशनल कार्टिंग एरिना में अर्शी ने राउंड 3 जीता था।

एटीपी फाइनल्स : सिनर की शानदार शुरुआत, अलियासिमे को 7-5, 6-1 हराया

ट्यूरिन, एजेंसी। इटली के स्टार खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर एटीपी फाइनल्स में आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है। सिनर ने चोट से जूझ रहे कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 1 घंटे 41 मिनट तक चले मुकाबले में शिकस्त दी। इस जीत के साथ जैनिक सिनर ने ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में अपना रिकॉर्ड 1-0 कर लिया है। 24

वर्षीय इतालवी खिलाड़ी अब लगातार 27 मैचों से जीत की लय में हैं। उन्होंने 2023 के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद से एटीपी फाइनल्स में एक भी सेट नहीं गंवाया है। जैनिक सिनर और ऑगर-अलियासिमे ने पहले सेट में कड़ा संघर्ष किया। कनाडाई खिलाड़ी ने 3-2 पर दो ब्रेक प्वाइंट और 5-4 पर एक सेट प्वाइंट बचाने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन वह 12वें गेम में सिनर को निर्णायक ब्रेक नहीं दे पाए। इस बीच उन्होंने अपने बाएं पैर में दर्द महसूस किया। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने पहले सेट के अंत में ऑफ-कोर्ट मेडिकल टाइम-आउट लिया। फेलिक्स ऑगर-अलियासि दूसरे सेट के दूसरे गेम में सर्विस गंवाने के बाद उबर नहीं पाए। वह बाईं पिंडली में दर्द से परेशान थे। ऐसे में कोर्ट पर ही उनका उपचार किया गया। परेशानी के बावजूद उन्होंने लगातार संघर्ष किया, लेकिन सेट को 1-6 से गंवा बैठे। मुकाबला जीतने के बाद सिनर ने ऑगर-अलियासिमे के बारे में कहा, मुझे उम्मीद है कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उम्मीद करता हूं कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएं। इनाल्पी एरिना में जीत के साथ सिनर ने एटीपी ईयर-एंड नंबर 1 के लिए कार्लोस अल्काराज को पछाड़ने की अपनी संभावनाओं को भी बरकरार रखा है।

इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी करेंगे टी20 डेब्यू, इस दिन खेलेंगे पहला मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने पहली बार बिहार की तरफ से खेलते हुए टी20 में डेब्यू किया था. उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

में राजस्थान के खिलाफ अपना पहला मैच खेला, जिसमें 13 रन बनाए थे. उसके बाद उन्होंने IPL 2025 में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ डेब्यू किया था. जिसमें उन्होंने 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे. अब वो नीली जर्सी में डेब्यू करते दिखेंगे. वैभव सूर्यवंशी पहली बार भारत की किसी टीम के लिए टी20 खेलते नजर आएंगे. राइजिंग स्टार्स एशिया कप में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू देखने को मिल सकता है.

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में डेब्यू

राइजिंग स्टार्स एशिया कप 14 नवंबर से शुरू हो रहा है. इस टूर्नामेंट के लिए इंडिया ए की टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है. यह पहला मौका होगा जब वैभव नीली जर्सी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. उनकी स्किल्स और प्रदर्शन को देखते हुए, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं.

वैभव नीली जर्सी में इस दिन खेलेंगे पहला मैच- नीली जर्सी में वैभव सूर्यवंशी का टी20 डेब्यू राइजिंग स्टार्स एशिया कप के पहले मुकाबले में ही दिख सकता है.

57 साल, 43 मुकाबलों का इंतजार **रणजी ट्रॉफी में पहली बार दिल्ली को हराया**

जम्मू कश्मीर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025 के चौथे मुकाबले में जम्मू कश्मीर की टीम ने दिल्ली को हराकर इतिहास रच दिया है। 57 साल के इंतजार के बाद जम्मू कश्मीर ने दिल्ली को इस टूर्नामेंट में मात दी है। दिल्ली के अरुण जेठली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पारस डोगरा की कप्तानी वाली जम्मू कश्मीर की टीम ने 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पारस डोगरा और कामरान इकबाल की शतकीय पारियों ने इसमें अहम भूमिका निभाई।

42 मैचों के बाद खत्म हुआ इंतजार

इस मैच से पहले तक दिल्ली ने जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में कुल 42 मैचों में से 37 में जीत दर्ज की थी और चार मैच ड्रॉ हुए थे। जबकि एक मुकाबला बेनतीजा था। यानी 42 मैचों के इंतजार के बाद अब 43वें मुकाबले में जम्मू कश्मीर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पहली बार दिल्ली को रणजी ट्रॉफी मैच में मात दी है। टीम को सभी खिलाड़ियों के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से जीत मिली।

पारस डोगरा और कामरान इकबाल के शतक

इस मैच की बात करें तो जम्मू कश्मीर की तरफ से पहली पारी में कप्तान पारस डोगरा ने 106 रन की शतकीय पारी खेली थी। उसके बाद दूसरी पारी में 179 रन का लक्ष्य चेज करते हुए ओपनर कामरान इकबाल ने 147 गेंदों पर नाबाद 133 रन बना दिए। टीम ने सिर्फ तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। अंत में कामरान के साथ कप्तान पारस डोगरा भी 10 रन बनाकर नाबाद थे। इस मैच की बात करें तो पहले खेलते हुए दिल्ली की टीम सिर्फ 211 रन पर ही सिमट गई थी। आकिब नबी ने 5 विकेट अपने नाम किए थे। उसके बाद जम्मू कश्मीर ने अपनी पहली पारी में पारस डोगरा के शतक की बदौलत 310 रन बनाए थे और 99 रन की बढ़त ली थी। फिर दूसरी पारी में दिल्ली की टीम 277 रन ही बना पाई और वंशज शर्मा ने जम्मू कश्मीर के लिए 6 विकेट लिए। फिर 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू कश्मीर ने कामरान के शतक की बदौलत आसानी से मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया।

शमी को टीम से बाहर रखने का कोई कारण नहीं

वो अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक : सौरव गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को लेकर बड़ा बयान दिया है। गांगुली का मानना है कि शमी अब भी भारत के सबसे फिट और

प्रभावी गेंदबाज़ों में से एक हैं, और उन्हें टीम से बाहर रखने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि शमी लगातार रणजी ट्रॉफी में शानदार गेंदबाज़ी कर रहे हैं और भारत की तीनों फॉर्मेट की टीम में वापसी के हकदार हैं।

शमी वही हैं, जैसे पहले थे : कोलकाता में आयोजित एक इवेंट के दौरान सौरव गांगुली ने कहा, मोहम्मद शमी बहुत अच्छे फॉर्म में हैं। अगर आपने रणजी ट्रॉफी देखी हो तो वे अकेले दम पर बंगाल के मैच जिता रहे हैं। फिटनेस और स्किल के मामले में वे बिल्कुल वही शमी हैं, जिन्हें हम हमेशा जानते हैं। मुझे कोई कारण नहीं दिखता

कि वे भारत के लिए टेस्ट, वनडे या टी20 क्यों नहीं खेल सकते। गांगुली ने यह भी कहा कि उन्हें यकीन है चयनकर्ता शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं और दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

टीम इंडिया से बाहर और संचार की कमी?

शमी आखिरी बार भारत के लिए 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेले थे। इसके बाद से उन्हें न तो वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज़ में मौका मिला और न ही ऑस्ट्रेलिया की हालिया व्हाइट-बॉल सीरीज़ में। इस बीच, शमी ने मीडिया से कहा था कि वह पूरी तरह फिट हैं और टीम के लिए खेलने को तैयार हैं, इस बयान ने टीम मैनेजमेंट और उनके बीच संचार की कमी की ओर इशारा किया।

सम्राट 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व चैंपियन

मनु-ईशा पदक से चूकीं, पांचवें स्थान पर भारत

काहिरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा। युवा भारतीय निशानेबाज सम्राट राणा ने सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। करनाल के सम्राट ने फाइनल में 243.7 अंक हासिल कर चीन के हू काई को पछाड़ा। काई ने 243.3 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा।

मनु और ईशा पदक से चूकीं

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पदक जीतने से चूक गयी। पेरिस

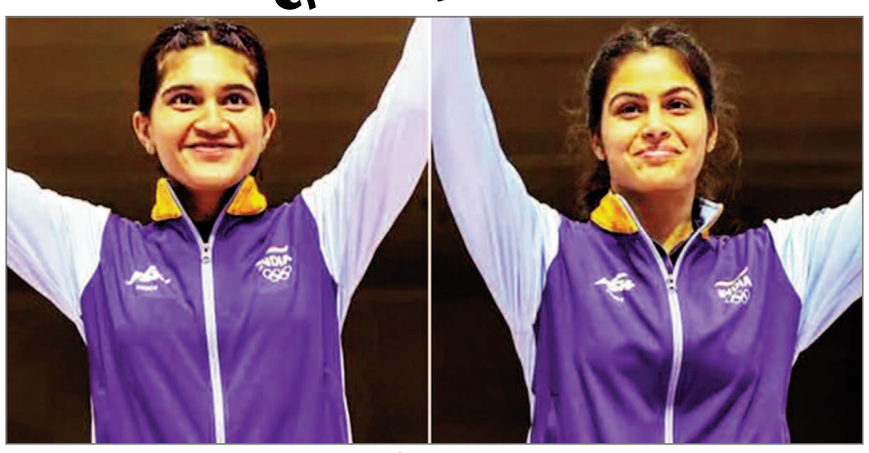

ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था लेकिन 14वें निशाने में 8.8 का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गईं और 139.5 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गयी।

हाल ही में चीन के निंगबो में विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने वाली ईशा भी दबाव में धैर्य नहीं दिखा सकी। 20 वर्षीय यह निशानेबाज आठ निशानेबाजों के फाइनल में 10.7 के शानदार प्रदर्शन के बाद 14वें निशाने में 8.4 अंक ही बना पाईं और छठे स्थान पर रहीं। चीन की 20 वर्षीय याओ कियानक्सुन ने 243.0 अंक हासिल करके अपने करियर का सबसे बड़ा पदक जीता, जबकि हांगकांग-चीन की हो चिंग शिंग (241.2) और वेई कियान (चीन, 221.4) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर थोड़ी सांत्वना मिली जिसमें ईशा (583), मनु (580) और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सुरुचि इंदर सिंह (577) ने 1740 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया।

ईशा और मनु दोनों ही क्वालिफिकेशन में अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर फाइनल में पहुंचीं। ईशा ने क्वालिफिकेशन चरण में 583 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने इस दौरान तीसरी सीरीज में परफेक्ट-100 भी हासिल किया।

मनु ने क्वालिफिकेशन में 580 अंक हासिल किए और छठे स्थान के साथ आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने फाइनल में 13वें निशाने पर शानदार 10.7 अंक के साथ बढ़त बनाई, लेकिन अगले निशाने (8.8 अंक) के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। इस साल चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची 19 साल की सुरुचि ने संतोषजनक 577 अंक हासिल किए। वह 99 निशानेबाजों के बीच 14वें स्थान पर रही।भारत एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर है। चीन छह स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर है।

पाकिस्तान में क्रिकेटर नहीं हैं सुरक्षित

श्रीलंका सीरीज से पहले हुई फायरिंग, पाक गेंदबाज का घर गोलियों से भूना गया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में अभी भी भारतीय क्रिकेट टीम जाकर नहीं खेलती है। वहीं दुनिया के कई देश आज भी यहां जाकर क्रिकेट खेलने में कतराते हैं। 2009 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद हर टीम के अंदर पाकिस्तान जाकर खेलने से डर रहता है। फिर भी पिछले एक दो साल में पाकिस्तान में जाकर कुछ देशों ने क्रिकेट खेला है। वहीं श्रीलंका की टीम वनडे सीरीज के लिए अभी पाकिस्तान के दौरे पर है। सीरीज की शुरुआत से कुछ

घंटों पहले ही पाकिस्तान के एक बड़े खिलाड़ी का घर गोलियों से भून दिया गया। आपको बता दें कि श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच पहला वनडे मैच रावलपिंडी में 11 नवंबर को खेला जाना है।

जबकि सोमवार 10 नवंबर को पाकिस्तानी गेंदबाज नसीम शाह के घर के बाहर गोलीबारी का मामला सामने आया है। हालांकि, नसीम इस वक्त टीम के साथ हैं मगर जब यह फायरिंग उनके घर पर हुई तो पूरा परिवार अंदर ही मौजूद था।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप - भारत का शानदार प्रदर्शन, रिकर्व पुरुष और कंपाउंड महिला टीमें फाइनल में

ढाका, एजेंसी। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में सोमवार को भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने फाइनल में जगह बना ली है। अतनु दास, यशदीप संजय भोगे और राहुल की दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष रिकर्व टीम ने कजाकिस्तान को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अब फाइनल में भारत के सामने साउथ कोरिया होगा, जो सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान को 6-2 से शिकस्त देकर यहां तक पहुंचा है। भारत की पुरुष तिकड़ी ने तुर्कमेनिस्तान पर 6-2 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 6-0 से शिकस्त दी। 25 वर्षीय संजय भोगे ने क्वालीफिकेशन राउंड में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ क्वालीफिकेशन स्कोर 687 अंक हासिल किया। इस दौरान नौ ङ्क10 शामिल थे। उन्होंने इससे पहले एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पदक बैंकॉक में 2019 एशिया कप में मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता था।

संघर्ष के दिनों में हाथ से फिसलीं कई फिल्में

आत्महत्या करना चाहते थे नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने दमदार अभिनय से बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यही कारण है कि नवाज इंडस्ट्री से जुड़े मामलों पर खुलकर अपनी राय भी रखते हैं। अब एक बार फिर अभिनेता ने इंडस्ट्री को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को भी याद किया है। एक्टर ने बताया कि एक वक्त ऐसा भी था जब वो सुसाइड करने तक की सोच रहे थे। अपने जीवन के सबसे मुश्किल वक्त को याद करते हुए एक्टर ने कहा कि 2012 से पहले अक्सर ऐसा होता था कि मुझे मौके मिलते थे और फिर खो जाते थे। मैं यह मानने लगा था कि शायद मैं जीवन में कुछ खास हासिल करने के लिए नहीं बना था क्योंकि जब भी मुझे कुछ मिलता था, वह फिसल जाता था। कई फिल्में और प्रोजेक्ट जिनका मैं हिस्सा होने वाला था, दूसरों को मिल गए। हर कोई एक ऐसे दौर से गुजरता है, जब उसे लगता है कि हार मान ली जाए। आप सोचने लगते हैं कि शायद यह किस्मत है, शायद बदकिस्मती। मैं भी यही सोचता था कि अब कुछ नहीं होगा। लेकिन फिर कोई छोटी सी बात मुझे फिर से उम्मीद दे देती। बातचीत के दौरान नवाजुद्दीन ने उस समय को भी याद किया जब उन्हें आत्महत्या करने के ख्याल आने लगे थे। एक्टर ने बताया कि यह एहसास बहुत पहले सफलता से लगभग पांच साल पहले आया था। मेरे कुछ दोस्तों की मौत हो गई थी। एक दुर्घटना में, दूसरा मानसिक बीमारी के कारण और एक आत्महत्या से।

फ्री में एक्टिंग करने को तैयार थे नवाज

हालांकि, नवाज ने ऐसे मुश्किल वक्त में भी हार नहीं मानी और लगे रहे। उन्होंने कहा कि आखिरकार मैंने मान लिया कि शायद कुछ बड़ा नहीं होगा। मैंने खुद से कहा, अगर कुछ नहीं भी हुआ, तो भी मैं एक्टिंग करूंगा। फ्री में करूंगा और अगर करना पड़ा तो सड़कों पर भी करूंगा। लेकिन जब मौके आए तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि वे असली हैं। मुझे लगा कि वे भी मुझसे छीन लिए जाएंगे।

ट्विंकल की अगली किताब का ऐलान!

फैंस से पूछा- क्या है 10 साल पुराना राज?

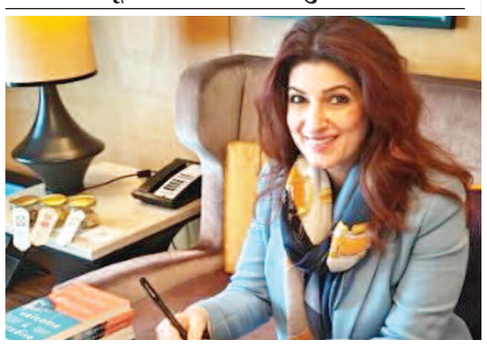

बॉलीवुड की पूर्व अभिनेत्री और लेखिका ट्विंकल खन्ना ने भले ही फिल्मों की दुनिया से दूरी बना ली हो, लेकिन वे शो और सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा से दूरी बनाते हुए एक लेखिका और इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर अपना करियर स्थापित किया और कई किताबें भी लिखी हैं। वहीं, अभिनेत्री ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए बताया कि उनकी नई किताब आने वाली है। हालांकि, उन्होंने प्रशंसकों को किताब के बारे में अन्य जानकारी नहीं दी उनसे पूछा, मुझे नए-नए तरीके से एक्सपेरिमेंट करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन इनमें मैं एक चीज नहीं बदलती, वो है लगातार लिखते रहना। आपको बता दूं कि मेरी अगली किताब इस महीने के आखिरी में आ रही है। ट्विंकल ने किताब के बारे में पूछते हुए लिखा, आपको क्या लगता है कि मेरी आने वाली किताब किस विषय पर होगी? चलिए, मैं आपको इशारा देते हुए बताती हूं कि इस बात को दस साल हो गए हैं।

अभिनेत्री की पोस्ट देख प्रशंसक किताब के विषय को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन में बुक का नाम पूछ रहे हैं, तो कुछ तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने 1995 में फिल्म बरसात से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा भी गया था। इसके बाद उन्होंने जब प्यार किससे होता है (1998), बादशाह (1999), और लव के लिए कुछ भी करेगा (2001) जैसी फिल्में दी। साल 2001 में अक्षय कुमार से शादी करने के बाद अभिनेत्री ने फिल्मी दुनिया छोड़ अलग करियर चुना। वहीं, अभिनेत्री इन दिनों टू मच विद काजोल और ट्विंकल में होस्ट के तौर पर नजर आ रही हैं। शो में कुछ सेलेब्स आ चुके हैं और कुछ आने बाकी हैं। यह शो हर गुरुवार को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होता है।

मुझे कलाकार के तौर पर

चैलेंजिंग रोल

ज्यादा पसंद हैं : सायंतनी घोष

स्टार प्लस की महाभारत में मत्स्य रानी सत्यवती का रोल एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने किया था। उनके किरदार की तारीफ हर किसी ने की थी। अब एक्ट्रेस टीवी सीरियल जगद्धात्री में दिखने वाली हैं। उन्होंने सीरियल से जुड़े एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। सीरियल जगद्धात्री जीटीवी पर आने वाला है। इसमें अपने किरदार माया देशमुख पर सायंतनी घोष ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल किरदार था। अभी तक मैंने कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। लेकिन, यह सबसे अलग है। कलाकार के तौर पर मुझे चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं और इसी वजह से मैंने इस रोल को एक्सेप्ट किया। उन्होंने कहा कि माया देशमुख घर और बिजनेस दोनों संभाल रही हैं। मुझे लगता है कि असल जिंदगी में हर महिला का जीवन ऐसे संघर्ष से भरा रहता है। इसी वजह से माया के किरदार ने मुझे ज्यादा प्रभावित किया। हमें पहले लोगों की सोच बदलने की जरूरत है। लोगों को लगता है कि महिलाएं एक्शन नहीं कर सकतीं, लेकिन जगद्धात्री ऐसा शो है, जिसे महिला लीड कर रही है और पुरुषों की तरह एक्शन कर रही है। शो नारी की शक्ति का प्रतीक है। मुझे इस शो से बहुत सारी उम्मीदें हैं। मैं दर्शकों से इस सीरियल को बहुत सारा प्यार देने की रिक्वेस्ट करूंगी। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में आए बदलावों पर बात करते हुए कहा कि 20 साल में टेलीविजन इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए हैं। मैं भी समय के साथ खुद को बदलती हूं। आजकल धैर्य की कमी देखी जा रही है। पहले शो सालों तक चलते थे। आज शो कुछ ही महीनों में खत्म हो जाते हैं। इतनी ज्यादा प्रतियोगिता है कि सीरियल की शेल्फ लाइफ कम हो गई है। इसमें बदलाव लाना चाहिए। सायंतनी घोष ने कहा कि मेरा सफर टीवी शो नागिन से शुरू हुआ था। मैंने महाभारत और नामकरण जैसे शोज किए हैं, जिनके लिए मुझे आज भी याद किया जाता है। लेकिन अब मैं कुछ अलग करना चाहती हूं और एक कलाकार होने के नाते आगे बढ़ना चाहती हूं। इसके लिए सीरियल जगद्धात्री बेस्ट है, क्योंकि ये अलग है।

चिक से क्लासी तक है बेमिसाल पश्मीना रोशन का फैशन इवॉल्यूशन

कभी सिज़लिंग सिल्हूट्स तो कभी प्लेफुल प्रेप्पी लुक्स, पश्मीना की स्टाइल जर्नी उनके मल्टीफैसेटेड चार्म को बखूबी दर्शाती है। तो आइए देखते हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फैशन मोमेंट्स, जिन्होंने उनके सिग्नेचर स्टाइल को परिभाषित किया है। ग्लैमर इन ग्लिटरः पश्मीना ने एक ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया, जिसमें वर्टिकल सिल्वर शिमर एक्सेंट्स थे। यह एक ऐसा लुक है, जो सादगी और चमक दोनों का संतुलन बनाए रखता है। डीप नेकलाइन और स्ट्रक्चर्ड फिट ने उनके ग्रेस को और निखारा, वहीं क्लासिक ब्लैक डियोर बैग ने पूरे लुक में लग्ज़री का टच जोड़ दिया है। प्रेप्पी चिक इन चेक्सः ग्लैम से हटकर, पश्मीना ने गर्ल-नेक्स्ट-डोर वाइब के साथ क्लासिक चेक्स को नया ट्विस्ट दिया है। अब देखिए न जिस तरह उन्होंने ब्लू प्लेड को-ऑर्ड सेट के साथ स्लीवलेस कॉलर क्रॉप टॉप और हाई-वेस्ट स्कर्ट पहना है, उसने स्मार्ट एलिगेंस का खूबसूरत उदाहरण पेश किया है। इसके अलावा पर्ल और क्रिस्टल चोकर उनके इस लुक को परफेक्ट कम्प्लीमेंट कर रहा है।

बोल्ड इन ब्लैकः इस स्ट्राइकिंग ब्लैक कट-आउट गाउन में पश्मीना का कॉन्फिडेंस और मॉडर्न ग्लैमर झलक उठा है। साथ ही थाई-हाई स्लिट और गोल्ड कफ एक्सेसरीज़ ने इस लुक में ड्रमैटिक फ्लेयर जोड़ दिया है। यह लुक रेड-कार्पेट सोफिस्टिकेशन को नए अंदाज़ में पेश करता है।

स्पोर्टी स्ट्रीट चिकः ऑफ-ड्यूटी लुक में पश्मीना ने कूल-गर्ल एस्थेटिक को बखूबी निभाया है। ब्लू चेकर्ड मेज शर्ट को उन्होंने व्हाइट प्लीटेड मिनी स्कर्ट के साथ पेयर किया है। प्रेप्पी और स्पोर्टी एलिमेंट्स का यह मिक्स लुक को कैजुअल के साथ रनवे-रेडी भी बनाता है ।

इमरान खान अपनी कमबैक फिल्म में भूमि पेडनेकर के साथ आएंगे नजर

सुपरस्टार आमिर खान के भांजे इमरान खान करीब 10 साल के लंबे गैप के बाद परदे पर लौटने जा रहे हैं। इमरान को आखिरी बार 2015 में रिलीज हुई फिल्म कट्टी बट्टी में देखा गया था। जिसमें उनके साथ कंगना रनौत मुख्य किरदार में थीं। अब उनकी अगली फिल्म के जरिए वे दर्शकों के सामने नए अंदाज में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की रिलीज और कास्ट से जुड़ा ताजा अपडेट सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इमरान की इस आगामी फिल्म में भूमि पेडनेकर भी उनके साथ नजर आएंगी। फिल्म का पहला एडिट इसी साल दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में पूरी हो चुकी है और अब यह पोस्ट-प्रोडक्शन फेज में है। निर्माता दिसंबर तक एडिट पूरा कर अगले साल की शुरुआत में फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट फाइनल नहीं हुई है। रिलीज डेट का निर्धारण पूरी तरह नेटफ्लिक्स पर निर्भर है। जब तक कॉर्पोरेट अधिकारियों की टीम इस पर साइन नहीं कर देती, रिलीज का कोई आधिकारिक ऐलान नहीं होगा। इसका निर्देशन दानिश असलम कर रहे हैं।

राम चरण के गाने 'चिकिरी' ने तोड़ा शाहरुख खान का रिकॉर्ड, मिले इतने करोड़ व्यूज, रच दिया इतिहास

दक्षिण भारतीय सुपरस्टार राम चरण की अपकमिंग फिल्म पेड्डी का गाना चिकिरी चिकिरी रिलीज होते ही धूम मचा रहा है. इसे लोगों का इतना प्यार मिल रहा है कि ये गाना साल 2025 का सबसे पॉपुलर सॉन्ग बन चुका है. तेलुगु सुपरस्टार राम चरण लंबे वक्त से अपनी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर सुर्खियों में चल रहे हैं. क्रिकेट पर बेस्ड इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इसने अपनी पहली झलक के साथ ही धूम मचा दी थी. वहीं अब राम चरण की इस पिक्चर का पहला गाना भी आ चुका है.

पेड्डी के पहले गाने ने रिलीज होते से ही शाहरुख खान का एक बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है और ये 24 घंटे के अंदर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला भारतीय सॉन्ग बन चुका है. हाल ही में राम चरण की पेड्डी का गाना 'चिकिरी चिकिरी' रिलीज हुआ था. यूट्यूब पर इस गाने को दर्शकों से जबरदस्त प्यार मिल रहा है. ये गाना शुक्रवार को रिलीज किया गया था और इसने रिलीज के 24 घंटे में ही साढ़े चार करोड़ से ज्यादा व्यूज बटोरकर नया इतिहास बना दिया है. 'चिकिरी चिकरी' गाना शुक्रवार को टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल से जारी किया गया था. इसमें राम चरण अतरंगी अंदाज में डांस करते हुए नजर आ रहे हैं.

सपना चौधरी का नया जलवा देखकर फैन्स बोले -

ये तो बिल्कुल नई सपना लग रही है!

हरियाणा की देसी क्वीन सपना चौधरी ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है! अपनी ताज़ा तस्वीरों में सपना का लुक इतना ग्लैमरस और एलीगेंट है कि फैन्स की नज़रें हट ही नहीं रहीं. ब्लैक आउटफिट, सॉफ्ट कर्ल्स और चेहरे पर नैचुरल ग्लो - सपना का ये ट्रांसफॉर्मेशन देखकर हर कोई बस यही कह रहा है, वाह सपना, क्या बात है! कमेंट सेक्शन में फैन्स उन्हें अल्टीमेट स्टाइल आइकन और रियल दिवा बता रहे हैं. जिसने भी सपना को उनके देसी डांस मूव्स और एनर्जेटिक स्टेज परफॉर्मेंस में देखा है, वो इस नए मॉडर्न लुक पर फिदा हो गया है. देसी से क्लासी तक का ये ट्रांज़िशन बिल्कुल स्मूद और कॉन्फिडेंट है. छोटे शहर की मंच स्टार से लेकर पूरे भारत की पहचान बनने तक का सपना चौधरी का सफर हमेशा से प्रेरणादायक रहा है. बिग बॉस में उनकी एंट्री से लेकर उनके सुपरहिट गानों तक, सपना ने बार-बार साबित किया है कि टैलेंट और मेहनत की कोई लिमिट नहीं होती.

अब इस नए अंदाज़, नई सोच और नई चमक के साथ सपना चौधरी अपने करियर के एक ऐसे दौर में हैं जहाँ ग्लैमर, ग्रेस और ग्रोथ तीनों साथ दिख रहे हैं - और फैन्स बस यही कह रहे हैं, देसी क्वीन अब बन गई हैं ग्लोबल ड्रीम!

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवलः

बेस्ट एक्ट्रेस के लिए शुभांगी दत्ता नॉमिनेट, अनुपम खेर ने दी बधाई

फिल्म निर्माता-निर्देशक और अभिनेता अनुपम खेर ने अभिनेत्री शुभांगी दत्ता को बड़ी उपलब्धि पर बधाई दी है। शुभांगी को उनकी पहली फिल्म तन्वी द ग्रेट के लिए प्रतिष्ठित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया में बेस्ट एक्ट्रेस के नामांकन मिला है। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट को साझा करते हुए लिखा, डियर शुभांगी दत्त, प्रतिष्ठित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया में तन्वी द ग्रेट के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के नामांकन के लिए बधाई। आपकी लगन, मेहनत, धैर्य और प्रतिभा को आखिरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिल रही है! खेर ने पोस्ट में आगे लिखा कि यह न केवल उनके लिए बल्कि पूरी टीम के लिए बेहद बड़ी और खास बात है। उन्होंने लिखा, मेरे और हमारी टीम के लिए यह और भी खास है कि आप हमारे एक्टिंग स्कूल की छात्रा हैं! ईश्वर करे आपको न सिर्फ तन्वी के लिए, बल्कि आपके भविष्य के अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए भी ढेरों सम्मान मिले। बता दें कि शुभांगी, अनुपम खेर के एक्टिंग स्कूल की छात्रा हैं और खेर के निर्देशन में बनी फिल्म तन्वी द ग्रेट की मुख्य अभिनेत्री भी हैं। तन्वी एक प्रेरणादायक कहानी पर आधारित फिल्म है। एक इंटरव्यू में अनुपम ने शुभांगी के अभिनय पर खुलकर बात करते हुए बताया था कि वह काफी मेहनती कलाकार हैं और तन्वी के किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त मेहनत की थी। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया हर साल विश्व भर की बेहतरीन फिल्मों और कलाकारों को सम्मानित करता है। तन्वी द ग्रेट में शुभांगी दत्ता ने डेब्यू किया है।

साभार एजेंसी